हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 07.08.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 19 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

बांग्लादेश में अराजकता, प्रदर्शनकारियों ने मंदिरों को बनाया निशाना, हिन्दुओं पर हो रहे हमले

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंदू, बौद्ध सहित गैर मुस्लिम समुदाय के लोगों पर हमलों की घटनाएं लगातार जारी हैं। विभिन्न जिलों में हिंसा, तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस अस्थिरता के माहौल में अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे उनकी सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एक्य परिषद् ने मंगलवार शाम पिछले दो दिनों के दौरान देशभर में हुए गैर मुस्लिम समुदाय (हिंदू, बौद्ध और क्रिश्चियन) के घरों और पूजा स्थलों पर हमले की सूची जारी की है। इसके मुताबिक शेरपुर के शत्रीबर्दी में युवक एकता परिषद के अध्यक्ष के घर पर हमला कर लूटपाट की गई। इसी तरह, खुलना के रूपसा थाने के हाइसगाती गांव में श्यामल कुमार दास और स्वजन कुमार दास के घर पर हमला हुआ। खुलना जिले में ही जिला एकता परिषद के अध्यक्ष बिमान बिहारी अमित और युवक एकता परिषद के अध्यक्ष अनिमेष सरकार रिंटू के टुटपाड़ा स्थित घरों पर भी हमला कर लूटपाट की गई।

दाकोप के बनिसांता के आमतली में जयंत गाइन के घर पर हमला हुआ। वहीं, खुलना के ही कई अन्य इलाकों में अल्पसंख्यक परिवारों के घरों पर हमले, तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। फेनी में दुर्गा मंदिर पर हमला किया गया। दिनाजपुर में फूलतला श्मशान घाट पर कब्जा कर लिया गया और परबतिपुर के काली मंदिर समेत पांच मंदिरों में तोड़फोड़ की गई।

दिनाजपुर के सेताबगंज बोचागंज में अल्पसंख्यक परिवारों के घरों पर हमले और लूटपाट की घटनाएं जारी हैं। चिरिरपोर्ट थाने के धल्ला गांव में भी अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) के घरों पर हमला कर तोड़फोड़ की गई। नर्सिंगदी में पूजा उदयापन परिषद के नेता दीपक साहा के घर और कार्यालय पर हमला कर लूटपाट की गई।

लक्ष्मीपुर में चंद्रगंज के गौतम मजुमदार के घर पर हमला, तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की गई। किशोरगंज के कुलियारचर के अगोरपुर गांव में नकुल कुमार और सुशांत के घर पर आगजनी की गई। चटगांव के राउजान में उज्जल चक्रवर्ती के घर पर हमला हुआ।

यशोर के अभयनगर के धोपादी पालपाड़ा गांव में तीन घरों में आगजनी की गई। बाघारपाड़ा नारिकेल बाड़ीया में चेयरमैन बबलू साहा के गोदाम समेत 22 दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई। यशोर के ही कई अन्य इलाकों में अल्पसंख्यक घरों पर हमले, तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं हुईं। सतखिरा में जिला एकता परिषद के अध्यक्ष विश्वजीत साधु के घर पर हमला कर लूटपाट और आगजनी की गई। इसी जिले में एकता परिषद के केंद्रीय सह-संगठन सचिव डॉ. सुब्रत घोष के घर पर भी हमला हुआ। हबीगंज के शायस्तागंज बाजार में उपजिला एकता परिषद के अध्यक्ष असित बरण दास की दुकान पर हमला हुआ। नाराइल के लोहारगड़ा में अल्पसंख्यक घरों पर हमले, तोड़फोड़, लूटपाट और दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। बोगुरा के बड़ेगुला तिलपट्टी में अल्पसंख्यकों के पांच से सात दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई।

दो दिनों में 56 जगहों पर हुए हमले

मंगलवार को बांग्लादेश हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद ने अल्पसंख्यक समुदाय पर हमले की जो सूची जारी की है उसमें 56 घटनाओं का जिक्र है। दरअसल, सोमवार को परिषद के अध्यक्ष और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक आंदोलन के प्रमुख अधिवक्ता राणा दासगुप्ता ने 29 क्षेत्रों में 45 अल्पसंख्यक-उत्पीड़न की घटनाओं की एक सूची बनाई थी। मंगलवार को इस सूची में 11 और क्षेत्रों को जोड़ा गया है।

स्थिति को देखते हुए, अंतरराष्ट्रीय समुदाय और बांग्लादेश सरकार से त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की अपील की गई है, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हिंदू बौद्ध क्रिश्चियन एकता परिषद ने इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया है।

इन घटनाओं से स्पष्ट है कि शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और बांग्लादेश सरकार को इन हिंसक घटनाओं को रोकने और अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश की जेल से निकले सैकड़ों कैदी बंगाल सीमा पर बढ़ा घुसपैठ का खतरा

कोलकाता : शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर जाने के बाद बांग्लादेश में अस्थिरता थमी नहीं है। वहां थानों से लेकर जेलों तक हर जगह हमले हो रहे हैं। जेल पर हमला करके आंदोलनकारी प्रतिबंधित जमात के सदस्यों और इस्लामी छात्र संगठन के कैदियों को भी मुक्त करवा रहे हैं। सोमवार रात तक जमात और इस्लामी छात्र संगठन के सैकड़ों कैदियों को छुड़ा लिया गया था। इसके कारण बंगाल की कंटीले तारविहीन सीमा पर बांग्लादेशी घुसपैठ का खतरा बढ़ गया है। इसी आशंका के चलते बीएसएफ ने 'नाइट विजन' कैमरों के साथ सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक शेख हसीना के पदत्याग के बाद सोमवार को 13 थानों और दो जेलों पर हमले किये गये। प्रदर्शनकारियों ने कई कैदियों को छुड़ा लिया। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) सूत्रों के मुताबिक हसीना सरकार के दौरान भारत विरोधी गतिविधियों के लिए जमात और इस्लामिक छात्र संगठन के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। उन पर आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने के कई आरोप लगे थे। सूत्रों के मुताबिक उनमें से कईयों को मुक्त करा लिया गया है।

सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश संकट पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा के लिए मंगलवार को संसद भवन में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बैठक में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति और बांग्लादेश में उभरती स्थिति पर भारत के रुख के बारे में जानकारी दी। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में, संसद भवन में बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा, आज संसद में सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश में चल रहे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। सर्वसम्मति से मिले समर्थन और समझ की सराहना करता हूं।

विदेश मंत्री का राज्यसभा में बयान, कहा- स्थिति बदल रही, भारत नजर बनाए हुए है

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मंगलवार को राज्यसभा में बांग्लादेश के हालात पर बयान दिया। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में घटनाक्रम बदल रहा है। भारत अल्पसंख्यकों की स्थिति पर नजर रखे हुए है और ढाका में अधिकारियों के साथ भी नियमित संपर्क में हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना कुछ समय के लिए भारत में हैं। राज्यसभा में विदेश मंत्री ने एक विशेष बयान में बताया कि सरकार राजनयिक मिशनों के माध्यम से बांग्लादेश में भारतीय समुदाय के साथ निकट और निरंतर संपर्क में हैं। वहां अनुमानित रूप से 19 हजार भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से लगभग 9 हजार छात्र हैं। उच्चायोग की सलाह पर अधिकांश छात्र जुलाई महीने में ही भारत लौट आए हैं। राजनयिक उपस्थिति के संदर्भ में विदेश मंत्री ने बताया कि ढाका में उच्चायोग के अलावा हमारे पास चटगांव, राजशाही, खुलना और सिलहट में सहायक उच्चायोग हैं। हमारी अपेक्षा है कि मेजबान सरकार इन प्रतिष्ठानों के लिए आवश्यक सुरक्षा संरक्षण प्रदान करेगी।

आजीवन कारावास की सजा काट रहे 30 कैदी होंगे रिहा, सीएम ने दी मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य की विभिन्न जेलों में सजा काट रहे 30 कैदियों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही उनकी रिहाई हो सकती है। मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में सीएम ने उन्हें रिहा करने के निर्णय को मंजूरी दे दी है। पर्षद की बैठक झारखंड मंत्रालय में हुई। बैठक में उन 67 कैदियों के रिहाई से संबंधित मामलों पर पुनः विचार किया गया जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली 2 बैठकों में अस्वीकृति दी गयी थी।

बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 67 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के मामलों पर अधिकारियों के साथ गहन-विचार विमर्श किया। समीक्षा के क्रम में न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक तथा प्रोबेशन पदाधिकारी के मंतव्य पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार विचार-विमर्श के बाद 30 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति दी।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी विधि विभाग नलिन कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, न्यायायिक आयुक्त, रांची दिवाकर पांडेय, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखंड अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक झारखंड सुदर्शन प्रसाद मंडल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंईयां योजना आवेदन में हो रही परेशानी शीघ्र दूर होगी : कल्पना

गिरिडीह : झारखंड की महिलाओं के आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हेमंत सोरेन सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का 21 से 50 उम्र तक सभी वर्गो की महिलाओं-बहनों को लाभ दिलाने के लिये प्रखंडों की पंचायतों व गांवों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों के सभी वार्डों में शिविर लगाये जा रहे हैं। योजना को लेकर जिलेभर की महिलाएं-बहनें शिविर में बढ़-चढ़कर का भाग ले रही हैं। योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। वे स्वयं भी आवेदन कर रही हैं और अन्य को आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। शनिवार से ही शहरी क्षेत्र सहित पूरे जिले भर में लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने को लेकर कैंप लगाए गए थे लेकिन कुछ केंपों में अव्यवस्था के बीच कैंप में आवेदन जमा करने आई महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच मंगलवार को सतारूढ़ झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की नेता और गाण्डेय विधायक कल्पना सोरेन मुर्मू गिरिडीह के सदर प्रखंड के तेलोडीह पंचायत भवन कैप पहुंची। पंचायत भवन में मौजूद महिलाओ से सीएम मंईया सम्मान योजना का फार्म भरने में हो रहे प्रक्रिया मे परेशानियों से अवगत हुईं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि फार्म भरने में आ रही तकनिकी परेशानियों से सीएम अवगत हैं। जल्दी आप सभी को वगैर परेशानी के फार्म जमा होंगे। साथ ही कहा कि उनकी परेशानियां को लेकर मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी बहनों के वास्ते इस योजना की शुरूआत की है।

किसानों को वैकल्पिक कृषि और वन उपज के लिए प्रशिक्षण देने की करें व्यवस्था : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के निदेशक पर्षद की तृतीय बैठक संपन्न हुई। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि झारखंड में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। इसे बढ़ावा देने के लिए सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड का गठन हुआ है। इसका उद्देश्य विभिन्न वनोपज का उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण, अनुसंधान तथा विकास की विभिन्न गतिविधियों को सहकारी आधार पर संगठित करना है। ऐसे में इस सहकारी संघ की जानकारी किसानों तक पहुंचनी चाहिए, ताकि वे इससे जुड़कर उत्पादों का लाभ ले सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस तरह मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है उसे परंपरागत कृषि काफी प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसानों को वैकल्पिक कृषि के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि कृषक पाठशाला राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस कृषक पाठशाला में किसानों को वैकल्पिक खेती का प्रशिक्षण दें। उन्हें वनोपज से जोड़ें। इसके लिए उन्हें संसाधन भी उपलब्ध कराने की पहल करें ताकि विपरीत परिस्थितियों में वे कृषि कार्य से

जुड़कर अपने को मजबूत बनाए रख सकें।

सभी लैम्प्स-पैक्स को पूरी तरह क्रियाशील करें

मुख्यमंत्री ने राज्यभर में अवस्थित सभी लैम्प्स-पैक्स को पूरी तरह क्रियाशील करने का निर्देश अधिकारियों को दिया, ताकि किसानों को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि लैम्प्स और पैक्स से आज भी किसानों की एक बड़ी संख्या निबंधित नहीं है। ऐसे में छूटे हुए सभी किसानों को जोड़ने की पहल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैम्प्स-पैक्स भवनों की मरम्मत के साथ उसके उचित रख-रखाव और बेहतर प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में लाह, इमली, कोदो, कुटकी, सरगुजा, चिरौंजी, आंवला, महुआ, करंज, रेशम और तसर जैसे कई वनोपज हैं, जिसकी उपयोगिता और बाजार में काफी ज्यादा मांग है लेकिन इसके उत्पादकों को इसका उचित फायदा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के इन विशेष उत्पादों का वैल्यू एडिशन के साथ जियो टैगिंग करने की दिशा में कदम उठाएं, ताकि इन वनोपजों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ किसानों को पूरा फायदा मिल सके। इससे झारखंड के इन विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक बाजार में भी अलग पहचान मिलेगी।

वनोपज एवं कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठाए जाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनोपज एवं कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठाएं जाने चाहिए। वनोपज से जुड़े ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ें। इनके उत्पादन से संबंधित जानकारी और प्रशिक्षण दें, ताकि वह व्यावसायिक रूप से इनका उत्पादन कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाह तथा रेशम -तसर की खेती की झारखंड में काफी संभावनाएं हैं। ऐसे में इसके उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में पहल करें। उन्होंने कहा कि केंदू पत्ता वनोपज को भी सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ के दायरे में लाने की संभावनाएं तलाशें। इससे केंदू पत्ता के उत्पादन से जुड़े श्रमिकों को फायदा मिलेगा।

सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र फुदी को प्रोफेशनल तरीके से चलाने का सुझाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि फुदी स्थित नवनिर्मित सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उसे प्रोफेशनल तरीके से चलाया जाए। यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रीय सहकारी संघ अथवा राष्ट्रीय प्रशिक्षण सहकारी परिषद् से समझौता ज्ञापन कर वहां प्रोफेशनल-वोकेशनल कोर्सेज करवाया जाए ताकि राज्य के नवयुवकों का स्किल विकास हो, उन्हें रोजगार मिल सके। पीपीपी मोड में भी चलने की संभावना तलाशी जाए।

मधु संग्राहकों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मधु संग्राहकों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए। उनका समूह बनाकर सिध्कोफेड से जोड़ा जाए एवं उनके मधु को वैश्विक बाजार उपलब्ध करने के लिए अमूल, सफोला, हिमालय जैसी बड़ी कंपनियों-संस्थाओं से समझौता ज्ञापन किया जाए ताकि मधु संग्राहकों को उचित मूल्य मिल सके एवं लोगों को उच्च गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्यवर्धक मधु उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में आ रही दिक्कतों को दूर करें अधिकारी : मुख्यमंत्री

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को राज्य के सभी वरीय पदाधिकारियों, जिला उपायुक्तों तथा सीएससी के वरीय पदाधिकारियों के साथ झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) में आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर बैठक की। बैठक में सीएम ने वरीय पदाधिकारियों को योजना का लाभ लेने में दीदी-बहनों को आ रही कठिनाइयों को दूर करने का निर्देश दिया। साथ ही कई बिंदुओं पर जानकारी लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि किसी भी जरूरतमंद दीदी-बहनों को योजना का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए विभाग जल्द से जल्द दिशा-निर्देश जारी करे।

दिव्यांगों के समावेशी विकास पर फोकस कर रही है सरकार : चम्पाई सोरेन

- अनाथ बच्चों की शिक्षा-दीक्षा पर भी सरकार का फोकस।
- दिव्यांगजनों के समावेशी शिक्षा के लिए स्टेट यूनिवर्सिटी की परिकल्पना पर हुई कार्यशाला।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा है कि दिव्यांगजनों को सामान्य जीवन में समावेशी भागीदारी के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिव्यांगजनों के लिए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की परिकल्पना की गयी है। वह मंगलवार को होटल बीएनआर में आयोजित स्टेट लेवल कंसल्टेटिव वर्कशॉप को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी सोच यह है कि मनुष्य जीवन के लिए कुछ ऐसा करें, जो मिसाल बन सके। दिव्यांगजनों के लिए समावेशी विश्वविद्यालय एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में सब के पास सब कुछ नहीं है। हमारे दिव्यांगजन भी उनमें शामिल हैं। उनके समावेशी विकास पर फोकस किये बिना संपूर्ण विकास की बात बेमानी होगी। सामान्य मानव जीवन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके, इसके लिए प्रयास जारी है। उन्होंने सरायकेला खारसावां के राजनगर प्रखंड में ओडिशा की सीमा पर स्थित एक गांव का जिक्र करते हुए बताया कि वहां के स्कूल के नेत्रहीन हेडमास्टर कैसे शिक्षा देते थे। उनके ही कार्यों से प्रेरणा लेकर दिव्यांग विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल की जा रही है।

उन्होंने कहा कि झारखंड मूल रूप से धनी प्रदेश है। जंगल-झाड़ से सुसज्जित है, लेकिन पिछड़ा भी है। पिछड़ेपन के लिए वह किसी की आलोचना नहीं कर रहे हैं, लेकिन आगे इसे कैसे विकसित बनायें, इस पर सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इच्छाशक्ति हो, तो हर समस्या का समाधान संभव है। सरकार उच्चतर शिक्षा के लिए लगातार सुविधाएं विकसित कर रही है। छात्रों को हर सुविधा दी जा रही है। अनाथ बच्चों की शिक्षा-दीक्षा पर भी सरकार का फोकस है। उन्होंने कार्यशाल में आये प्रबुद्धजनों से कहा कि उनके सुझाव लेकर वह समावेशी दिव्यांग विश्वविद्यालय की परिकल्पना को साकार करेंगे।

कार्यशाला में उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा कि समाज के विशेष वर्ग दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण बनाना होगा। यह सिर्फ विभाग ही नहीं, हम सभी का दायित्व है। समावेशी दिव्यांग विश्वविद्यालय की परिकल्पना में भी यही तथ्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की क्षमता पहचान कर उनके विकास पर फोकस करना हमारा लक्ष्य है। दिव्यांगजनों की कुल 21 कैटेगरी है। उनकी कैटेगरी के अनुसार उनकी आवश्यकता को ध्यान में रख उनके लिए कोर्सेज डिजायन करना होगा। क्लास डिजायन करना होगा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि लातेहार जिले में बतौर उपायुक्त अपनी पदस्थापना के दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए एक नई सुबह नामक कार्यक्रम की शुरूआत की थी। उसी तरह देवघर में उड़ान और गुरुकुल कार्यक्रम के माध्यम से 40 हजारों दिव्यांगों को लाभ पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि दिव्यागजनों के अलावा सामान्य छात्रों के लिए भी विभिन्न योजनाएं लेकर आएंगे। कार्यशाला में निदेशक उच्चतर शिक्षा रामनिवास यादव, असिस्टेंट रजिस्टार कोऑपरेटिव सर्विस विवेक सिंह, संस्था मनोविकास, दिल्ली के मैनेजिंग सेक्रेटरी डॉ. अलोक भुवन, निदेशक तकनीकी शिक्षा सुनील कुमार आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

एक नजर

वन विभाग ने अवैध रूप से चल रही आरा मशीन को किया जब्त

चौपारण : वन विभाग की बड़ी कार्यवाई गौतम बुद्ध वन्य प्राणी आश्रयनी अंतर्गत अत्यंत सुदूरवर्ती एवं उग्र प्रभावित क्षेत्र मुड़िया रक्षित वन में अवैध रूप से संचालित आरा मशीन मंगलवार को छापामारी कर कार्रवाई करते हुए एक आरा मशीन सेट, लकड़ी का बोटा एवं चिरान पटरा किया जप्त। अभियुक्त वनकर्मियों को देख जंगल झाड़ी का लाभ उठा कर तस्कर भागने में सफल रहा। वन प्रभारी ने कहा कि धाराओं के साथ कार्रवाई की जाएगी। टीम में शामिल हजारीबाग, कोडरमा एवं चौपारण टीम प्रभारी वनपाल मोहम्मद अयूब अंसारी, प्रभारी वनपाल मुकेश कुमार हजारीबाग, प्रभारी वनपाल उस्मान अंसारी कोडरमा, प्रभारी वनपाल छत्रपति शिवाजी कोडरमा, वनरक्षी कुलदीप कुमार महतो, अनिल रमन, कुंदन कुमार, दुर्गा प्रसाद महतो, वालटर बारला, श्रवण कुमार मेहता एवं सभी वनकर्मी शामिल थे।

मोटरसाइकिल के धक्के से रेलवे कर्मचारी घायल

मेदिनीनगर (पलामू) : मंगलवार की शुबह रेल कर्मचारी लालबाबु रजक अपने रेल आवास से निकलकर शुबह टहलने के लिए अपने आवास से सटे सड़क जो 2 नंबर टी0 ओ0 पी0 के सामने से सहायक मंडल अभियंता कार्यालय से होते हुए आरा मिल के बगल से होते हुए पेट्रोल पंप के पास मेन रोड में मिलता है उसी सड़क पर टहलने के क्रम में पिछे से आ रहा एक तेज रफ्तार बाइक धक्का मारकर भाग गया उसके बाद उनका डालटनगंज में प्राथमिक उपचार कराकर बेहतर ईलाज हेतु पटना सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल भेजा गया। अक्सर इस रोड पर तेज रफ्तार बाईक से लगभग प्रत्येक दिन घटना होते रहता है जिससे रेलवे कालोनी वासी दहशत में रहते हैं, जबकि अभी इस रोड में सिर्फ बाईक चलता है अगर चारपहिया गाड़ी चलेगा तो पता नहीं रेल कर्मचारियों को मौत का भी सामना करना पड सकता है, इसलिए रेल कर्मचारी रेल प्रशासन से जगह जगह रोड ब्रेकर बनाने का मांग करते हैं ताकि उक्त सड़क पर भयमुक्त एवं सुरक्षित पैदल यात्रा कर सके।

पलामू सांसद ने वन्दे भारत एक्सप्रेस पुन : चलाने की मांग की

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे से जुड़ी महत्वपूर्ण मामलों को उठाया। श्री राम ने कहा कि माननीय रेल मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ जो निम्नलिखित हैं 12453/12454 रांची नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन का नगर उंटारी स्टेशन पर ठहराव। कोविड-19 के दौरान बंद की गयी बरवाडीह चोपन चुनार पैसेंजर ट्रेन संख्या 53351/53352 का परिचालन पुन: प्रारम्भ करने। वन्दे भारत ट्रेन को टाटा नगर, मुरी, रांची, लोहरदगा, डालटनगंज, गढ़वा रोड़ एवं जपला होते हुए वाराणसी तक चलाने।

बरही विधानसभा स्तरीय ओबीसी महापंचायत का हुआ आयोजन

अपने लोगों को पहचानने की है जरूरत ताकि सदन में आपकी भागीदारी हो सुनिश्चित : बन्ना गुप्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : टाउन हॉल बरही में विधानसभा स्तरीय ओबीसी महापंचायत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर बतौर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य एवं खाद्य मंत्री बन्ना गुप्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बरही विधायक उमाशंकर अकेला, प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू, स्टेट कोऑर्डिनेटर सुरजीत नागवाला, जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता, अनिल यादव मुख्य रूप से शामिल हुए। मंच का संचालन डॉ प्रकाश कुमार व ओबीसी जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अंत मे सभी अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि अपने लोगो को पहचानने की जरूरत है ताकि सदन में आपकी भागेदारी सुनिश्चित हो। अपने मन के डर को मिटाइए। केंद्र सरकार आपस में लोगों को लड़ाकर शियासत कर रही है ऐसे लोगों को अब हटाने का समय आ गया है। कांग्रेस आपस में प्रेम और मोहब्बत बांटने का काम करती है। हम महात्मा गांधी के वंशज है हम मारेंगे नही पर मानेंगे भी नही।

कांग्रेस ओबीसी हितैसी, भाजपा है विरोधी : उमाशंकर अकेला

विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि बीजेपी पूरी तरह ओबीसी विरोधी मानसिकता से पीड़ित है। इसलिए जब से देश की सत्ता में भाजपा आई है, वो लगातार पिछड़ों के आरक्षण व अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है। गलत नीतियों के कारण पिछड़ा वर्ग के लोग आरक्षण के अधिकार से वंचित है। कहा कि अब पिछड़ा वर्ग के सामने बीजेपी की सच्चाई उजागर हो गई है। कांग्रेस ओबीसी हितैषी हैं एवं भाजपा ओबीसी विरोधी है। कहा कि आज के युवाओं को सामाजिक आरक्षण को समझने की जरूरत है लेकिन भाजपा ने धर्म के नाम पर लोगो को बांटने का काम किया है। कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू ने कहा कि झारखंड के सभी विधानसभा में ओबीसी वर्ग के लोगों को साथ मिलकर जिताने का कार्य करेंगे। साथ ही सदन में अपने मांगों को मजबूत करेंगे। प्रदेश कॉर्डिनेटर सुरजीत नागवाला ने कहा कि ओबीसी आबादी के 55 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद अब तक हमें हमारी भागीदारी नही मिली है। श्री नागवाला ने कहा कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए। भागीदारी के साथ साथी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

मंईयां सम्मान योजना का पंजीकरण जारी मुन्ना सिंह ने विभिन्न पंचायतों का किया दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमदाग : मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने कटकमदाग प्रखंड के विभिन्न पंचायतों जैसे खपरियांवा, नवादा, ढ़ेगुरा, बेस, कुशुन्भा, अडरा, सुल्ताना, कटकमदाग, पसई, सलगावां, आदि का दौरा कर मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के पंजीकरण शिविरों का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित महिलाओं एवं कर्मचारियों से बातचीत की। मुन्ना सिंह ने पंजीकरण शिविरों में पहुंचकर आंगनवाड़ी सेविकाओं, माताओं एवं बहनों से मुलाकात की और उनके अनुभवों और समस्याओं को सुना। उन्होंने उपस्थित लोगों को योजना से जुड़ी जानकारी दी और समय रहते पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुन्ना सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना समाज की उन महिलाओं के सम्मान और कल्याण का प्रतीक है, जिन्होंने अपने परिवार और समाज को संवारने में आजीवन योगदान दिया है। हमें गर्व है कि हम इस योजना के माध्यम से उनकी सेवा कर रहे हैं और हम सुनिश्चित करेंगे कि इसका लाभ हर जरूरतमंद महिला तक पहुंचे। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस पार्टी और झामुमो हमेशा जनता के हित में कार्यरत रही है और आगे भी रहेगी। हमारा उद्देश्य है कि हर योजना का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे और हम इसके लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कांग्रेस के स्थानीय कार्यकर्ता और अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे। मुख्य रूप से उपस्थित बबलू सिंह, रंजीत यादव, विक्की कुमार धान, मो सोहेल, पप्पू सिंह, भोला सिंह, पिंटू कुमार, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वन नेशन वन इलेक्शन के लाभ और नुकसान दोनों हैं : डॉ सीपी शर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : वन नेशन वन इलेक्शन राष्ट्र हित में होनी चाहिए । यदि यह किसी राजनेता या किसी राजनीतिक दल का चुनाव जीतने के उद्देश्य से अपनाया गया हथकंडा है तो फिर उसके घातक परिणाम हो सकते हैं। उक्त बातें राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा समाज विज्ञान संकाय के पूर्व संकायअध्यक्ष डॉ सीपी शर्मा ने कही। डॉ शर्मा राजनीति विज्ञान विभाग मे 'वन नेशन वन इलेक्शन' विषय पर मंगलवार को व्याख्यान दे रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। डॉ शर्मा ने बताया की कैसे भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार किया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इसी विषय पर अनुशंसा हेतु पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का भी गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि वन नेशन वन इलेक्शन करने के समर्थन में वर्तमान व्यवस्था की जो खामियां हैं उसे बताया गया है। यह निम्नलिखित है: राष्ट्र को हमेशा चुनाव की अवस्था मे रखना, धन का अत्यधिक व्यय होना, आचार संहिता के कारण विकास कार्यों का रुक जाना, प्रशासनिक यंत्र का चुनाव कार्य में उलझा रहना, बार-बार सामाजिक सद्भावना पर प्रतिकूल प्रभाव पढ़ना, निजी पूंजी का निवेश नहीं हो पाना, आदि। डॉ शर्मा ने कहा कि इसके विरोध में भी कुछ तर्क दिए गए हैं, जैसे की बड़े पैमाने पर संविधान में संशोधन करना, अत्यधिक धन का व्यय होना, एक साथ अनेक प्रकार के चुनाव व्यावहारिक रूप से नहीं कर पाना, मतदाताओं को भ्रमित करना व उलझन मे डालना, क्षेत्रीय मुद्दों का गौण हो जाना, संघवाद तथा लोकतंत्र का कमजोर होना, आदि। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ रीता कुमारी, डॉ अजय बहादुर सिंह एवं विभागीय शोधार्थी रुखसाना परवीन, धर्मेंद्र कुमार, महेंद्र पंडित, रवि विश्वकर्मा, विकास कुमार रवि ने भी अपने विचार रखें।

खेत में काम करने के दौरान करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): पांकी - पांकी थाना क्षेत्र के हुरलौंग के नागेंद्र चंद्रवंशी(55) और उनके बेटे पिंटू चंद्रवंशी(30) धनरोपनी के लिए खेत तैयार करने गए थे। खेत में बिजली का तार पहले से गिरा हुआ था। इस बात की जानकारी नागेंद्र चंद्रवंशी और पिंटू चंद्रवंशी को नहीं थी। नागेंद्र चंद्रवंशी खेत में जैसे ही दाखिल हुए वह बिजली की चपेट में आ गए। नागेंद्र चंद्रवंशी को बचाने के लिए उनके बेटे पिंटू चंद्रवंशी भी खेत में दाखिल हुए और वे भी करंट की चपेट में आ गए। बाद में स्थानीय ग्रामीणों ने बिजली का कनेक्शन काटा और दोनों को इलाज के लिए पांकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। पिंटू चंद्रवंशी रोजगार सेवक था और पलामू के छतरपुर के इलाके में तैनात था। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन मौके पर पहुंच गए। और रो-रो कर उनका बुरा हाल है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की लेस्लीगंज में हुई सभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लेस्लीगंज : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा निलाम्बर पिताम्बर पुर लेस्लीगंज पलामू की एक आवश्यक सभा ए आई डी भवन लेस्लीगंज में हुई। बैठक में झारखंड आंदोलनकारी के राजकीय मान सम्मान अलग पहचान रोजी रोजगार की गारंटी एवं जेल जाने की बाध्यता को समाप्त करते हुए राज्य गठन की तिथि से प्रत्येक आंदोलनकारी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु प्रति माह देने की मांग सरकार से की गई। जिला प्रशासन झारखंड आंदोलनकारी को 15 अगस्त 15 नवंबर एवं 26 जनवरी को प्रत्येक कार्यक्रम में राजकीय मान सम्मान से सम्मानित करने का दायित्व का निर्वाह करने की मांग की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 24 अगस्त 2024 को रांची में आयोजित झारखंड आंदोलनकारियों , झारखंड अलग राज्य के मूल्य एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प सभा रांची के मोराबादी मैदान में करने का ऐलान किया गया। ऑनलाइन रसीद के स्थान पर मैन्युअल रसीद काटने की भी मांग सरकार से जोर देते हुए की गई। छात्र-छात्राओं के आय प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र चरित्र प्रमाण पत्र वगैरह बनाने में सरकार से सहयोग की मांग की गई। मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड सरकार एवं झारखंड की राजनीतिक पार्टियों झारखंड आंदोलनकारियों को उनके मौलिक अधिकारों को दिलाने के प्रति वफादार नहीं है। जिसके कारण आज झारखंड आंदोलनकारियों के बीच काफी निराशा है।
24 अगस्त 2024 को झारखंड आंदोलनकारियों के जेल जाने की बाध्यता को समाप्त करते हुए राज्य गठन की तिथि से अपने राजकीय मान सम्मान अलग पहचाने रोजी रोजगार व नियोजन की गारंटी एवं सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपया देने के लिए
झारखंड आंदोलनकारियो व
अलग राज्य के मूल्य तथा संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प सभा किया जाएगा। इस संकल्प सभा में राज्य भर के हजारों हजार की संख्या में झारखंड आंदोलनकारी परंपरागत अस्त्र-शस्त्र के साथ जुटेंगे व अपनी आवाज स्वयं बनेंगे, अपनी लड़ाई स्वयं लड़ाई लड़ेंगे।

सभी मतदाताओं का रंगीन मतदाता पहचान पत्र सुनिश्चित कराने की दिशा में करें कार्य : आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 1 जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है। इसके तहत पुनरीक्षण गतिविधियां निर्धारित समय सीमा के अंदर संपादित किया जाना आवश्यक है। आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित किये जाने से आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर परिणाम सामने आएंगे। एक भी मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित न रहे, इसका ख्याल रखते हुए मतदाताओं द्वारा प्राप्त आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। साथ ही सभी मतदाताओं का फोटोयुक्त रंगीन मतदाता पहचान पत्र निर्गत किये जाने की दिशा में कार्य करें। ये बातें प्रमंडलीय आयुक्त -सह- मतदाता सूची प्रेक्षक श्री बाल किशुन मुंडा ने कही। वे आज पलामू के समाहरणालय सभागार में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पलामू जिले के डालटनगंज, पांकी, छतरपुर, हुसैनाबाद एवं विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 के कार्यों

की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों एवं अबतक किये गये कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मतदाताओं द्वारा प्राप्त आवेदनों का समयबद्धता के साथ निष्पादन करने का निदेश दिया। उन्होंने मतदाता सूची के अद्यतनीकरण, घर-घर सत्यापन, पुराने लेमिनेटेड/ब्लैक एंड ह्वाइट मतदाता पहचान पत्र के नवीनीकरण, मतदान केन्द्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित कराने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को मतदान केंद्र जागरूकता समूह (बैग/बूथ लेबल अवेयरनेस ग्रुप) बनाते हुए निर्वाचन कार्य संबंधी कार्यों के लिए जागरूकता लाने का निदेश दिया। वहीं मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने एवं त्रुटियों को सुधारने संबंधी कार्रवाई ससमय पूर्ण करने का निदेश दिया। उन्होंने मतदाता सूची में मतदाताओं का नाम विलोपन पर विशेष ध्यान रखने का भी निदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची के निर्माण से मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक या अनिर्बंधित योग्य नागरिक जो अभी तक अपना नाम मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं करा सके हैं, वे प्रपत्र-6 में आवेदन समर्पित करते हुए अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

धान की उन्नत खेती के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बड़कागांव : एचडीएफसी परिवर्तन समर्थित जीटी भारत द्वारा हजारीबाग जिले में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य धान की अच्छी पैदावार के लिए सही तकनीक और सही बीज के उपयोग पर जोर देना था। जिले के आठ प्रखंडों में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिबद्ध कृषि विशेषज्ञों और क्लस्टर इंचार्ज के सघन सहयोग से किसानों को धान की उन्नत खेती के हर चरण में प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान किसानों को सर्वोत्तम खेती तकनीकों, सही-गलत की पहचान और प्रक्रिया की निगरानी के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान एक महत्वपूर्ण बात पर जोर दिया गया, जिसमें धान के पौधों को रोपाई करते समय उनकी पत्तियों को काटने की विधि शामिल थी। यह विधि पौधों के स्वस्थ विकास, जड़ों के विकास को प्रोत्साहित करती है और कीट प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे फसल की कुल गुणवत्ता में सुधार होता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के किसानों की उत्पादन क्षमता और फसल की गुणवत्ता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीकों का ज्ञान प्राप्त हुआ, जिससे वे अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना सकेंगे।

जागृति महिला संघ ने रेनकोट व छाता का किया वितरण

बड़कागांव : पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के सहायक कर्मचारियों को समर्थन करने की एक पहल के तहत जागृति महिला संघ ने रेनकोट और छाता वितरण किया। आयोजन को परियोजना के सामाजिक विकास भागीदारी विभाग की सहायता से आयोजित किया गया। वितरण समारोह में जागृति महिला संघ की अध्यक्षा तजीन फैज, उपाध्यक्ष मीनाक्षी सक्सेना और अन्य वरिष्ठ क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सहायक कर्मचारी परियोजना के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उनके इन्हीं योगदान को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम के दौरान कुल 55 रेनकोट और 45 छाते वितरित किए गए। यह पहल जागृति महिला संघ और विभाग की कल्याण और भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। रेनकोट एवं छाता के मिलने से सहायक कर्मचारी मानसून के मौसम में प्रभावी ढंग से अपना कार्य कर पाएंगे। जागृति महिला संघ की अध्यक्ष तजीन फैज ने सहायक कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस तरह की पहल के महत्व को रेखांकित किया, जो एक सहायक और समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। यह कार्यक्रम सकारात्मक पड़ाव पर समाप्त हुआ, जिसमें प्राप्तकताओं ने जागृति महिला संघ के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

फुटबॉल के प्रति खिलाड़ियों का जुनून शानदार है : शेफाली गुप्ता

कटकमसांडी : खेलो विधानसभा हजारीबाग' फुटबॉल टुनार्मेंट कटकमदाग एवं कटकमसांडी प्रखण्ड में दिन मंगलवार को दुसरा दिन का खेल मुकाबला भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर शुभारम्भ किया। इस दौरान खिलाडियों का हौसला बढाया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि कटकमदाग एवं कटकमसांडी प्रखण्ड फुटबॉल के लोकप्रिय खेल के प्रति खिलाडियों का जुनून काफी शानदार है। 'खेलो विधानसभा हजारीबाग' फुटबॉल टुनार्मेंट ग्रामीण प्रतिभा को उजागर करने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। आशा व उम्मीद करती हूँ कि कई खिलाड़ी उभरकर अपने माता- पिता तथा क्षेत्र का नाम रौशन करेंगे। मौके पर विशेष रूप से भाजपा अनुसुचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल वाल्मीकि, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला, पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा हजारीबाग एथलीट फुटबॉल संघ के अध्यक्ष आलोक कुमार,मुकेश कुमार, डबल्यू प्रिया दर्शी, सुरेश कुमार, साहिल कुमार एवं श्रावण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पंचायतों एवं नगर निगम के वार्डों में विशेष कैंप का हुआ आयोजन

हजारीबाग : झारखण्ड सरकार द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों/माताओं जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो उन्हें झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से आच्छादित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के उद्देश्य से प्रति माह 1000 रुपये सम्मान राशि दिया जाना है। उक्त योजना के सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु जिला अंतर्गत सभी पंचायतो एवं नगर निगम क्षेत्र के वार्डो के विभिन्न स्थानों पर विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। उक्त सभी स्थानों में विशेष कैम्प 15 अगस्त तक प्रतिदिन लगाये जाएंगे। शाम 06 बजे तक आयोजित विशेष शिविर के माध्यम से पंचायतों एवं नगर निगम क्षेत्र से अबतक कुल 19789 आवेदन प्राप्त किए जा चुके है। उपायुक्त नैंसी सहाय के निदेशानुसार सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी अपने प्रखंड क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्थित तरीके से कैम्प के संचालन को लेकर सक्रिय रहे। इस 13 दिवसीय विशेष कैम्प के तहत जिला प्रशासन का प्रयास है कि शत प्रतिशत लाभुकों को योजना के संबंध में जागरूक करते हुए विशेष कैम्प के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएं। 15 तारीख के बाद भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर सुयोग्य लाभुक आवेदन कर सकते हैं ।

एक नजर

न्यूजीलैंड में नौकरी दिलाने के नाम पर 1.66 करोड़ की ठगी

रांची : न्यूजीलैंड में नौकरी के नाम पर 1.66 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले की जांच को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता से शिकायत की गई है। यह शिकायत चाइल्ड राइट्स फॉउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने मंगलवार को की है। शिकायत में कहा गया है कि गुमला जिला के बसिया का रहने वाला आवेदक विनेश कुमार साहु के माध्यम से पता चला कि डॉ. मीना एस गोप इनको बताया कि न्यूजीलैंड ऑक्लैंड सिटी हॉस्पिटल में नौकरी लगा देंगी। मीना एस गोप के माता-पिता इनके ही गांव सोनमेर के रहने वाले हैं, जिसे ये बहुत दिनों से जानती है, जो अभी गोवा में रहते हैं। ये उनके माता को फोन के माध्यम से पता किया तो उनके माता ने बताया कि बेटी मीणा छह वर्षों से न्यूजीलैंड में रहती है। तब इनलोगों को विश्वास हो गया। इसके बाद मीना एस गोप इनलोगों को अपने विश्वास में लेकर कहने लगी कि मैं न्यूजीलैंड ऑक्लैंड सिटी हॉस्पिटल की सेक्रेट्री हूं। इसके बाद इनलोगों को बहुत सारे प्रलोभन दी कि वीजा बनवा देगी और वहीं खाने रहने की सारी व्यवस्था करा देगी और महीने का एक लाख रुपया सैलेरी दिया जाएगा। डीजीपी से किए गए शिकायत में कहा गया है कि मीना एस गोप ने कहा कि न्यूजीलैंड ऑक्लैंड सिटी हॉस्पिटल में नीचे पद के लिए प्रति व्यक्ति चार लाख और उच्च पद के लिए आठ लाख और 12 लाख रुपये देना होगा तो इनलोगों ने कुल 14 लोगों का अलग-अलग तारीख को कुल 1.66 करोड़ रुपये बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची के पास विजय शर्मा नाम के व्यक्ति को दिया गया। इसके बारे में इनलोगों को कॉन्फ्रेंस कॉल करके पैसा लिफाफा में मीना एस गोप ने इनको देने के लिए कहती थी। काफी दिन बीत गये पर न इनलोगों को वीजा दिला पायी ना ही नौकरी दिलवायी। इनलोगों से नौकरी दिलाने के नाम से ठगी किया गया है। जब ये लोग फोन करके पैसे वापस करने की बात बोलते हैं तो यो पैसा भी वापस नहीं कर रही है। इस तरह यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि उक्त मामला अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिकिंग से संबंधित है।

कांग्रेस का 'एक मुलाकात अपनों के साथ' अभियान शुरू

रांची : प्रदेश कांग्रेस का 'एक मुलाकात अपनों के साथ' अभियान मंगलवार से शुरू हो गया। कार्यक्रम के तहत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रांची महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कांके शहरी प्रखंड, मोराबादी प्रखंड, रातू रोड उत्तर प्रखंड, रातू रोड दक्षिण प्रखंड, किशोरगंज, हिंदपीढ़ी, अरगोड़ा, हिनू प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं तथा कांग्रेसजनों से मुलाकात की और संगठन तथा सरकार की ओर से चलायी जा रही योजनाओं की विस्तार से चर्चा की। सबसे पहले वे कांके शहरी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल उरांव से उनके आवास में मिले। इसके बाद मोराबादी प्रखंड कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विक्की करमाली के आवास में कांग्रेसजनों से मुलाकात की। इसके अलावा भी उन्होंने कांग्रेस के अन्य क्षेत्रों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बात की और उनसे सरकार की योजनाओं पर चर्चा की।

हाई कोर्ट से डीआईजी आरपीएफ संतोष दुबे को बड़ी राहत, रेलवे का प्रीमेच्योर रिटायरमेंट का आदेश रद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने धनबाद के तत्कालीन सीनियर कमांडेंट रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) संतोष कुमार दुबे के मामले में रेलवे बोर्ड द्वारा उन्हें प्रीमेच्योर रिटायरमेंट दिए जाने के आदेश को मंगलवार को निरस्त कर दिया। साथ ही कोर्ट ने उनका जॉइनिंग अविलंब करने का आदेश रेलवे बोर्ड को दिया है। कोर्ट ने मामले को निष्पादित कर दिया है। झारखंड हाई कोर्ट से विभागीय कार्रवाई पर रोक के बावजूद रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ने प्रीमेच्योर रिटायरमेंट दे दिया था। इसके खिलाफ उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

संतोष कुमार दुबे वर्तमान में डीआईजी आरपीएफ पद पर लखनऊ में पदस्थापित थे। दरअसल, संतोष कुमार दुबे के आरपीएफ में चक्रधरपुर, धनबाद और रांची डिवीजन में पदस्थापित रहने के दरमियान उन पर 1.48 करोड रुपये की आय से अधिक संपत्ति का मामला सीबीआई ने दानापुर, पटना में 10 जुलाई, 2013 को दर्ज किया था। इसके बाद आरपीएफ नई दिल्ली ने संतोष कुमार दुबे के खिलाफ विभागीय कार्रवाई चलाने के आदेश दिया था। सीबीआई ने संतोष कुमार दुबे की अधिकांश पोस्टिंग जो झारखंड में थी, के दौरान उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है। संतोष कुमार दुबे द्वारा आय से अधिक संपत्ति अर्जित किए जाने का चेक पीरियड 1998 से 2013 तक सीबीआई ने रखा है। मामले में सीबीआई ने 28 जून, 2022 को संतोष कुमार दुबे, उनकी पत्नी प्रिया दुबे एवं अन्य खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इसके बाद सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पटना ने 22 जुलाई, 2022 को मामले में संज्ञान लिया था। 31 जनवरी, 2023 को आरपीएफ, नई दिल्ली ने संतोष कुमार दुबे के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू किया था। इसके बाद संतोष कुमार ने झारखंड हाई कोर्ट में विभागीय कार्रवाई को निरस्त करने के लिए याचिका दाखिल की थी। पांच अक्टूबर, 2023 को झारखंड हाई कोर्ट ने संतोष कुमार दुबे के खिलाफ आरपीएफ द्वारा विभागीय कार्रवाई पर रोक लगा दी थी।

इसके बाद पांच दिसंबर, 2023 को रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ने विभागीय कार्रवाई पर रोक के बावजूद 1802 (ए) इंडियन स्टेबलाइजमेंट कोड के तहत संतोष कुमार को प्रीमेच्योर रिटायरमेंट दे दिया था। मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को 7 नवंबर, 2023 को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था लेकिन केंद्र सरकार द्वारा जवाब दाखिल नहीं होने पर कोर्ट ने संतोष कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक जारी रखी थी। इसी दौरान प्रीमैच्योर रिटायरमेंट किए जाने को लेकर संतोष कुमार दुबे ने हाई कोर्ट में एक हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने कहा कि पूर्व में संतोष कुमार दुबे को प्रीमेच्योर रिटायरमेंट दिए जाने के आदेश पर रोक लगा दी थी।

ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम तैनात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर और ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन करवाने के लिए स्पेशल क्विक रिस्पांस (एसक्यूआरटी) टीम तैनात की गई है। डीआईजी अनूप बिरथरे और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मंगलवार को सीसीआर से स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम को ऑन किया। डीआईजी और एसएसपी ने स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम को हरी झंडी दिखाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए रवाना किया। बाइक सवार ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को दिनभर भ्रमणशील रहते हुए रांची की ट्रैफिक दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

रांची डीआईजी अनूप बिरथरे ने कहा कि डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर 10 बाइक की एक स्पेशल टीम बनाई गई है। डीजीपी के आदेश पर रांची एसएसपी ने टीम गठित की है, जिसे स्पेशल क्विक रिस्पांस टीम का नाम दिया गया है। इसके लिए 20 पुलिसकर्मियों को चयनित किया गया है। चयनित पुलिस कर्मियों को वायरलेस और सायरन युक्त 10 बाइक दी गई है। एक बाइक पर दो पुलिसकर्मी बैठ कर ट्रैफिक को नियंत्रण करने का काम करेंगे।

डीआईजी के अनुसार, शहर में यदि कहीं भी बहुत ज्यादा जाम की स्थिति होगी, वहां तुरंत स्पेशल टीम कूच करेगी और जाम को हटाने का काम करेगी। क्विक रिस्पांस टीम पूरे शहर में घूम-घूम कर जहां-तहां अपने वाहन पार्क करने वाले लोगों पर कार्रवाई करेगी।

लगातार आदेश के बाद भी नहीं सुधर रही ट्रैफिक व्यवस्था, लॉन्ग टर्म प्लान बनाएं : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने ट्रैफिक एसपी पर नाराजगी जताते हुए मौखिक कहा कि कोर्ट के कई आदेशों के बावजूद भी राजधानी रांची में ट्रैफिक व्यवस्था में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए लॉन्ग टर्म प्लान बनाने की जरूरत है। सात वर्षों से यह जनहित याचिका चल रही है लेकिन रांची में जाम की समस्या का समाधान नहीं निकल पाया है। कोर्ट ने अवैध ढंग से चल रहे ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा के खिलाफ लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान ट्रैफिक एसपी कोर्ट में सशरीर उपस्थित थे। कोर्ट ने उनसे सड़क के विभिन्न चौक चौराहों पर ट्रैफिक पोस्ट एवं उसमें वॉशरूम की व्यवस्था के संबंध में जानना चाहा। झारखंड हाई कोर्ट में रांची में ट्रैफिक की व्यवस्था सुगम बनाने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इस पर ट्रैफिक एसपी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रांची में 60 ट्रैफिक बूथ एवं 50 ट्रैफिक पोस्ट चिह्नित किया गया है। रांची नगर निगम की ओर से बताया गया कि ट्रैफिक बूथ और पोस्ट के निकट मॉड्यूलर वॉशरूम की व्यवस्था कर दी जाएगी।

कोर्ट ने ट्रैफिक एसपी से मौखिक कहा कि रांची में ऑटो रिक्शा एवं ई-रिक्शा चालकों का ड्रेस कोड लगातार मेंटेन रहे यह सुनिश्चित करें। ट्रैफिक व्यवस्था सुगम बनी रहे इसके लिए लगातार स्पेशल अभियान चलाएं। यह भी देखें की ऑटो या ई रिक्शा चालक अपने वाहन में निर्धारित संख्या से ज्यादा यात्री किसी भी स्थिति में ना बैठाएं। राजधानी रांची में ट्रैफिक में सुधार जमीनी स्तर पर दिखना चाहिए। वीआईपी मूवमेंट के समय तो ट्रैफिक व्यवस्था ठीक रहती है लेकिन आम लोगों का रांची के सड़कों पर चलना काफी कष्टकारी होता है। प्रतिदिन उन्हें जाम की समस्या से निपटना पड़ता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को ट्रैफिक सुधार के लिए किए गए उपायों की जानकारी शपथ पत्र के माध्यम से देने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त निर्धारित किया।

नयी दिल्ली को 7-0 के अंतर से हराकर झारखंड ने खोला खाता, बेटियों ने दिखाया दम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दिल्ली के तेजस फुटबॉल मैदान में जारी 63वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने दमदार जीत के साथ शुरूआत की है। झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने अपने पहले ही मुकाबले में नयी दिल्ली को 7-0 के अंतर से बड़ी शिकस्त दी है। इस मुकाबले में बबिता कुमारी ने 3, पुनिता कुमारी ने 2, पूजा कुमारी और संजना उरांव ने 1-1 गोल कर झारखंड को पहले मुकाबले में जीत दिलाई। टीम की कप्तानी प्रियतम तिर्की कर रही है। टीम में अनीशा उरांव, प्रतिभा भोक्ता, क्रांति उरांव, नैना कुमारी, चांदनी कुमारी, उर्वशी कुमारी, संगीता कुमारी, बबिता कुमारी, संजना उरांव, पुनिता कुमारी, पूजा कुमारी, सोनामती होरो, एब्लिन कुजूर, पूनम कुमारी, ललिता बोयपाई शामिल हैं। टूर्नामेंट से पहले अंडर 17 बालिका टीम को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पूर्व निदेशक सुशील कुमार वर्मा द्वारा 21 दिनों का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया था। पहले ही मुकाबले में झारखंड की दमदार जीत पर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री बैद्यनाथ राम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, टीम मैनेजर बिंदु कुजूर समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाये और बधाई दी है।

9 से 28 अगस्त तक बेंगलुरु में आयोजित होने वाले 63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 15 फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए रांची के खेलगांव में अंडर 15 बालक टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रांची के खेलगांव में अंतराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पूर्व निदेशक सुशील कुमार वर्मा प्रशिक्षण दे रहे हैं।

जमीन विवाद में मारी गई थी राजेश मुंडा को गोली, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांके थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास एक अगस्त को राजेश मुंडा को अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया था। इस घटना में शामिल सौरभ कुमार सिंह नाम के एक अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बतलाया कि वह चन्दवे बस्ती के राम पाहन, जो जमीन दलाली का काम करता है, उसके साथ लोगों को धमकाने का काम किया करता है।

एसएसपी चंदन सिन्हा ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि राजेश मुण्डा का राम पाहन के साथ फोरलेन सड़क में अधिग्रहण की जाने वाली जमीन, अंचल कार्यालय में जमीन के दस्तावेजीकरण और मुआवजा को लेकर जमीनी विवाद था। राम पाहन के कहने पर ही जमीनी विवाद को लेकर राजेश मुण्डा की हत्या करने का आपराधिक षडयंत्र रचा गया था। राम पाहन पूर्व में हत्याकांड शामिल रहा है। गिरफ्तार आरोपित मूल रूप से बिहार के गोपालगंज का रहने वाला है। वर्तमान में वो गोन्दा थाना क्षेत्र के पतराटोली में रहता है। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किया।

झारखंड सरकार का राजकीय एंथम, जीना है तो डर के जियो, जीवन में एक पल भी हंसना न : मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार के लिए राजकीय एंथम लिखा है। उन्होंने मंगलवार को एक्स पर ट्वीट कर एंथम में लिखा है कि जीना है तो डर के जियो, जीवन में एक पल भी हंसना न,। साथ ही कहा है कि प्रदेश में आए दिन हो रही चोरी से एक बार तो स्पष्ट हो चुकी है कि चोरों को सरंक्षण देने वाली हेमंत सरकार ने झारखंड में चोरी को राजकीय व्यवसाय मान लिया है, तभी तो चोरी और चोरों पर कार्यवाही करने के बजाव उनको प्रोत्साहित किया जा रहा है। मरांडी ने कहा कि झारखंड में चोरों का आतंक अंधेरे की गहराई से अधिक भयावह हो चुका है। अब झारखंड का हाल ऐसा हो गया है कि लोगों को अंधेरों से ज्यादा, चोरों से डर लगने लगा है। अंधेरे की शिकायत तो फिर भी सूरज से की जा सकती है लेकिन चोरी की शिकायत किससे की जाए। शासन- प्रशासन तो चोरों को तथा उनकी चोरी को बचाने में लगा हुआ है।

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि झारखंड में जैसे मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों का मन डोलता रहता है, ठीक वैसे ही सरकारी भवनों की नींव भी डोल रही है, कब, कैसे, किसके ऊपर ये गिर जाएं, ज्योतिषी भी नहीं बता सकते हैं। ये हेमंत का लूटखंड है।

यहां सिर्फ बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य नहीं है, बल्कि बिल्डिंगों में घुसते समय, अपना कार्य करते समय हेलमेट की आवश्यकता और बढ़ जाती है। क्योंकि, न जाने कब कौन सी छत टूटकर आपके जीवन पर विराम लगा दे। कहीं छत से कंक्रीट और प्लास्टर टूट कर गिर रहा है, तो कहीं पिलर का कोई हिस्सा, तो कहीं पूरा का पूरा भवन गिरने की तैयारी कर चुका है।

यहां सुरक्षा अपने और अपने सिर की सिर्फ हेलमेट के हाथों है, सरकार का सुरक्षा से कोई वास्ता नहीं है। हेमंत सरकार से जनता का विश्वास तो पहले ही टूटकर, गिरकर बिखर चुका है, अब भवनों और नींवों का विश्वास भी टूटकर गिरता दिखाई पड़ रहा है।

पारा शिक्षकों के साथ मीटिंग-मीटिंग खेल रही सरकार : बाउरी

रांची : झारखंड में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने राजय की हेमंत सरकार तंज कसा है। श्री बारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि राज्य सरकार पारा शिक्षकों के साथ केवल मीटिंग-मीटिंग खेल रही है। वहीं, दूसरी ओर नीयत और नीति का फर्क देखिए। असम की हिमंत सरकार बीते पांच वर्षों से सेवा दे रहे अनुबंधित 'समग्र शिक्षा असम' के पारा शिक्षकों को बिना परीक्षा की औपचारिकता के नियोजित करने का फैसला लिया है। इसके लिए कुल 35,153 पदों का सृजन किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर झारखंड सरकार अपने वायदे के विपरीत पारा शिक्षकों के साथ सिर्फ मीटिंग-मीटिंग खेलने का काम कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

विद्यार्थियों को हर हाल में गुणात्मक शिक्षा सुलभ हो : राज्यपाल

रांची : राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. सुनील चंद्र दुबे, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. डीके सिंह, झारखण्ड ओपेन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टीएन साहु ने राजभवन में भेंट की एवं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया। मौके पर राज्यपाल म ने उपस्थित सभी कुलपतियों से कहा कि विद्यार्थियों को हर हाल में गुणात्मक शिक्षा सुलभ हो, हमारे विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करें तथा एकेडमिक कैलेंडर का पूर्णतः पालन हो। हमारे विश्वविद्यालय छात्रहित में सदा सक्रियता से कार्य करें। हमारे शिक्षण संस्थानों में सर्वत्र ज्ञान का माहौल हो एवं सभी अनुशासित होकर अपना कार्य करें। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त राज्यपाल से सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. गोपाल पाठक ने राजभवन में भेंट की एवं विश्वविद्यालय की स्थिति से अवगत कराया।

हाई कोर्ट ने जयप्रकाश पटेल की विधानसभा सदस्यता रद करने के मामले में विपक्ष के नेता से मांगा जवाब

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में दलबदल के मामले में जयप्रकाश भाई पटेल की विधानसभा सदस्यता खत्म करने के झारखंड विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए जयप्रकाश भाई पटेल की सदस्यता रद्द करने संबंधी फाइल एवं प्रोसीडिंग्स का दस्तावेज मांगा है। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उन्हें बिना सुने हुए और बिना अवसर प्रदान किए हुए झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी है। जबकि विधानसभा अध्यक्ष के पास अन्य सदस्यों की विधानसभा सदस्यता रद्द करने संबंधी कई मामले अभी लंबित है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 28 अगस्त निर्धारित की है। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के न्यायाधिकरण ने जयप्रकाश भाई पटेल के खिलाफ इस संबंध में दायर शिकायत पर संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत सुनवाई के बाद उनकी विधानसभा सदस्य को रद्द करने का फैसला सुनाया था। यह फैसला 26 जुलाई से प्रभावी माना जाएगा। मांडू विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा के जयप्रकाश भाई पटेल लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे और उसके टिकट पर हजारीबाग सीट से चुनाव मैदान में उतरे थे लेकिन चुनाव हार गए थे।

राज्य के 476 पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए 1.72 करोड़ स्वीकृत

रांची : राज्य में तैनात 476 पुलिसकर्मियों के मेडिकल बिल को मंजूरी देते हुए 1.72 करोड़ की पुलिस मुख्यालय ने स्वीकृति दे दी। झारखंड पुलिस सहायता एवं कल्याण कोष की बैठक में मंजूरी दी गयी। कल्याण कोष स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में जवानों के इलाज से संबंधित प्रस्तावित राशि को अंतिम स्वकृति मंजूर किया गया। शारीरिक रूप से बीमार पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों को झारखंड पुलिस सहायता कल्याण कोष से बड़ी सहायता राशि मिलने की उम्मीद है। किडनी ट्रांसप्लांट, कैंसर जैसे गंभीर बीमारी के लिये झारखंड पुलिस सहाय एवं कल्याण कोष से उन पुलिसकर्मियों के लिए राहत राशि मंजूर की गई है, जिन्होंने इलाज के वास्ते पुलिस मुख्यालय में आवेदन दिया था। यह राशि पांच हजार रुपये से लेकर 1.20 लाख तक निर्धारित की गई है। 516 पुलिसकर्मियों ने आवेदन दिया था, जिसमें 40 पर स्वीकृति नहीं दी गई। 476 आवेदनों की मंजूरी के बाद इलाज के लिए 1.72 करोड़ की मंजूरी दी गई है। कई पुलिसकर्मियों ने अपनी पत्नी के प्रसव के दौरान सीजर ऑपरेशन, बच्चेदानी में इंफेक्शन समेत गर्भ संबंधी कई समस्याओं की चिकित्सा के लिए विभाग से आर्थिक मदद मांगी थी। साथ ही कई पुलिसकर्मियों ने अपने माता, पिता व संतानों के इलाज के लिए अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला दे कल्याण कोष से सहायता का आवेदन दिया था।

श्याम मंदिर में मनाया गया खाटूनरेश का हरियाली पर्व अनुष्ठान

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को खाटूनरेश का हरियाली पर्व अनुष्ठान विधि विधान रूप से मनाया गया। खाटूधाम की परंपरा के अनुसार श्रावण मास के अमावस्या स्नान के बाद बाबा श्याम का हरियाली पर्व मनाया जाता है। आज बाबा श्याम को नवीन पोशाक पहनाकर केसर चंदन का तिलक श्रृंगार किया गया। हरियाली पर्व होने के कारण आज सभी देवी देवताओं एवं खाटूनरेश को हरे रंग का पोषक पहनाया गया। सुबह मंगल आरती के बाद भोग लगाकर परदा लगाया गया। उसके बाद प्रातः कालीन श्रृंगार करके 8:30 बजे की श्रृंगार आरती की गई। दोपहर 12:15 बजे की विश्राम आरती के बाद 12:30 बजे पट लगा दिए गए। दोपहर के बाद हरियाली पर्व अनुष्ठान मंदिर के आचार्य द्वारा विधि विधान से प्रारंभ किया गया। मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि आज के हरियाली पर्व के लिए बेंगलुरु से विशेष साथ कलर के गुलाब से बाबा श्याम का श्रृंगार किया गया था। लाल पीला सफेद पर्पल झूमिला ऑरेंज एवं रानी कलर के गुलाब से बाबा श्याम का श्रृंगार बड़ा ही अद्भुत एवं दिव्या लग रहा था। तुलसीदास की हरी हरी माला बाबा पर खूब खील रहे थे। सभी देवी देवताओं एवं गुरुजनों का भी भव्य दिव्य श्रृंगार किया गया। गणेशजी श्यामेश्वर महादेव एवं हनुमानजी महाराज को लाल गुलाब का माला पहनाया गया था। आज के विशेष भोग में दिलकुसार का प्रसाद बनाया गया था। विशेष भोग सेवा सुभाष रौनक पोद्दार द्वारा पंचमेवा भोग प्रिंस अजमानी पोशाक सेवा अजय विद्या मयंक ऋषिका जैन द्वारा निवेदित था। विशेष श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों का ताता मंदिर में संध्या 5:00 बजे से लग रहा। सहस बदन तुमरो जस गावे अस कहीं श्रीपति कंठ लगावे संकादिक ब्रह्मदी मुनिसा नारद सरत सहित अहिंसा के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 113 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 113 वा कार्यक्रम भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ।

एक नजर

लंबित कांडों में वांछित वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बोकारो : जिलान्तर्गत अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के मद्देनजर पुलिस महानिरीक्षक, उ०छो० प्रक्षेत्र, बोकारो के निर्देषानुसार, पुलिस अधीक्षक, बोकारो के नेतृत्व में सभी थानों में एक साथ दिनांक 04.08.24 के समय- 22:00 बजे से दिनांक- 05.08.24 के प्रातः 07:00 बजे तक अनुसंधान हेतु लंबित काण्डों में वांछित / लंबित वारण्टी (गवाही को छोड़कर) / फरार अभियुक्तों के विरूद्ध समकालीन अभियान चलाया गया। अभियान में सभी थाना प्रभारी / ओ०पी० प्रभारी के द्वारा लक्ष्य निर्धारित कर काण्डों के वांछित अभियुक्तों / वारंटियों / फिरारियों के विरूद्ध छापामारी कर गिरफ्तारी किया गया। पूर्व में भी वरीय पदाधिकारी के निर्देषानुसार लगातार समकालीन अभियान चलाकर अवैध शराब, मादक पदार्थ एवं गैर कानूनी गतिविधि के खिलाफ छापामारी एवं कार्रवाई की जा रही है। साथ ही विभिन्न थानाओं में लंबित गैर-जामनतीय वारंटो, स्थाई वारंटियों एवं फिरारियों के विरूद्ध सघन छापेमारी कर गिरफ्तारी की जा रही है। इसी क्रम में समकालिन अभियान के दौरान कुल 47 अपराधियों को गिरफ्तारी कर जेल भेजा गया है। बोकारो पुलिस के द्वारा अपराधिक गतिविधियों पर 247 निगरानी रखी जा रही है।

नवीनीकरण एवं विद्युत उपकरणों पर प्रशिक्षण केंद्र का हुआ शुभारंभ

बोकारो : बीएसएल के अधिशासी निदेशक राजन प्रसाद द्वारा ऑक्सीजन प्लांट के पुराने एक्साईटेशन सिस्टम का नवीनीकरण एवं विद्युत उपकरणों पर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर श्री पी के बैसाखिया, मुख्य महा प्रबंधक , श्री एस आर सिंह, मुख्य महा प्रबंधक , तकनीकी सलाहकार श्री सुनील शरण सिंह, ऑक्सीजन प्लांट के विभागाध्यक्ष श्री संजय गुप्ता के साथ वरीय अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। ऑक्सीजन प्लांट के टर्बो कंप्रेसर 01 तथा 02 में बहुत पुराना रशियन मेक एक्साईटेशन सिस्टम का प्रयोग होता था जिसके स्पेयर पार्ट्स की अनुपलब्धता के कारण अनुरक्षण के कार्य में परेशानी होती थी तथा इसका डाउन टाइम बढ़ता जा रहा था। नवीनीकृत एक्साईटेशन सिस्टम को प्रतिस्थापित करने में ई टी एल विभाग के बसंत केशव, मंतोष कुमार , आदित्य कुमार की टीम तथा ऑक्सीजन प्लांट के रणविजय कुमार एवं मनीष स्नेही की अहम् भूमिका रही। अधिशासी निदेशक राजन प्रसाद ने एक्साईटेशन सिस्टम के नवीनीकरण एवं विद्युत उपकरणों पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के कार्य की सराहना की एवं भविष्य में और ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

समृद्ध राज्य होने के बावजूद अभी तक उपेक्षित है झारखंड : भोला

सिल्ली : भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्टीय महामंत्री भोला सिंह सोमवार की देर रात ट्रेन से बनारस के लिए रवाना हुए। वे मुरी स्टेशन पर रांची से सड़क मार्ग से आए। वीआईपी लाउंज में वे बीजेपी के कार्यकताओं से मिले। संगठन एवं स्थानीय मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि झारखंड राज्य जेएमएम एवं कांग्रेस की सरकार से पूरी अराजकता माहौल है। वर्तमान हेमंत सरकार ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता के साथ अन्याय किया है। आने वाले विधान सभा चुनावों में झारखंड की जनता हिसाब चुकता करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग के लोगों के लिए कई योजनाएं लागू की है जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आया है। झारखंड एक समृद्ध राज्य है बावजूद इसका अभी तक अपेक्षित विकास नहीं हुआ है।

पवनपुत्र स्टील प्लांट में जोरदार विस्फोट, एक की मौत, पांच घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मंगलवार को रियाड़ा इंडस्ट्री क्षेत्र स्थित पवनपुत्रा स्टील प्लांट में हुए चिमनी बलास्ट से आस पास का इलाका थर्रा उठा। फैक्ट्री प्रबंधन के सेफ्टी नियमों की धज्जियां उड़ती नजर आई। पूरा फैक्ट्री धुआं से भर गया, अफरा तफरी मच गई। फैक्ट्री के भट्ठी नंबर 3 पर काम कर रहे 7 में से 6 वर्कर जख्मी हो गए। घटना की जानकारी होते ही इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार स्थल पर पहुंचकर एम्बुलेस से घायल राजेश कुमार, रामदेव यादव, शैलेश कुमार, जितेंद्र यादव और राजीव कुमार को गंभीरावस्था में हजारीबाग आरोग्यम में भर्ती कराया गया। जिसमे 4 मजदूर को रिम्स रांची भेज दिया गया, जबकि जितेंद्र यादव की मृत्यु की पुष्टि की गई है। वही आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त शंकर यादव (३५ वर्ष) पिता मोहन यादव को अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिकी इलाज के बाद आराम करने की सलाह दी गई। जबकि एक मजदूर की जानकारी नहीं मिली है, फैक्ट्री प्रबंधक बीके तिवारी ने घटना के बाद उसे फरार बताया है। घटना की जानकारी होते ही स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला, प्रमुख मनोज रजक, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा आदि सहित कई लोग पहुंचे। मंत्री ने विधायक संग दुर्घटना का जायजा लिया और दोषियों पर शीघ्र कारवाई करने का आश्वासन दिया। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि फैक्ट्री में किसी भी प्रकार का नियम का पालन नहीं हो रहा है। श्रम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है। मजदूरों से बिना सेफ्टी कीट दिए काम करवाए जा रहे है। मंत्री ने फैक्ट्री के सुपरवाइजर हर्ष त्रिपाठी से मजदूरों की जानकारी लेनी चाही, जिसे वह बताने से कतराते रहे। मंत्री ने सुपरवाइजर को डांट लगाते हुए इंस्पेक्टर को पुलिस कस्टडी में लेने का निर्देश दिया। उन्होंने दो टूक कहा कि जब सुपरवाइजर ने सुरक्षा कीट नही पहना है तो स्पष्ट है कि फैक्ट्री प्रबंधन को मजदूरों या कर्मचारियों की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। सिर्फ धनोपार्जन के उद्देश्य से फैक्ट्री चलाए जा रहे है। इस संबंध में उन्होंने उपायुक्त हजारीबाग को दूरभाष पर सूचना देते हुए फैक्ट्री प्रबंधन के विभिन्न नियमो और बिंदुओं पर जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री संचालक के लापरवाही के खिलाफ मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री और मुख्य सचिव से उचित कारवाई की बात करेंगे।

डीडीसी, एसडीओ, सीओ सहित पूर्व विधायक ने किया निरीक्षण

घटना की जानकारी होते ही डीडीसी प्रेरणा दीक्षित, एसडीओ जोहन टुडू, सीओ आर एन खलखो, बीडीओ सी.आर. इंदवार सहित पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव भी फैक्ट्री पहुंचे और घटना की विस्तृत जानकारी लिया। घटना की पुष्टि करते हुए इंस्पेक्टर ने बताया कि वर्करों से मिली जानकारी के अनुसार घटना का मुख्य कारण ब्लास्ट फर्नेस का जाम होना है।

संक्षिप्त खबरें

स्तनपान करने से बच्चे व मां को मिलती है कई बीमारियों से छुटकारा : डॉ शिवानी झा

कतरास : विश्व स्तनपान दिवस 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है ,जिसके निमित मंगलवार (6 अगस्त) को कतरास के रानी बाजरा स्थित कृष्णा मातृ सदन में लाइंस क्लब कतरास द्वारा विश्व स्तनपान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को मातृत्व व स्तनपान के बारे में जागरूक करने के लिये प्रेरित किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये डॉक्टर शिवानी झा ने कहा कि महिलाओं में स्तनपान कराने के लाभ के बारे में बताते हुये कहा कि स्तनपान करने बाली महिलाओं व बच्चो में कई प्रकार के प्राकृतिक लाभ निहित है,लेकिन आजकल कुछ महिलाये स्तनपान करने से बचना चाहती है,वैसी महिलाओं में कई प्रकार के बीमारियों के चपेट में आते है व बच्चा पर भी खासा असर पड़ता जिससे बच्चा को जीवन भर कमजोरी व अन्य कई बीमारियों से जूझना पड़ता है ।स्तनपान करने वाली महिलाओं को स्तन कैंसर से बचा जा सकता है ।कार्यशाला में मुख्य रूप से कृष्ण मातृ सदन की संचालिका सह महिला विशेषज्ञ डॉक्टर शिवानी झा,डॉ विश्वनाथ चौधरी,डॉ लाइंस क्लब के मधुबाला,रितेश दुबे,मनीषा मीनू, उषा चौधरी,कृष्णा मातृ सदन के धीरज सिंह,राकेश कुमार,सुमन गोश्वामी, गीता देवी, सोनी देवी, रीना कुमारी,मुन्ना झा, रंजीत रवानी सहित अन्य स्टाफ मौजूद थे।

मंईयां सम्मान योजना में लगे चौथे दिन शिविर में मात्र 33 फॉर्म भरे गये

कतरास : वार्ड संख्या चार और पांच की महिलाओं में आक्रोश है 4 दिनों से महिलाएं सुबह 8:00 बजे आ रही है और शाम को 4:00 घर वापस जा रही है, लेकिन कभी सरवर में प्रॉब्लम तो बिजली नहीं होने के कारण मात्र 33 ही फॉर्म भरा पाया है चाहे वह मामला वार्ड संख्या 2 में लगाए गए शिविर का हो ,चाहे कतरास नगर निगम अंचल कार्यालय में लगाए गए शिविर का दोनों जगह का एक ही हाल है

झारखण्ड सरकार के जन कल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा 3 अगस्त से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय व नगर निगम में आयोजित शिविर में शत प्रतिशत महिलाओं को लाभावित्त सुनिश्चित करने के लिए शनिवार से हि वार्ड संख्या 2 में शिविर लगाया गया , जहां वार्ड नंबर 4 व 5 के महिलाओं को नियमनुसार 21 वर्ष से 50 वर्ष उम्र के सभी महिलाओं को जो नियम के दायरे में आती है । प्रतिमाह एक हजार रूपया झारखण्ड सरकार के सम्मान योजना के तहत फार्म जमा करने के लिए कहा गया है 4 व 5 वार्ड कि जनसंख्या 40 हजार में 18000 हजार महिलाओं का फॉर्म भरा जाएगा , इस स्थिति में 7 दिनों में फॉर्म भरना मुश्किल ही नहीं असंभव दिख रहा है ।

अधिवक्ता शंभू प्रसाद की पुण्यतिथि पर हुई श्रद्धांजलि सभा

बोकारो: आज कोर्ट परिसर में बोकारो के अधिवक्ता शंभू प्रसाद के प्रथम पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में बोकारो के सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद थे। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने स्व. शंभू प्रसाद के तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए, श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा की स्व. प्रसाद काफी मिलनसार और मृदु भाषी थे, उनके निधन से बोकारो के अधिवक्ता समाज को काफी आघात लगा है। उनकी बहन प्रीति प्रसाद ने कहा की उनकी कमी कोई पूरा नहीं कर सकता है। वे गरीबों के सच्चे हिमायती थे। इस अवसर पर अधिवक्ता दिनेश शर्मा, रंजन कुमार मिश्रा, अतुल कुमार, फटीक चंद्र सिंह, निखिल कुमार डे, सुभाषचंद्र नायक, दीपिका सिंह, वंशिका सहाय, संजीत कुमार सिंह,सोमनाथ शेखर, राज श्री, अमरदेव सिंह, बिनोद कुमार सिंह, पंकज दराद, देवनाथ राम,अंजनी चौधरी, जितेंद्र महतो, मिथिलेश कुमार, निरोध प्रामाणिक, महेश विश्वकर्मा, सुभाष चंद्र महतो ,विमल झा ,सुरेन्द्र साह, जवाहर प्रासाद, विमल शर्मा, अंकित ओझा, अशोक कुमार पांडेय, संदीप पूर्ती, राणा प्रताप शर्मा, हिमांशु शेखर, बिष्णु प्रसाद नायक, प्रीति श्रीवास्तव, कमल कुमार सिन्हा, राकेश ओझा, गोविंद नारायण सिंह, मिथलेश कुमार, अशोक कुमार यादव समेत सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे।

आईजी माइकल राज ने साइबर अपराध थाने का किया उद्घाटन

बोकारो: जिले में साइबर अपराध थाने का उद्घाटन आईजी माइकल राज एस ने सेक्टर 4 जी क्वार्टर नंबर 4043 में विधिवत किया. उन्होंने कहा कि इस अपराध को खत्म करने के लिए जनता का जागरूक होना सबसे जरूरी तभी ऐसे अपराधों पर लगाम लगा पाएंगे बोकारो जिले का साइबर अपराध थाना हाईटेक है और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए तैयार है,जो साइबर क्राइम कर रहे हैं। बोकारो साइबर थाना के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार बनाए गए हैं। थाने के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य रूप से आईजी माइकल राज एस डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा, एसपी पूज्य प्रकाश, डीएसपी सिटी आलोक रंजन, डीएसपी हेड क्वार्टर अनिमेष गुप्ता ,डीएसपी चास प्रवीण कुमार, डीएसपी ट्रैफिक आशीष कुमार महली ,सार्जेंट मेजर प्रवीर कुमार ,सेक्टर 4 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार ,साइबर अपराध थाना के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार, चास थाना प्रभारी इंस्पेक्टर खुर्शीद आलम, सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास, साइबर सेल के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आरके राणा, हरला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल कुमार कच्छप ,सेक्टर 6 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर धेना किसकु, एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य बोकारो पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

सखी उद्योग द्वारा तृप्ति भवन में मना सावन महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मौसम का सुहावना अंदाज देखते हुए क्या बात है तृप्ति चाट भवन मे सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में महिलाओं ने नृत्य संगीत का जमकर लुफ़्त उठाया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया। महिलाओं ने मेहंदी, रैप वाक, नृत्य, गायन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई। कई प्रकार के खेलों का भी लुफ्त लिया तथा विजेताओं को पुरुस्कृत कर उत्सव मनाया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न करने में महिलाओ ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हरे रंग के वस्त्रों में सजी महिलाओं का पार्टी में स्वागत की गया । उनके पार्टी मूड को बनाए रखने के लिए डीजे की भी व्यवस्था की गई थी। सबने अपने कदम थिरकाए तथा अंतिम तक डांस का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के बीच में गेम्स भी कराए गए, जिसमें क्लब की ओर से गिफ्ट भी दिया गया। श्रीमती कविता सिंह ने कहा कि सावन में हरियाली और जीवन में खुशियों का संदेश देता है साथ ही कहा कि सावन का महीना सुहागन महिलाओं के लिए विशेष महत्व है।

कतरास कॉलेज के प्रोफेसर ने प्राचार्य पर लगाया जबरन हस्ताक्षर करवाने का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : कतरास कॉलेज कतरास के जूलॉजी के प्रोफेसर आरके सिंह ने कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर वीरेंद्र कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रोफेसर आरके सिंह ने कहा कि कुछ दिन पहले लेबोरेटरी का सामान आया है ऐसा कह कर मुझे सामान रिसीव करने के कागजात में हस्ताक्षर करने को कहा गया। जब मैंने पूछा कि सामान दिखाइए यहां तो केवल दो कार्टून रखा है। इस पर प्रिंसिपल ने कहा कि ज्यादा पूछताछ मत करो चुपचाप से साइन करो। जब मैंने साइन करने से मना कर दिया तब उन्होंने कहा कि साइन नही करोगे तो गेट से बाहर कर देंगे और सैलरी भी काट लेंगे. इसके बाद उन्होंने मेरा हाथ पकड़ कर मुझसे जबरान साइन करवाया. जब मैं यूनिवर्सिटी में कहा कि मुझे सामान नहीं मिला है अभी तक और साइन कर लिया गया है तब वहां कहीं भी मेरा नाम नहीं पाया गया जिससे यह पता चलता है कि सामान की खरीदारी में फजीर्वाड़ा हुआ है और मेरे साथ धोखा भी हुआ है। उन्होंने कहा कि उनका सैलरी भी काट लिया गया है। बताया कि कुछ दिन पहले कमरे के छत से पानी गिर रहा था, जिसमें कमरे की मरम्मत कराई गई। उसमें भी प्रिंसिपल के द्वारा कमीशन लेने को लेकर विवाद किया गया। कहा कि कई दिन बाद कुछ सामान आया है जो यहाँ रखा हुआ है। मामले को लेकर जब प्रिंसिपल से बात किया गया तब उन्होंने कहा कि उनके ऊपर लगाए गए सारे आरोप गलत और बेबुनियाद है। उन्होंने बताया कि लेबोरेटरी में 10 लाख का सामान आया था जिसमें से तीन सामान प्रोफेसर आरके सिंह के द्वारा गायब कर दिया गया है। इसलिए मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। जल्द ही यूनिवर्सिटी स्तर से इसकी जांच पड़ताल की जाएगी। वहीं भीतर के मुख्य द्वार के समीप एक शेड लगाया गया है जिसको लेकर विद्यार्थी परिषद के नेता शुभम हजारी ने शेड लगाने में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। शुभम हजारी ने कहा की देखने से प्रतीत होता है कि यह 15 से 20 हजार रुपए का शेड लगाया गया है। लेकिन प्रिंसिपल के द्वारा 44 हजार का बिल बनवा दिया गया है।

मिथिला एकेडमी में छात्र परिषद के अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मिथिला अकैडमी पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 /ई के प्रांगण में प्रतिवर्ष की भांति धूमधाम से विद्यालय के छात्र परिषद का अलंकरण समारोह मनाया गया। बतौर मुख्य अतिथिश्री अनिल कुमार, सी जी एम सर्विस, सेल,, प्रेसिडेंट मिथिला सांस्कृतिक परिषद् ,राजेंद्र कुमार स्थायी आमंत्रित सदस्य, मिथिला सांस्कृतिक परिषद् , पी के झा चंदन , सचिव, मिथिला अकैडमी पब्लिक स्कूल, मिहिर मोहन झा , त्रित्य सचिव मिथिला सांस्कृतिक परिषद् प्राचार्य अशोक कुमार पाठक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत गान गाकर बच्चों ने आए आगंतुक का स्वागत किया। कार्यक्रम के साक्षी हमारे शिक्षक गण उपस्थित अभिभावक गण एवं छात्र-छात्राएं थी। यह चुनाव विद्यालय में विभिन्न चरणों में लिए गए साक्षात्कार द्वारा होता है। छात्र परिषद 2024-25 के इस गठन में स्कूल हेड बॉय के रूप में आशीष गोराई कक्षा 12/ए और स्कूल हेड गर्ल के रूप में भूमिका सिंह कक्षा 12/ बी का चयन किया गया । वहीं स्कूल दुप्टी हेड बॉय में आर्यन कुमार कक्षा 11/बी, दुप्टी हेड गर्ल अंकिता कुमारी कक्षा 11/ ए, लिटरेरी सेक्रेटरी के रूप मंइ सुरभि चौधरी कक्षा 10/ए डिप्टी लिटरेरी सेक्रेटरी में दुर्गेश कुमार कक्षा 9/ ए और आयुष कुमार कक्षा 12/बी, स्पोर्ट्स सेक्रेट्री, स्पोर्ट्स वाइज सेक्रेट्री के रूप में पूनम कुमारी कक्षा 11/बी और का चयन किया गया। इसी अवसर पर विभिन्न हाउस कैप्टन में बिरसा हाउस की एकता कुमारी कक्षा 11/ बी वाइस कैप्टन दीपिका कुमारी कक्षा 10/बी , भारती हाउस से अमन कुमार कक्षा 9/ए , वाइस कैप्टन आदित्य कुमार कक्षा 10/बी , विद्यापति हाउस से कप्तान अश्मित नारयण झा कक्षा 10/ए, वाइस कैप्टन सुचित्रा कुमारी कक्षा 10/ए, वाचस्पति हाउस से कैप्टन प्रिन्स सिंह कक्षा 10/ए, वाइस कैप्टन लक्खी महतो कक्षा 9/ए कल्चरल सेक्रेटरी श्रधा सिंह , कक्षा 10/बी, डीसीपिलीन हेड सुमित थापा कक्षा 12/ए, डीसीपिलीन हेड गर्ल अमीषा कुमारी कक्षा 11/ए, का चयन किया गया` मंच का संचालन शिक्षक देव दुलाल मित्रा द्वारा किया गया । अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि ने छात्रों को अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि बिना अनुशासन के मनुष्य सफल नहीं हो सकता। जीवन में सफलता हासिल करने के लिए अनुशासन एवं समर्पण आवश्यक है।

बारिश के कारण मिट्टी का कटाव होने से सड़क क्षतिग्रस्त

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित डुमरी प्रखंड के - बाबा टांगीनाथ धाम जाने वाली सड़क में बंदुआ-महुआडीह ग्राम के समीप सड़क किनारे मिट्टी का कटाव होने के कारण छोटे-बड़े वाहनों का परिचालन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण नाले में पानी का जमाव होने से मिट्टी का कटाव हो गया है, जिसके कारण सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और वाहनों का परिचालन जोखिम भरा हो गया है ज्ञात हो की डुमरी से टांगीनाथ धाम तक का सड़क निर्माण किया गया है जिसमें बंदुवा से महुआडीह तक का पूर्व में ही पीसीसी बना हुआ था इसे छोड़कर नया सड़क बनाया गया है पुराना पीसीसी सड़क भी जर्जर हो चुका है जो एक चक डेम नाले के बगल से बना हुआ है और नाला में पानी का अधिक बहाव होना के कारण मिट्टी के कटाव होने से सड़क पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है।

नियमावली की अनदेखी कर आदिवासी महोत्सव का दिया टेंडर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने टेंडर में गड़बड़ी का मामला उठाया, कहा रांची में हो रहे प्रोग्राम में लोएस्ट वन को टेंडर न देकर टेंडर हाईएस्ट वन को दिया गया इसलिए हो सकता है टेंडर घोटाला। बोकारो में प्रेस वार्ता के जरिए उक्त बाते कही।

बताते चले की झारखंड के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने बोकारो में प्रेस वार्ता के जरिए कहा की झारखंड सरकार 9 और 10 तारीख को आदिवासी दिवस के मौके पर रांची में जो कार्यक्रम कर रही है, उसमे टेंडर उस इवेंट कंपनी को दिया गया है जो सबसे ज्यादा रेट निविदा में डाला है, जबकि जो कंपनी ने सबसे कम रेट डाला था और लोएस्ट वन था उसे ये टेंडर नही मिला। उन्होंने कहा की इसमें 2 करोड़ 13 लाख का अंतर हो जाता है जो बहुत बड़ी रकम होती है और मुख्यमंत्री को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा की आगे चलकर ये टेंडर घोटाला हो सकता है। प्रतिपक्ष के नेता ने आगे कहा की सबसे ज्यादा रकम का निविदा डालने वाला को ये टेंडर मिला है जिन्होंने 7 करोड़ 63 लाख रुपए में इस इवेंट को लिया है जबकि इस कार्यक्रम को लोएस्ट रेट पर 5 करोड़ 50 लाख के टेंडर डालने वाले को टेंडर नही मिल पाया। ऐसे में आगे चलकर घोटाला के रूप में ये सामने आ सकता है। उन्होंने कहा की पत्रकार सम्मेलन के जरिए वो इस बात को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत कराना चाह रहे है। उनको इस बारे में संज्ञान लेना चाहिए। प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी साथ में ज़िला के अध्यक्ष जयदेव राय ,वीरभद्र प्रसाद सिंह ,विनय आनंद ,राकेश मधु उपस्थित रहे।

जन शिकायत निवारण दिवस पर 30 से अधिक आवेदकों ने की उपायुक्त से मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : जिले में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में प्रत्येक मंगलवार को जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया जाता है। जन शिकायत निवारण दिवस में दूर दराज से आ रहे लोगों को देख उपायुक्त के दिशा निर्देश पर कुछ माह पूर्व ई-जन शिकायत का भी आयोजन किया जा रहा था एवं उसके टेस्ट करने के पश्चात अब नियमित रूप से जिले के ई जन शिकायत का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले के दूर दराज में रहने वाले नागरिक अपने नजदीकी ब्लॉक ऑफिस में जाकर ऑनलाइन मध्यम से अपनी शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रख सकते हैं। आज इसी क्रम में उपायुक्त के द्वारा उनके कार्यालय में आम नागरिकों से मिलने से पूर्व उन्होंने ई जन शिकायत का आयोजन किया जिसमें विशुनपुर, सिसई एवं घाघरा प्रखंड के लगभग 51 आवेदकों ने ऑनलाइन वीडियो कॉल के मध्यम से उपायुक्त से मुलाकात की एवं उनकी शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। जिसमें मुख्य समस्या बारिश से घर ध्वस्त, अबुवा, आवास राशन एवं सड़क की थी। प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को ई जन शिकायत का भी होगा आयोजन, आवेदक पूर्वाह्न 10:30 बजे अपने नजदीकी ब्लॉक ऑफिस में जाकर जुड़ सकते हैं उपायुक्त से ऑनलाइ माध्यम से उपायुक्त के निर्देश के आलोक में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से ई जन शिकायत का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण अपने नजदीकी प्रखंड कार्यालय में जाकर वहां बी.डी.ओ. के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से उपायुक्त से जुड़ कर अपनी समस्या को

आसानी से बता सकते हैं। इसी प्रकार 20 अगस्त को रायडीह, डुमरी, चैनपुर में ई जन शिकायत का आयोजन होगा । तथा 27 अगस्त को गुमला, पालकोट एवं जारी से ई जन शिकायत का आयोजन होगा। नागरिकों से अपील है कि वे दिए गए तिथि अनुसार अपने नजदीकी प्रखंड कार्यालय में जाएं एवं ई जन शिकायत के माध्यम से उपायुक्त से ऑनलाइन जुड़ कर अपनी समस्याओं को रखें। जन शिकायत निवारण दिवस के तहत आज जिले के दूर दराज से लगभग 30 से अधिक आवेदकों ने उपायुक्त से मुलाकात की। कामडरा प्रखंड के गाड़ा निवासी बसंत खेस द्वारा आवेदन समर्पित कर बताया कि मुझे अग्निवीर के लिए जाति प्रमाण पत्र की अतिआवश्यक है। आवेदक द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाने का मांग किया। उपायुक्त द्वारा संबंधित विभाग को आवश्यक दिश निर्देश देते हुए शीघ्र बनाने को कहा गया।
गुमला प्रखंड गाड़ी मोहल्ला टोटो निवसी जीरा देवी द्वारा आवेदन समर्पित कर बताया कि मैं कच्चा मकान में रहती हूँ। मेरा घर बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें रहने में काफी कठिनाई हो रही है। आवेदक द्वारा आवास की मांग की गई। उपायुक्त द्वारा आवेदन पत्र को प्रखंड विकास पदाधिकारी गुमला को अग्रेतर कर्रवाई करने हेतु निर्देश दिया। गुमला के पालकोट रोड शहरी क्षेत्र की जनता द्वारा उपायुक्त को आवेदन समर्पित कर पालकोट रोड टैसेरा मोड में संतोष गोप का प्रतिमा स्थापित दिनांक 07.08.2024 को किया जाना है।

दिल्ली में शिकोकाई कराटे इंटरनेशनल इंडिया में आदित राज ने स्वर्ण पदक जीता

अनगड़ा : अनगडा प्रखंड हेसल पंचायत के मासु मंजिला टोला निवासी आदित राज ने सिकोकाई कराटे इंटरनेशनल इंडिया के नेतृत्व में दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में 18 वी इडिपेडेंस कप आल इंडिया कराट चैंपियन शिप के तीसरे दिन राज्य के खेलडियो का उम्दा प्रदर्शन रहा जिसमे दिल्ली के खेलाडियो को हराकर सवर्ण पदक जीत कर राज्य का परचम लहराया और गांव समाज का नाम रोशन कियोइस खुशी के मौके पर क्षेत्र के समाज सेवी राजेन्द्र शाही मुंडा जलनाथ चौधरी अजित महतो पारस उरांव जागर नाथ महतो आतिश महतो बीरेंद्र भगत ने नाइटेंगल नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल राज बरला गोवर्धन महतो रामसाय मुंडा अर्जुन राम किरण देवी निर्मला देवी उमेस प्रामाणिक आदि लोगो ने दिया बधाई।

स्कूलों में आठवीं पास छात्र- छात्राओं के बीच साइकिल का हुआ वितरण

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड कार्यालय के समीप कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना उन्नति का पहिया के तहत मंगलवार को राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय तबेला व राजकीय बुनियादी विद्यालय कुरुमगढ़ स्कूलों में क्लास आठवीं पास छात्र छात्राओं के बीच 80 साइकिल का वितरण किया गया। मौके पर चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा, कल्याण पदाधिकारी हुलेश प्रसाद, बीपीओ सत्येंद्र प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि सुशील दीपक मिंज की उपस्थिति में दोनों विद्यालय के कुल 80 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। नि:शुल्क साइकिल पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। कल्याण पदाधिकारी हुलेश प्रसाद ने बताया कि लगातार छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया जा रहा है।

सिकल सेल एनीमिया अभियान के तहत केओ कॉलेज में शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित के.ओ. कॉलेज गुमला में सिकल सेल एनीमिया जांच अभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिले के युवाओं को मुख्य रूप से लक्षित करते हुए आज जिले में स्थित कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला में एक कैंप का आयोजित कर उक्त कॉलेज के लगभग 2000 से अधिक आम नागरिकों का सिकल सेल एनीमिया जांच किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी उपस्थित रहें एवं दिल्ली से आए मुख्य चिकित्सक डॉ.अभिषेक रंजन के द्वारा सभी उपस्थित नागरिको को सिकल सेल एनीमिया के संबंध में काउंसलिंग एवं आवश्यक जानकारी दी गई। उन्होंने उपस्थितगणों की काउंसलिंग की साथ ही उन्होंने सिकल सेल एनीमिया के संबंध में कई महत्वपूर्ण बातों को रखा,उन्होंने बताया कि सिकल सेल एनीमिया वंशानुगत विकारों के एक समूह में से एक है जिसे सिकल सेल रोग के रूप में जाना जाता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं के आकार को प्रभावित करता है, जो शरीर के सभी भागों में ऑक्सीजन ले जाते हैं। इससे शरीर में तीव्र दर्द उत्पन्न होता है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि कोई वैवाहिक दंपत्ति है जो सिकल सेल एनिमिक है एवं यदि वे बच्चे को जन्म देना चाहते हैं तो क्या परहेज किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि रांची में सिकल सेल एनिमिक गर्भवती महिला अपने होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य जांच भी करवा सकती हैं। इसके अलावा डॉ. के द्वारा अन्य कई मुख्य बिंदुओं से सभी को अवगत करवाया गाय।

नवनियुक्त जिला महामंत्री एवं जिला उपाध्यक्ष को दी बधाइयां

सिल्ली : जेबीकेएसएस/ जेएलकेएम के द्वारा सर्वसम्मति से नीतीश कुमार महतो को रांची जिला महामंत्री एवं प्रवीण को रांची जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। जिला महामंत्री एवं जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दोनों नव नियुक्त युवा नेताओं को सिल्ली के युवाओं ने बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी। नव नियुक्त जिला महामंत्री एवं जिला उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद दोनों युवा नेताओं ने कहा कि पार्टी द्वारा जो भी दायित्व हम लोगों को दिया जाएगा उसकी पूरी ईमानदारी, निष्ठा और लगन के साथ निर्वाह किया जाएगा।
जेबीकेएसएस/जेकेएलएम के प्रवक्ता राजू महतो, युवा मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष विनोद कुमार, महिला मोर्चा वरिय उपाध्यक्ष नविता देवी, सक्रिय सदस्य रमेश कुमार महतो,अजीत महतो,सरोज सिंह,सुधीर महतो,लालू महतो,अभिषेक महतो,अक्षय महतो,बबलू महतो,जगदीश महतो,सोनू महतो,सतीश महतो आदि ने बधाईयां दी।

राज्यपाल से मिले एसबीयू के डायरेक्टर जनरल

अंगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल माननीय प्रो. गोपाल पाठक ने आज राजभवन में झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल माननीय संतोष गंगवार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने महामहिम को राज्यपाल का पदभार संभालने पर शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मुलाकात के दौरान राज्य के शैक्षणिक परिवेश पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रो. पाठक ने सरला बिरला विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में महामहिम को विस्तार से जानकारी दी। वार्ता के दौरान महामहिम राज्यपाल ने शिक्षा जगत से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण सुझाव भी साझा किया।

जय झारखंड अभियान के नेतृत्व में रवि भूषण दुबे को सौंपा ज्ञापन

अनगड़ा : रांची समाहरणालय भवन में रांची उपायुक्त महोदय के नाम उनके प्रसिसिय अधिकारी रवि भूषण दुबे को ज्ञापन सौंपा गया सरकारी आदेश के अनुसार अंचल अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रति वर्ष 120 दिन राजस्व ग्रामों का दौरा करना है और बैठकों के दौरान आए मामलों को विलेज नोट बुक में दर्ज किए जाने का प्रावधान है। आम नागरिकों के शिकायतों को विलेज नोटबुक में दर्ज कर समस्या का समाधान सुनिश्चित अंचल अधिकारी अपना कार्य क्षेत्र में करेंगे इसी संबंध में उपायुक्त से आदेश जारी करने का मांग पत्र सोपा गया है जय झारखंड अभियानर के तत्वावधान में जिसमें समाजिक संगठनों से जुड़े, एस अली, सरफराज अंसारी, सोशल एक्टिविस्ट रेहान अंसारी, वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता एनामुल हक, आरटीआई कार्यकर्ता जियाउल हक, रंजीत उरांव, कुलेश्वर राम एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देवेन्द्र नाथ महतो मामले में अदालत ने मांगी केस डायरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची विविल कोट में 6 जुलाई को रांची लोकसभा प्रत्याशी जेबीकेएसएस केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष सह आंदोलनकारी छात्र नेता जेएसएसयू प्रमुख देवेन्द्र नाथ महतो को जुडिशियल कमिशनर रांची के न्यायालय से लालपुर थाना वाद संख्या 185/2024 एंटी शेफ्टी बेल संख्या 2097/2024 पर एडिशनल जुडिशियल कमिशनर मिथलेश सिंह के न्यायालय में हुआ बहस, अदालत ने लालपुर थाना से केश दैनिकी मांगा है जिसमें कोर्ट में देवेंद्र नाथ महतो भी उपस्थित हुए उक्त जानकारी अधिवक्ता षष्टी रंजन महतो ने दिया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उक्त एफआईआर सूचक कार्यपालक दंडाधिकारी रांची सदर के संजय कुमार के द्वारा 19 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री आवास घेराव के दौरान लालपुर थाना में लिखित आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज किया गया था।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, रांची।

ई प्रोक्यॉरमेंट नोटिस
प्रथम अल्प कालिन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रण संख्या DWSDHATIAPROJECTRANCHI/OM/02/2024-25
दिनांक – 06/08/2024

1	कार्य का नाम	Operation and maintenance (O&M) of Hatia Water supply scheme for three years under D.W. & S. Division, Hatia Project, Ranchi
2	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	10,33,49,105.00 (दस करोड़ तैंतीस लाख उनचास हजार एक सौ पाँच)
3	अग्रधन की राशि (रूपये में)	1050000.00 (दस लाख पचास हजार)
4	कार्य समाप्ति की अवधि	छत्तीस माह
5	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	10,000.00 (दस हजार)
6	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/08/2024 को पूर्वा 11.00 बजे से।
7	प्री बिड बैठक की तिथि एवं समय	12/08/2024 को अप 3.30 बजे अभियंता प्रमुख, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रांची के कार्यालय कक्ष में
8	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	20/08/2024 को अपराह्न 03.00 बजे तक।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	21/08/2024 को अपराह्न 04.00 बजे
10	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, रांची।
11	जिनके द्वारा निविदा खोली जायेगी का पदनाम एवं पता।	कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, रांची।
12	प्रोक्योरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं0	9204931335
13	ई प्रोक्योरमेंट सेल का सहायता केन्द्र नं0	9931100907

1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रांची के आदेश तह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान सम्वेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो इसकी सारी जवाबदेही सम्वेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी है।
4. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
5. निविदा बिना कारण बताये कभी भी संशोधित या रद्द किया जा सकता है।
6. राज्य सरकार द्वारा निर्गत अद्यतन आदेश/परिपत्र लागू होंगे।
7. केवल ई निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
हटिया योजना, रांची।

PR 331977 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

Government of Jharkhand
Department of Agriculture, Animal Husbandry & Co-Operative
(Agriculture Division)
Directorate of Soil Conservation
2nd Floor, Krishi Bhawan , Kanke Road, Ranchi-834008
e-mail – dirsoiljhr@gmail.com or edjamttc@gmail.com
Contact No.- +917004221564, +919472769373
website – www.jharkhandtenders.gov.in/ or www.jamttc.org or www.sameti.org or

CORRIGENDUM
PR No.-330583 Agriculture(24-25)D
NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

Expression of Interest (EOI) are invited For Empanelment of Manufacture or Their Authorized Dealer to Supply Tractors/ Self Propelled Machines / Agricultural Machines/ Implements/ Tools/Items / Pump Sets/ HDPE Pipe etc on subsidy basis to the individual farmers and different type of farmers groups etc. under different programme of the department of Agriculture, animal husbandry & co-operative to be implemented the scheme of the financial year 2023- 24 to 2025 -26

1. In continuations of the implementation of tender notice no. tender ID (Reference) NIT No.-SC/01/2024-25, Tender ID No.-2024_sedj-88609 & PR No.-330583 Agriculture(24-25)D a Pri-Bid meeting was held on 31.07.2024. The decision taken in pre bid meeting due to typing error the some amendment has been incorporated as a part of the tender document published on the website www.jharkhandtenders.gov.in or www.jamttc.org.
2. The interested bidder should visit the above mentioned website & the amended specifications can be downloaded or obtained from the Directorate of Soil Conservation, Jharkhand, Ranchi and proposal must be submitted as per revised specifications otherwise proposal will not be considered.

PR No.-330583 Agriculture(24-25)D

Sd/- Director, Soil Conservation,
Jharkhand, Ranchi

PR.NO.332044 Agriculture(24-25):D

कार्यालय जिला परिषद, खूँटी
अति अल्पकालीन निविदा
आमंत्रण सूचना सं० 09/2024–25

पत्रांक 400/जि०प० दिनांक 06.08.2024

विशेष केन्द्रीय सहायता (SCA) के अन्तर्गत उपायुक्त–सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय खूँटी के पत्रांक 441/जि०यो० दिनांक 26.07.2024 के आलोक में जिलास्तरीय कार्यकारिणी समिति से स्वीकृत योजना खूँटी जिला के विभिन्न स्थानों में सोलर स्ट्रीट लाईट/हाई मास्ट लाईट के मरम्मति हेतु कुल 15 स्थानों में सोलर लाईट से संबंधित सामग्रियों की आपूर्ति की जानी है। जिसके आलोक में सोलर स्ट्रीट लाईट/हाई मास्ट लाईट के मरम्मति का आदेश प्राप्त है। विभिन्न शर्तों के साथ मुहरबंद अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक कम्पनि/प्रमाणित बिक्रेता/उनके अधिकृत बिक्रेता **दिनांक 14.08.2024 के अपराह्न 02:00 बजे तक** निम्नांकित शर्त्तों के अनुरूप अपना मुहरबंद निविदा जिला परिषद कार्यालय, खूँटी में जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। प्राप्त निविदाओं को **14.08.2024 के अपराह्न 04:00 बजे** क्रय समिति के समक्ष कार्यालय जिला परिषद, खूँटी के सभा कक्ष में खोला जायेगा।

निविदा की शर्त्तें, उपकरणों एवं उसका Specification इत्यादि की विवरणी खूँटी जिला के वेबसाईट https://www.khunti.nic.in से डाऊनलोड किया जा सकता है अथवा जिला परिषद कार्यालय, खूँटी से प्राप्त किया जा सकता है।

ह०/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, खूँटी

PR 331987 District(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, रांची

Un-Tied मद अन्तर्गत
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 19/2024–25

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,रांची।
2. परिमाण विपत्र, बिक्री की तिथि/स्थान :– दिनांक 14.08.24 को 2.00 बजे तक। विकास भवन, रांची।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि/स्थान : दिनांक 16.08.24 को 3.00 बजे अपराह्न तक जिला नियंत्रण कक्ष, रांची।
4. निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक 16.08.24 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. कार्य का विवरण।

क्र0 सं0/ ग्रुप सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि/ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	यंत्र संयंत्र का स्वामित्व
1	2	3	4	5	6	7	8
1	खलारी	खलारी प्रखण्ड के लपरा में टेम्पा–डीगी से श्याम साहेब के बंगला होते हुए मैक्लुस्कीगंज स्टेशन तक पी०सी०सी० पथ एवं पुलिया का निर्माण।	49,41,700.00	99,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
2	नामकुम	नामकुम प्रखण्ड के सपारोम सवारी टोला (गिर टोली) आधुनिक तालाब से पुराना कच्चा अखाड़ा तक 1000 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण।	24,98,000.00	50,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
3	कांके	कांके प्रखण्ड पिठौरिया से ठाकुरगांव मुख्य पथ में शुकरा उरांव के घर से पंचायत भवन तक पी०सी०सी० पथ, नाली एवं गार्डवाल निर्माण कार्य।	37,85,000.00	76,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
4	ओरमांझी	ओरमांझी प्रखण्ड के शालिनी अस्पताल से लेकर ग्रामीण पथ होते हुए रुक्का डैम से जाने वाले रास्ते तक 580 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण कार्य।	20,72,800.00	41,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
5	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत इरगु नव नगर में श्री पिंटू महतो के घर से रतन साहु के घर तक 160 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण।	3,31,000.00	7,000/-	750/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
6	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत खलील के घर से अंसारी के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	4,51,400.00	9,000/-	750/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
7	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र अन्तर्गत राहुल कुमार के घर से गोलू के घर तक 450 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण कार्य।	8,12,500.00	16,500/-	1250/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
8	रातु	रातु प्रखण्ड के अन्य टोली में शहदेव साहु के मकान से कमला देवी के मकान तक 1000 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण कार्य।	18,05,550.00	36,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
9	नामकुम	नामकुम प्रखण्ड के अन्तर्गत वार्ड नं0 02 आमेठिया नगर में अजय घोष जी के घर से उमेश कुमार के घर होते हुए मिक्स अस्पताल तक तथा एस०के० तिवारी के घर तक नाली निर्माण कार्य।	21,39,000.00	43,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
10	नामकुम	नामकुम प्रखण्ड के अन्तर्गत वार्ड नं0 02 आमेठिया नगर में अजय घोष जी के घर से उमेश कुमार के घर होते हुए मिक्स अस्पताल तक तथा एस०के० तिवारी के घर तक नाली निर्माण कार्य।	22,48,000.00	45,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
11	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र के चुटिया में एल०ए० गार्डन स्कूल से अयोध्यापुरी रोड में गजेन्द्र सिंह के घर से सुमेर साहु के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	5,14,200.00	10,500/-	1250/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
12	शहरी क्षेत्र	शहरी क्षेत्र के वार्ड नं0 33 बनहौरा जोजोनगर में अनूप ठाकुर के घर से सोनी तिर्की के घर तक 800 फीट पी०सी०सी० पथ निर्माण।	21,13,800.00	42,500/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
13	मांडर	मांडर प्रखण्ड के ग्राम–रातवा में देवी मंडप से सन्तु ठाकुर के घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण कार्य।	16,83,800.00	34,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
14	इटकी	इटकी प्रखण्ड के सगीनाबाद मुहल्ला ट्रांसफार्मर से लेकर ईस्लाम खाई घर तक पी०सी०सी० पथ निर्माण कार्य।	18,32,900.00	37,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
15	चान्हो	चान्हो प्रखण्ड के नवडीह में कलाम के घर से आदिवासी मुहल्ला तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	17,39,700.00	37,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप
16	लापुंग	लापुंग प्रखण्ड के ग्राम गाड़ी में मांझ टोली से टंगराटोला तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	27,23,400.00	55,000/-	5000/-	तीन माह	कार्य के अनुरूप

नोट :
1- Tender Fee, अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत, पैन, GST Certificate, Up To date GST Return Certificate तथा निबंधन प्रमाण पत्र की स्वअभि प्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र (BOQ) निर्गत किया जायेगा।
2. निविदा दाता पथ निर्माण विभाग झारखण्ड रांची के संकल्प सं0 प0नि0वि0/विविध 06–33/2007 (अंश – 1) 2146 (S) दिनांक 09.09.2020 के अनुसार Performance Security उपलब्ध करायें।

कार्यपालक अभियंता
एन0आर0ई0पी0 – 1, रांची

PR 331956 NREP (24-25)_D

व्यवहार न्यायालय, रामगढ़
विज्ञापन संख्या– 01/2024 दिनांक– 06.08.2024

1. व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से विहित पत्र में **स्वहस्तलिखित आवेदन** आमंत्रित किये जाते हैं।
2. रिक्तियों की विवरणी निम्नांकित है :–

क्रम संख्या	पदनाम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	पिछड़ा वर्ग	अत्यंत पिछड़ा वर्ग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	कुल रिक्त पद
		रिक्त पदों की संख्या (श्रेणी अनुसार)						
1.	चालक	01						01
2.	आदेशपाल	01	–	01	–	–	–	02

3. शैक्षणिक योग्यता एवं वेतनमान :– पदों की शैक्षणिक योग्यता एवं वेतनमान निम्न है :–

क्रम संख्या	पदनाम	वेतनमान	योग्यता	भर्ती का तरीका
1.	चालक (ग्रुप–सी)	19900–63200 लेवल–2	दसवीं (मैट्रीक) उत्तीर्ण या समकक्ष तथा LMV का लाइसेन्स धारक	ड्राईविंग रूल के अनुसार स्क्रीनिंग टेस्ट
2	आदेशपाल (ग्रुप डी)	18000–56900 लेवल 1	दसवीं (मैट्रीक) उत्तीर्ण या समकक्ष	स्क्रीनिंग टेस्ट एवं साक्षात्कार

4. उम्मीदवार भारत का नागरिक हो, मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ हो, नैतिक चरित्र अच्छा हो एवं किसी आपराधिक आचरण वाले किसी मामले में वांछित या सजा याफ्ता न हो तथा विवाहित होने की स्थिति में उनका एक से अधिक जीवित पत्नी/पति न हो।
5. अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग (PwBD) हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा मान्य एवं निर्धारित अद्यतन आरक्षण नियम लागू होंगे। आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्र सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत होना चाहिए।
6. सरकारी नियमानुसार पद आरक्षित हैं। महिला, दिव्यांग एवं खेल–कूद कोटा के सन्दर्भ में नियमानुसार पदों पर क्षैतिज आरक्षण का लाभ मान्य होगा।
7. उपरोक्त पदों पर उम्मीदवारों की उम्र सीमा दिनांक 06-09.2024 को कम से कम 18 वर्ष तथा सामान्य जाति के लिए अधिकतम 35 वर्ष, महिलाओं के लिए अधिकतम 38 वर्ष एवं अनुसूचित जनजाति (पुरुष/महिला) के लिए अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए (उम्मीदवारों की उम्र सीमा एवं आरक्षण की सुविधा झारखण्ड राज्य द्वारा निर्धारित नियमावली के अनुसार होगी तथा आवेदक की सेवा शर्त व्यवहार न्यायालय नियमावली के अनुसार होगी)।
8. अपनी उम्र, शैक्षणिक तथा वांछित योग्यता से सम्बंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति एवं आरक्षित वर्ग के आवेदक आरक्षण से सम्बंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति आवेदन के साथ अवश्य संलग्न करें।
9. उम्मीदवार अपना स्वहस्तलिखित आवेदन पत्र एवं प्रवेश पत्र देवनागरी लिपि में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़ को सम्बोधित करते हुए विहित प्रारूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 06-09.2024 तक स्वयं या निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा कार्य दिवस को प्रातः 10:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक जमा कर सकते हैं उपरोक्त तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
10. आवेदक, आवेदन पत्र के साथ 3 अद्यतन पासपोर्ट साइज का फोटोग्राफ संलग्न करें, जिसमें एक आवेदन पत्र पर, दूसरा प्रवेश पत्र पर सटा रहना चाहिए एवं तीसरा अतिरिक्त होगा। स्व पता लिखा लिफाफा 25 से.मि. X 11 से.मि. (प्रवेश पत्र पर निर्गत करने हेतु) जिसपर 40/– रूपये का डाक टिकट सटा हुआ हो, आवेदन पत्र के साथ संलग्न हो।
11. महत्वपूर्ण निर्देश :–
I. आवेदन पत्र के प्रपत्र क एवं ख के प्रारूप को पृथक पन्नों में आवेदन के साथ संलग्न करें। प्रपत्र क के प्रारूप को हिंदी में भरें जो स्वहस्तलिखित एवं स्वहस्ताक्षरित हो। आवेदक प्रपत्र ख को स्वहस्तलिखित प्रति में आवेदन के साथ संलग्न करें। प्रपत्र ख की कंडिका 4 एवं 5 को छोड़कर अन्य कण्डिकाएँ आवेदक स्वयं भरें। आवेदन पत्र का प्रारूप व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ की वेबसाइट https://ramgarh.dcourts.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है।
II. आवेदकों को व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक वांछित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
III. उम्मीदवार एक आवेदन पत्र पर केवल एक ही पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।
IV. उपरोक्त वांछित सूचनाएँ किसी प्रकार से अपूर्ण होने पर अथवा वांछित प्रमाण पत्र संलग्न नहीं रहने पर उम्मीदवार का आवेदन किसी भी समय रद्द कर दिया जायेगा और तत्सम्बन्धी किसी भी प्रकार का पत्राचार अमान्य होगा। आवेदक का प्रवेश पत्र, जिसमें परीक्षा/साक्षात्कार का स्थान एवं तिथि अंकित होगी, उनके दर्शाये गए पते पर डाक द्वारा भेजा जायेगा।
V. उम्मीदवार द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया को किसी भी रूप से प्रभावित करने के प्रयास को उनकी अयोग्यता मानते हुए उनकी अभ्यर्थिता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जायेगी।
VI. लिफाफे के ऊपर विज्ञापन संख्या, आवेदित पद का नाम एवं श्रेणी बड़े–बड़े एवं साफ अक्षरों में लिखा जाना आवश्यक है।
VII. वर्तमान विज्ञापन में किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा निरस्तीकरण का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा।
VIII. परीक्षा/साक्षात्कार के लिए बुलाये जाने पर कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।
IX. उपरोक्त पदों की संख्या घट बढ़ सकती है।
X. आवेदन भेजने का पता (निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट या हाथों हाथ)
सेवा में,
प्रभारी न्यायाधीश,व्यवहार न्यायालय,
छत्तरमाण्डू, रामगढ़, झारखण्ड। पिन– 825101

ह०/–
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
व्यवहार न्यायालय, रामगढ़

PR 332055 District(24-25)#D

विश्व युद्ध का अंदेशा और बांग्लादेश में सेना का तख्ता पलट

डॉ हिदायत अहमद खान

सेना प्रमुख जिस विश्वास के साथ कह रहे हैं कि देश में इस समय कर्फ्यू या आपातकाल लगाने की आवश्यक्ता नहीं है। रातों-रात समस्या का समाधान निकालने की बात भी की जा रही है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं यह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पदच्युत करने की साजिश का हिस्सा तो नहीं था, जिसमें पूरी सरकार ही फंस गई। इतिहास दोहराने जैसा काम भी यह लगता है।

पिछले कुछ समय से दुनियां के शक्तिशाली देशों के हालात सही नहीं चल रहे हैं। विकसित ही क्यों विकासशील छोटे-छोटे देशों का हाल भी बुरा है। इसे आर्थिकमंदी से जोड़कर देखा जा रहा है। जनसंख्या बढ़ रही है, रोजगार कम हो रहे हैं और मंदी के चलते महंगाई चरम पर है। इस पर विकट समस्या यह है कि अधिकांश देश अपने पड़ोसी देश को दुश्मन देश मानकर हमले करने पर उतारु दिख रहे हैं। पड़ोसी देश एक-दूसरे से या तो लड़ रहे हैं या फिर लड़ने को आतुर नजर आ रहे हैं। बात कुछ भी न हो, तब भी तनातनी का माहौल बराबर बना हुआ है। यहां देखा जा सकता है कि एक तरफ रुस और यूक्रेन भिड़े हुए हैं। दूसरी तरफ हमास के हमले के बाद इजराइल अमेरिका की मेहरबानी से गाजा में फिलस्तीन से लेकर तमाम पडोसी मुल्कों से भिड़ने का दंभ भरे हुए है। हमास चीफ हानिया को ईरान में साजिशन हत्या कराए जाने के बाद मामला और बिगड़ चुका है। दुश्मनों से घिरे इजराइल को ढांढस बंधाने का काम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडन कर तो रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी भी तो परेशानियां हैं, क्योंकि जिस तरह से अमेरिका ने यूक्रेन को उकसाने का काम किया वैसे ही रुस भी अमेरिका के खिलाफ उत्तर कोरिया को इस संकट वाली स्थिति में खड़ा कर सकता है। ऐसा इसलिए भी कहना उचित होगा, क्योंकि उत्तर कोरिया के प्रमुख नेता किम जोंग उन ने अपनी फ्रंट लाइन आर्मी यूनिट को 250 परमाणु सक्षम मिसाइल लांचर तैनात करने के लिए उपलब्ध करा दिए हैं। यही नहीं किम जोंग उन ने तो अमेरिकी खतरे का मुकाबला करने के लिए सेना को परमाणु क्षमताओं को और बढ़ाने का संदेश देते हुए तैयार रहने को भी कह ही दिया। इस प्रकार उत्तर कोरिया का परमाणु हथियारों पर जोर देने का मकसद दक्षिण कोरियाई सीमा पर सेना को मजबूत करना तो बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में देखा जाए तो अमेरिका को आंख दिखाने जैसा यह काम किया गया है। इनकी तैनाती बताती है कि दक्षिण कोरिया के साथ ही अमेरिका की राहें भी अब मुश्किल होने वाली हैं। यदि इजराइल की नेतन्याहू सरकार के बचाव में अमेरिका कदम आगे बढ़ाता है तो एक महायुद्ध का बिगुल भी बज जाएगा। इससे महज गाजा और आसपास के देश ही नहीं बल्कि अन्य देशों पर भी संकट के बादल छा जाएंगे। अनेक देश तब युद्धभूमि का हिस्सा होने के तौर पर चिहिन्त किए जाएंगे। ऐसे में अमेरिका को उसके अपने घर में चुनौती देने वाली ताकतें भी फिर चुप न बैठेंगी। बहरहाल यहां हम बात बांग्लादेश के सैन्य तख्ता पलट कर करने जा रहे हैं, जहां छात्र आंदोलन ने हिंसक

रुप लेकर सब कुछ तहस-नहस करने जैसा कर दिखाया है।

ऐसे माहौल में जब हम अपनी नजरें भारत और उसके तमाम पड़ोसी मुल्कों के हालात पर डालते हैं तो पाते हैं कि यहां पर भी कोई बेहतर स्थिति नहीं है। सभी अपनी घरेलु समस्याओं में उलझे हुए हैं। आर्थिक और राजनीतिक हालात भी बेहतर नहीं कहे जा सकते हैं। पाकिस्तान में तो मौजूदा सरकार की स्थिरता को लेकर ही शंकाएं विद्यमान हैं। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी को लेकर पाकिस्तान की राजनीति आज तक गर्माई हुई है। ऐसे में बलूच मामले ने भी तूल पकड़ा हुआ है। बलूच समर्थक लोग तो पुलिस व सेना से दो-दो हाथ करने को आतुर दिखते हैं। यह मामला अभी चल ही रहा था कि बांग्लादेश से सेना का तख्ता पलट की अचानक अर्चोभित करने वाली खबर भी आ गई है। बांग्लादेश में आरक्षण की आग जंगल में लगी आग साबित हुई है। इस मामले को लेकर हिंसक प्रदर्शन, मौतों के बढ़ते आंकड़े और इसी बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का अपने पद से इस्तीफा दे देना। पूर्व नियोजित तो कदापी नहीं था, लेकिन देश के हालात इस कदर बिगड़े कि शेख हसीना को देश ही छोड़ देना पड़ा है। अब सेना ने देश की कमान संभाल ली है, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं कि बहुत जल्द बांग्लादेश के हालात सुधरने जा रहे हैं। इस पूरे मामले में जमात-ए-इस्लामी को बैन करना भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक तौर पर एक शक्तिशाली संगठन होने के नाते देश की राजनीतक शतरंज में जमात-ए-इस्लामी के लीडरों का रोल अहम माना जा रहा है। ऐसे में शेख हसीना का बतौर प्रधानमंत्री वाला अध्याय भले ही क्लोज हो गया हो, लेकिन देश में सेना के इशारे पर अंतरिम सरकार कौन चलाएगा और किन मुद्दों पर किस तरह से फैसला लिया जाएगा, अभी इस पर बराबर सवाल उठते रहेंगे और जवाब के लिए समय का इंतजार करना होगा।

इन तमाम सवालों से पहले बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटित हुआ उसमें प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्?तीफा दिया। सेना की मदद से ही शेख हसीना अपनी छोटी बहन शेख रेहाना के साथ ढाका से सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिए भारत पहुंचीं और यहां से वो लंदन रवाना होने के लिए प्रवासरत हैं। यह पहला अवसर नहीं है कि शेख हसीना को भारत में शरण लेनी पड़ी है, बल्कि इससे पहले 1975 में भी उन्होंने अपनी बहन के साथ भारत का रुख किया था। तब भारत में इंदिरा गांधी की सरकार थी जिसने उन्हें राजनीतिक शरण देने का काम किया था। तब शेख हसीना करीब 6 साल भारत में गुजारे थे। दरअसल 15 अगस्त 1975 को शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की उनके निवास पर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। यह वह काला दिन था जबकि शेख हसीना के परिवार के करीब 17 लोगों की हत्या की गई थी। इस खूनी हमले से शेख हसीना और उनकी बहन इसलिए बच गईं थीं क्योंकि उस समय वो जर्मनी में थीं।

बहरहाल बांग्लादेश के एक बार फिर हालात बिगड़े हैं और इसी बीच बांग्लादेश के सेना प्रमुख वेकर उज जमान ने ऐलान किया है कि सेना ने देश की कमान संभाल ली है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत का रास्ता खुले होने की बात कही है। सेना प्रमुख हर मसले का हल बातचीत से निकालने का आव्हान भी करते दिखते हैं। वो कहते हैं कि इस हिंसा और विरोध प्रदर्शन से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। उन्होंने अराजकता खत्म कर, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की बात भी कही। बहरहाल राजनीतिक पकड़ मजबूत करने देश को संभालने और लोगों का विश्वास जीतने उन्होंने राष्ट्रपति से चर्चा कर एक अंतरिम सरकार बनाए जाने का भी ऐलान कर दिया है। इसी बीच बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया, जिससे राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आए हैं।

यह समझने वाली बात है कि सेना प्रमुख जिस विश्वास के साथ कह रहे हैं कि देश में इस समय कर्फ्यू या आपातकाल लगाने की आवश्यक्ता नहीं है। रातों-रात समस्या का समाधान निकालने की बात भी की जा रही है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं यह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पदच्युत करने की साजिश का हिस्सा तो नहीं था, जिसमें पूरी सरकार ही फंस गई। इतिहास दोहराने जैसा काम भी यह लगता है। बहरहाल प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने पद से इस्तीफा दे चुकीं है और अंतरिम सरकार बहुत जल्द बना ली जाएगी। ऐसे में कामना की जा सकती है कि बांग्लादेश के हालात बहुत जल्द सामान्य हो जाएंगे, जो कि पड़ोसी देश के लिए भी सही ही होंगे। क्योंकि पड़ोसी मुल्क की आग सीमा पार कब कर जाए कहा नहीं जा सकता है। ऐसे में हालात पर नजर रखते हुए सतर्क रहने की आवश्यकता भी है। भारत सरकार ने सीमा पर इसका पुख्ता इंतजाम कर रखा है। इसलिए ज्यादा चिंता की बात तो नहीं है, लेकिन घुसपैठियों से निपटना वाकई एक बड़ी समस्या है, क्योंकि जब संकट में फंसे लोग जान बचाने देश छोड़ सीमा पार करते हैं तो इनकी आड़ में बड़ी संख्या में आतंकवादी भी बॉर्डर क्रॉस कर उत्पात मचाने से बाज नहीं आते हैं। यह भारत के साथ पाकिस्तान बनने से लेकर अब तक की सबसे बड़ी समस्या रही है। इस पर नकेल कसने के लिए सीमाओं पर बारीक नजर रखने और जवानों की और तैनाती करने की यदि आवश्यकता आन पड़ती है तो वह भारत सरकार को करना होगा। चूंकि अभी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने फिर से सिर उठाया हुआ है, ऐसे में बांग्लादेश की समस्या भारत के लिए भी मुसीबत साबित हो सकती है। इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यहां कहना गलत न होगा कि भारत दुनियां का एकमात्र विश्वबंधुत्व के साथ सर्वेभवन्तु सुखिनः का मंत्र फूंकने वाला देश है, जिसके प्रयासों से विश्वयुद्ध की आंशकाओं को टाला भी जा सकता है। संभवतः यही वजह है कि दुनियां के तमाम देशों की नजरें इस समय भारत पर टिकी हुई हैं।

संपादकीय

घटेगी वक्फ की ताकत

वक्फ बोर्ड की ताकत घटाने और उसे नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन का केंद्र सरकार का फैसला साहस भरा कदम है। निकट भविष्य में वक्फ बोर्ड, पहले की तरह किसी भी संपत्ति को स्वेच्छा से अपनी संपत्ति नहीं घोषित कर पाएंगे। कैबिनेट ने 40 संशोधन को मंजूरी दी है। साफ है सरकार वक्फ बोर्ड, की मनमानी पर सख्ती के मूड़ में है। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस फैसले पर सियासी तनातनी और सरगर्मी भी तय है। कई मुस्लिम संगठन सिफारिश के विरोध में आ गए हैं। असदुद्दीन ओवैसी का तर्क है कि सरकार वक्फ बोर्ड, की स्वायत्तता छीनना चाहती है, जो धर्म की आजादी के खिलाफ है। यही वजह है कि इसमें सियासी बढ़त के लिए संशोधन पेश करने से पहले भाजपा अपने सहयोगियों को साधने में जुट गई है। इसके लिए उसे जोर-आजमाइश ज्यादा करनी होगी। गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड अधिनियन 1954 में पारित हुआ था। इसके बाद इस अधिनियम में समय के अनुसार कई संशोधन किए गए। नरसिम्हा राव सरकार ने वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दी थी। लाजिमी है कि कांग्रेस के साथ उसके सहयोगी पार्टियां सरकार के इस प्रस्ताव से इत्तेफाक नहीं रखती। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास 8,65,644 अचल संपत्तियां हैं। अल्पसंख्यक मंत्रालय ने दिसम्बर 2022 में इसके बारे में लोक सभा में जानकारी दी थी। कहा जाता है कि रेलवे और सेना के बाद देश में संपत्ति के मामले में वक्फ तीसरा सबसे बड़ा संपत्ति मालिक है। हालांकि, सबसे अधिक विवाद वक्फ के अधिकारों को लेकर है। क्योंकि वक्फ एक्ट के सेक्शन 85 में इस बात पर जोर दिया गया है कि बोर्ड के फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। वक्फ बोर्ड, निरंकुश हो गया और इसकी कार्यशैली पर लगाम लगाने की महती जरूरत भी है। दरअसल, वक्फ का निर्माण पिछड़े मुसलमानों के उत्थान के लिए किया गया था, लेकिन इसका सही से उपयोग नहीं किया गया, बल्कि दुरु पयोग ज्यादा किया गया। वक्फ की अरबों की संपत्ति अवैध रूप से कुछ लोगों के कब्जे में हैं, महिलाओं की भागीदारी इसमें न के बराबर है। इन सारी अनियमितताओं पर अगर सरकार ईमानदारी से काम करना चाहती है तो उसके फैसले को समर्थन देने में किसी को गुरेज नहीं होनी चाहिए। सांप्रदायिक नफा-नुकसान के तराजू पर तौलने से पहले सभी राजनीतिक दलों को हफ्ते भर बाद संसद में पेश किए जाने का इंतजार करना चाहिए। हां, बिना-वजह बयानबाजी कर माहौल खराब करने से हर किसी को बचने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

'थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे।

माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे। इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है।

उमंग व उल्लास का पर्व है तीज

रमेश सर्राफ धमोरा

श्रावण में वर्षात के मौसम में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूड़ियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूड़ियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण शृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्धारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है।

उत्तराखंडः आवाजाही से बढ़ रही तबाही

सुरेश भाई

इस बार जितनी देर से बारिश शुरू हुई है। उतनी ही जल्दी आपदा आ गई है। जुलाई के अंतिम सप्ताह से चारधाम की सड़कें ध्वस्त होने लगी है। आवागमन के पैदल रास्ते भी नदी में समा रहे हैं। जहां-जहां मनुष्य के कदम पड़ रहे हैं वहां धरती इतनी संवेदनशील बन गई कि अब उसे कोई नहीं बचा सकता है। ध्यान रहे कि चारधाम बरसात में सुरक्षित नहीं है।

सुरक्षा के नाम पर जितनी भी घोषणाएं करें वह मौसम के सामने बौनी पड़ रही है। यहां हर साल आपदा की भवावहता बढ़ती ही जा रही है। केदारनाथ आपदा की तरह ही मंदाकिनी नदी में इस बार फिर से जल प्रलय जैसा रूप लोगों ने देखा है। स्थिति इतनी विकराल बन गई कि 2 अगस्त तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर फंसे लगभग 4000 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया, जिसमें से लगभग 700 यात्रियों को हेली सेवा से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। मंदाकिनी नदी में जल स्तर बढ़ने से पैदल मार्ग पर रामवाड़ा में दो पुल और भीम बली में 25 मीटर रास्ता क्षतिग्रस्त होकर बह गया था, जहां से केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को मुश्किल से बचाया जा सका है। पैदल मार्ग पर फंसे यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। यदि पहले मौसम के अलर्ट की सूचना पर ऋषिकेश में ही यात्रियों को जाने से रोक देते तो समय और खर्च दोनों भी रोका जा सकता था। उत्तराखंड और हिमाचल में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 16 लोग उत्तराखंड में मलबे में दबकर मरे हैं। हिमाचल में 6 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 53 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अब तक वहां पर 300 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। 2023 की आपदा में भी हिमाचल में 10,000 करोड़ का नुकसान हुआ था और लगभग 500 लोग मारे गए थे। इस बार अभी तक यहां दो पावर प्रोजेक्ट ध्वस्त हो गए हैं, जिसके कारण दर्जनों लोग लापता है। आपदा की यह जानलेवा घटना कुल्लू, मंडी और रामपुर में अधिक हुई है। हिमाचल की 445 सड़कें यातायात के लिए ठप पड़ी है। जिसको खोलने के लिए राज्य सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में बाहर से आने वाले पर्यटकों ने आपदा की स्थिति को देखकर अपनी बुकिंग कैंसिल की है, जिसके कारण पर्यटन कारोबार पिछले वर्ष की तरह प्रभावित हो गया है। कुल्लू-शिमला की सीमा पर समेज खड में आई बाढ़ में लगभग 36 से ज्यादा मकान बह गए हैं। यहां ६ बच्चों समेत 36 लोग भी लापता हैं। 7 घंटे में सामान्य से 305 मिलीमीटर ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। लगभग 7 पुल बह गए हैं। सतलुज और ब्यास नदियों का जलस्तर खतरे के करीब पहुंचने लगा है। यहां पर श्रीखंड महादेव मार्ग पर करीब 250 लोग फंसे रहे। चिंता की बात यह है कि हिमाचल प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाएं सबसे अधिक विनाश का कारण बन रही हैं। 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी 24 जल विद्युत परियोजनाओं ने मंदाकिनी और अलकनंदा घाटी का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित किया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। इसकी पुनरावृत्ति फिर से देखी जा रही है। जिला टिहरी गढ़वाल में बालगंगा और धर्मगंगा पर 26-27 जुलाई की भीषण बाढ़ ने जो विनाश लीला सामने लाई है; उसने केदारनाथ आपदा की याद ताजा की है। यहां पर तीर्थ यात्रियों के लिए प्रसिद्ध बूढ़ा केदारनाथ का मंदिर भी है, जिसके दोनों तरफ ये नदी बहती है। यहां 20 किमी के क्षेत्र में नदी तटों पर निर्माण कार्यों से एकत्रित मलवे के बहने से पैदा हुए भीषण जल प्रलय से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि नष्ट हुई है। लोगों के होटल, मकान, गौशालाएं नदी में समा गए। यहां पर बड़े बांध के विकल्प के रूप में 50 किलोवाट की एक छोटी पण बिजली बनाई गई थी, जो पूरी तरह मलबे में दब गई है। इससे आगे भी तीन मेगावाट की एक लघु जल विद्युत भी ध्वस्त हो गई हैं। क्षेत्र के एक दर्जन पुल जर्जर हो चुके हैं। तिनगढ़ गांव के परिवारों के घरों में मलवा जमा हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बाढ़ पीड़ितों से मिल रहे हैं और राहत और पुनर्वास का आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन इन नदियों के दोनों तरफ लोग पूर्व में आपदा से प्रभावित हुए श्रीनगर, उत्तरकाशी और केदारनाथ की तर्ज पर पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं क्योंकि यहां हालात बहुत चिंताजनक हैं।

एक नजर

बिना फिंगर प्रिंट के ही खाते से सीएसपी ने की 90 हजार की फर्जी निकासी

बरहेट : थाना क्षेत्र के खेरवा गांव के एक शिक्षक के खाते से 90 हजार रुपए बिना फिंगर प्रिंट से सीएसपी संचालक द्वारा अवैध रूप से पैसा निकालने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार खेरवा गांव के शिक्षक अरुणा मरांडी, पिता मांझी मरांडी बताया जा रहा है। जानकारी देते हुए बताया कि मेरा खाता संख्या 118117718189 से बिना फिंगर प्रिंट से 90 हजार रुपए का अवैध रूप से निकासी सीएसपी संचालक द्वारा कर ली गई है। गोड्डा जिला के मेहरमा प्रखंड अंतर्गत डोई गांव के विशाल कुमार सीएसपी कोड संख्या 1ए850473 द्वारा अवैध निकासी कर ली गई है। आवेदन के अनुसार 1,2, अगस्त को पांच पांच हजार रुपए, तीन चार अगस्त को 30-30 हजार रुपए, पांच अगस्त को 20 हजार रूपए अलग-अलग तिथियो में निकाली गई है। जब खाते से अवैध रूप से निकला हुआ पैसा मोबाइल में मैसेज के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली, तत्पश्चात बैंक पहुंचकर खाते का स्टेटमेंट निकाला। वही सीएसपी संचालक द्वारा बिना फिंगर प्रिंट से खाते से अवैध रूप से पैसा निकासी को लेकर बरहेट थाना में लिखित सूचना से अवगत कराया। इस संबंध में थाना प्रभारी पवन कुमार ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ है, मामले की छानबीन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक बाल श्रमिक को कराया गया मुक्त

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाल श्रम इंस्पेक्टर ग्रीस चंद्र के नेतृत्व में मंथन संस्था एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के सहयोग से सदर प्रखंड अंतर्गत एक बाल श्रमिक बच्चे को श्रम मुक्त कराया गया। मंगलवार को धावा दल टीम गठित कर साहिबगंज के पश्चिमी फाटक के समीप छापेमारी अभियान चलाया गया। उसी दौरान मुख पथ पर मौजूद जसीम गेराज में मोटरसाइकिल रिपेरिंग करते एक बाल श्रमिक को जिरवाबाड़ी पुलिस की मदत से पकड़ा गया। गैराज वाले ने ढाबा दल टीम को देखकर भागने का कोशिश किया लेकिन वह असफल रहे। जिसके बाद रेस्क्यू किए गए सभी बच्चे को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस ने छापामारी कर मोबाइल चोर सरगना को पकड़ा

तालझारी : थाना क्षेत्र अंतर्गत कांड संख्या- 52/24 दिनांक - 06 अगस्त 2024 धारा 317(5)/3(5) बीएनएस के अंतर्गत राजा अंसारी उर्फ सोहेल पिता- सिकंदर अंसारी, रेहान, मोड्ड अजहरूद्दीन चिकना तीनों ग्राम-तीनपहाड़ नीचे टोला, बादल ग्राम- महाराजपुर के विरोध कांड दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव साहिबगंज से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर 05 अगस्त 2024 को रात्रि 9:30 बजे दूधकोल पुलिया के पास राजा अंसारी को स्कूटी में चोरी का मोबाइल के साथ पकड़ा गया। वहीं रेहान अंसारी भागने में सफल हो गया।

दिल्ली से पुलिस ने नाबालिग को किया बरामद

साहेबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत आवेदक झबरा पहाड़िया के द्वारा पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव साहेबगंज को एक आवेदन समर्पित किया गया, जिसमें की 08 वर्षीय नाबालिक बेटे को बहला फुसलाकर दिल्ली काम कराने ले गया,जो की 10 साल से घर नहीं आया था। इस संदर्भ में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार बरहेट थाना प्रभारी के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दिल्ली, हरियाणा पुलिस एवं एनजीओ की मदद से बच्चे को दिल्ली से बरामद किया गया एवं आगे की करवाई की जा रही है।

परिवहन पदाधिकारी ने चलाया वाहन जांच अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तालझारी: थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्य मार्ग पर अत्यधिक सड़क दुर्घटना को देखते हुए जिला परिवहन विभाग पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप के द्वारा मंगलवार को शहिद चौक में वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान एक जेसीबी, बिना नंबर का ई रिक्शा के साथ दर्जनों मोटरसाइकिल की हुई जांच किया गया। मोटरसाइकिल चालक एवं चार चक्का वाहन के जांच के क्रम में नंबर प्लेट, हैल्मैट, लाईसेंस, सीटबेल्ट एवं कागजातों की जांच की गई। सड़क सुरक्षा सदस्य प्रजापति प्रकाश बाबा के द्वारा दर्जनों कांवरिया मोटरसाइकिल चालक एवं चार चक्का वाहन चालक को परिवहन विभाग के नीयमों की जानकारी देते हुए धीमी गति से चलने की सलाह दिया गया। वहीं डीटीओ ने बताया कि दर्जनों वाहन की जांच की गई। जांच के दौरान बंगाल नंबर के एक जेसीबी डब्लू बी 49 एस 0417, बिना पेपर एवं ड्राइविंग लाइसेंस का एक ई रिक्शा एवं तीन मोटरसाइकिल को पकड़ा गया। तीनों मोटरसाइकिल का एक-एक हजार रुपए का चालान काटकर छोड़ दिया गया। वही जेसीबी और ई-रिक्शा का पेपर नहीं रहने के कारण तालझारी थाना के जिम्मे दे दिया गया। जांच अभियान में परिवहन विभाग के अनुज प्रसार, राजहंस एवं तालझारी थाना के पदाधिकारी व पुलिस बल उपस्थित थे।

चोरी का सामान ले जा रहे पिकअप वाहन को पुलिस ने किया जब्त

उधवा : मंगलवार को राधानगर थाना पुलिस ने संदेह पर कबाड़ लोड एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। पुलिस सूत्रों की माने तो अवैध रूप से कबाड़ के आड़ में चोरी की सामान ले जा रहा था। राधानगर थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी से वाहन को जब्त कर थाना लाकर छानबीन कर रहा है। जानकारी के अनुसार पिकअप वैन संख्या डब्ल्यू.बी 59 डी 1005 में कबाड़ी का माल लादकर उधवा से सिरासिन की ओर जा रहा था। राधानगर पुलिस को गुप्त सूचना मिला था कि पिकअप वाहन में कबाड़ के आर में चोरी की समान ले जाया जा रहा है,त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने उक्त वाहन का पीछा करते हुए कटहलबाड़ी मोड़ के पास वाहन को रोककर आवश्यक पूछताछ की। हालांकि वाहन चालक के द्वारा कागजात नही दिखा सका,इसके बाद पुलिस ने उक्त वाहन को जब्त कर थाना लाया। सूत्रों की माने तो उक्त कबाड़ दुकान का मालिक राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर स्थित सद्दाम शेख का है।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी हाई स्कूल के एसएमसी अध्यक्ष बने वीरेन चंद्र महतो

पटमदा : स्कूली शिक्षा एवम साक्षरता विभाग के अधिसूचना के आधार पर मंगलवार को आदिवासी उच्च विद्यालय बोड़ाम में एसएमसी कमिटी का पुनर्गठन प्रयवेक्षक भोलानाथ महतो की उपस्थित में संपन्न हुआ। बैठक में प्रवेक्षक की उपस्थिति में चुनावी प्रक्रिया के दौरान अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद का चुनाव करवाया गया। जिसमे विरेंद्र चंद्र महतो और मिहिर कुमार महतो ने अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश की।जिसमे मतदान प्रक्रिया में विरेंद्र चंद्र महतो को आठ जबकि मिहिर कुमार महतो को चार वोट प्राप्त हुए।सभी सदस्यों की उपस्थिति में एसएमसी का अध्यक्ष वीरेन चंद्र महतो और उपाध्यक्ष सुनीता मोदक को चुना गया।वही सचिव प्रधानाचार्य मजनू अंसारी बने। वही एसएमसी सदस्यो में सुतापा बाउरी, मालोती प्रमाणिक,आशालता माहली,असरफ अंसारी,बबलू स्वर्णकार,मानिक षाडंगी,हरेंद्र नाथ महतो,आशुतोष महतो,स्वपन प्रमाणिक,मिहिर कुमार महतो,जगदीश चंद्र महतो,सुशांत नंदी,संजीत कुमार दास,राधेश्याम सिंह सरदार, रिंकी प्रमाणिक,सुधाकर महतो,पंसस परमेश्वर महतो, बनमाली बनर्जीआदि उपस्थित थे।

आजसू नेता हरेलाल महतो ने करवाया चापाकल की मरम्मती

कुकडू : कुकडू प्रखंड क्षेत्र के लेटेमदा पंचायत अंतर्गत कुलटांड़ गांव में मछुआ बस्ती में बीते कोई महीनों से चापाकल खराब था। गांव वालों ने चापाकल खराब होने की सूचना आजसू पार्टी कुकडू प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार महतो को दिया। सूचना मिलते ही उन्होंने इसकी जानकारी आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह समाजसेवी श्री हरेलाल महतो जी को दिया। उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए हुए मिस्त्री बुलवा कर चापाकल की मरम्मती करवाया। गांव वालों ने समाजसेवी श्री हरेलाल महतो का आभार जताया। मौके पर कुकडू प्रखंड अध्यक्ष अरुण महतो, लेटेमदा पंचायत प्रभारी बुद्धेश्वर महतो, लेटेमदा पंचायत अध्यक्ष मथुर महतो, रितु कुमार, उदय प्रामाणिक, प्रकाश कुमार, रतन प्रामाणिक एवं बिरिंची प्रामाणिक आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य केंद्र में एक युवती ने तीन बच्चों को दिया जन्म

ईचागढ़ : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के चावलीबासा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रसव गृह में आज सुबह एक युवती ने एक साथ तीन बेटियों को जन्म दिया. प्रसव के बाद मां और तीनों बेटियां स्वस्थ हैं । एक साथ तीन बच्ची का जन्म चावलीबासा प्रसव गृह में पहली बार हुआ है। एक साथ तीन बेटियों को जन्म देने वाला दंपत्ती ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के बांदु गांव के रहने वाले हैं। सूत्र के अनुसार बांदु गांव के छोटू महतो की गर्भवती पत्नी 18 से 19 वर्षीय खुशबू को मंगलवार की सुबह प्रसव पीड़ा शुरू हुई । उसे सुबह लगभग 8 से 9 बजे चौका चावलीबासा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रसव गृह पहुंचाया गया । यहां पहुंचने के बाद खुशबु सरदार ने सुबह लगभग 8:55 पहली बेटी को जन्म दिया. इसके बाद 8:56 में दूसरी और 9:00 बजे तीसरे बेटी को जन्म दिया. जन्म के बाद तीनों बेटियों का वजन एक-एक किलो था । महिला का प्रसव एएनएम रेखा कुमारी ने कराया. सुरक्षित प्रसव के बाद सभी को चावलीबासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से बेहतर स्वास्थ्य जांच के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया गया है.चावलीबासा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में औसतन तीन प्रसव रोजाना होता है. यहां चिकित्सक के बगैर एएनएम सफलता पूर्वक प्रसव कराती है. चावलीबासा प्रसव गृह में मात्र दो एएनएम पदस्थापित हैं. 24 घंटे खुले रहने वाले अस्पताल में एएनएम रोस्टर के हिसाब से अपनी ड्यूटी करती हैं. किसी प्रकार का जटिल मामला पहुंचने पर उसे सीधे एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया जाता है. प्रसव गृह में एम्बुलेंस की सुविधा है, जिसका लाभ मरीजों को मिलता है। वैसे चौका चावलीबासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो महिला चिकित्सक पदस्थापित हैं. इनमें एक आयुष की चिकित्सक हैं. अस्पताल में दिन के समय दोनों में से कोई एक चिकित्सक मरीजों का इलाज करती हैं । हालांकि दोनों को तीन-तीन दिन प्रतिनियुक्ति पर दूसरे स्थान पर अपनी सेवा देनी पड़ती है. अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सक डॉ अनिता गोंझू सप्ताह में तीन दिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरुलडीह में सेवा देती हैं, जबकि आयुष की डॉ विल्किस परवीन तीन दिन कपाली शहरी स्वास्थ्य केंद्र में अपनी सेवा देती हैं।

हाथियों से बचाव के लिए सुखराम हेम्ब्रम ने बांटा टॉर्च और पटाखा

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के कुकडू प्रखण्ड में आये दिन हाथियो के झुंड ने गांव में उत्पाद मचाते हैं ,साथ ही गांव के गरीब किसान की घरों को टारगेट करके रखे अनाज को अपना निवाला बनाते है । कई लोग की मौत भी हो गयी तो कई घायल हो गये है। फिर भी यंहा के जनप्रतिनिधि और फोरेस्ट विभाग क्यों मौन है। जिसे देखते हुए चांडिल आज समाजसेवी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेंब्रम ओड़िया गांव के ग्रामीणों के बीच पटाखे टॉर्च लाईट का वितरण किया। हेंब्रम ने कहा इतना बड़ा चांडिल में दलमा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी जहां गज परियोजना के नाम से जाना जाता परंतु दुख की बाते है,सेंचुरी से गजों का झुंड पलायन करके ईचागढ़ विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखण्ड के छोटे बड़े जंगल और चांडिल डैम जलाश्य के किनारे में डेरा डाला हुआ है।

एसडीपीओ ने पुलिस पदाधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अनुमंडल कार्यालय स्थित एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में मंगलवार को सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की की अध्यक्षता में अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने व अपराध नियंत्रण संबंधी कई तरह के दिशा निर्देश दिए। वही उन्होंने असामाजिक तत्वों को चिन्हित करने, शांति व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने, रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने, गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करने, चौक चौराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों व बाजारों में मटरगस्ती करने वालों से सख्ती से निपटने, हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने, चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखने, थाना में लंबित कांडों का जल्द से जल्द निष्पादन करने, लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, शराब, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया। इस मौके पर प्रशिक्षु डीएसपी रूपक सिंह, सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय, मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि सिंह व अन्य थाना प्रभारी मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों के लिए लगा जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक प्रखण्डों में दिव्यांग बच्चों की जांच के लिए सरकार द्वारा विशेष जांच शिविर लगाया गया है। शिविर में वैसे बच्चे जो शारीरिक अथवा मानसिक रूप से दिव्यांग है उनका मेडिकल जांच करने के उपरांत दिव्यांगता का सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के लिए जिले के प्रत्येक प्रखण्डों में 3 अगस्त से लेकर 14 अगस्त तक विशेष चेकअप शिविर लगाया जा रहा है। जिसमें मेडिकल बोर्ड के द्वारा जाँच कर सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चिन्हित बच्चें जो दिव्यांग है उन्हें उनके अनुरूप सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने की अनुशंसा सरकार से की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने सभी स्टैक होल्डर और पारा विधिक स्वंय सेवकों को निर्देश दिया है की जिले का एक भी दिव्यांग जांच से वंचित नहीं रहना चाहिए। जिनके पास दिव्यांगता का सर्टिफिकेट नहीं है जिस कारण उन्हें सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है उन सभी बच्चों का सर्टिफिकेट बनने के बाद उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा की यह कैम्प दिव्यांग व्यक्तियों को सुविधा प्रदान करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने में मदद करेगा। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने जिले के आम नागरिकों से भी आग्रह किया है की ऐसे कोई भी दिव्यांग आपकी जानकारी में हों तो उन्हें नजदीक के दिव्यांग जाँच शिविर में पहुँचाने या पीएलवी को सूचित करें ताकि उनका दिव्यांग सर्टिफिकेट और सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

पुलिस ने चार आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला खरसावां जिला के वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश पर नीमडीह पुलिस ने मंगलवार को मोटरसाइकिल चोरी के तीन व मारपीट के एक आरोपित को जेल भेजा। घटना के संबंध में नीमडीह थाना प्रभारी मोहम्मद तांजिल खान ने बताया कि सोमवार को वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश अनुसार नीमडीह थाना गेट के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर एंटी क्राईम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान तीन मोटसाईकिल में सवार व्यक्तियों को रोका गया। रोकने के तुरंत बाद उक्त तीनों व्यक्ति बाईक छोड़कर भागने लगे। ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों के मदद से तीनो व्यक्तियों को खदेड़कर पकड़ा गया। तीनों से पुछताछ के क्रम में सभी ने बताया कि उक्त तीनों वाहन चोरी का है जिसे वे लोग आदित्यपुर, गम्हरिया व सरायकेला के भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र से चोरी किया है। वे लोग अपना नाम काण्ड्रा थाना के रतनपुर निवासी सुधीर मंडल उर्फ अण्डा उर्फ सुबीर उर्फ अजय, आदित्यपुर थाना के बेलडीह बस्ती निवासी अमित सरदार उर्फ धमना व चौका थाना के खूंटी कुरली निवासी जय प्रकाश लोहार उर्फ बाबला बताया। बरामद तीनों मोटरसाइकिल जब्त कर मंगलवार को तीनों आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना में गिरोह के अन्य सदस्यों के गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। एक अन्य घटना में आवेदक खितिस कुमार के पत्नी व उनके परिजनों को जान मारने के नियत से मारपीट करने के आरोप में नीमडीह थाना के आदरडीह गांव निवासी अभियुक्त मनोज कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। छपामारी दल में नीमडीह थाना प्रभारी मो0 तांजिल खान, एसआई बिनोद टुडू, एसआई रमन कुमार विश्वकर्मा, एसआई दसरथ हेमब्रम, आरक्षी मोकलेशुर रहमान, टुना प्रसाद सिंह, आशीष दत्ता व रमेश चौधरी शामिल थे।

जमीन विवाद में चचेरे देवर ने भाभी को मारकर किया घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोरियो : थाना क्षेत्र के बांझी संथाली के जेतके टोला में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बिच मारपीट में एक पक्ष की महिला शीला मुर्मू (पति मनिंद्र हांसदा) घायल हो गई। पूरा मामला यह है कि जेटके टोला निवासी मनिंद्र हांसदा की बांझी बाजार स्थित जमीन पर उन्होंने कई दुकानों का निर्माण करवाया है। लेकिन जमीन मालिक के चचेरे भाई भोला हांसदा उस जमीन में हिस्सेदारी मांगा जाता है, जिसे लेकर कई बार गांव में पंचायती भी हो चुकी है। इसके बावजूद भोला हांसदा और उसके पुत्र विष्णु हांसदा के द्वारा जमीन के हिस्सेदारी को लेकर आए दिन झगड़ा झंझट किया जाता है। इसे लेकर मंगलवार के दिन भी दोनों पक्ष आमने सामने हो गए, इसी बीच मनिंद्र हांसदा की पत्नी शीला मुर्मू को उनके चचेरे भाई और उसके बेटे ने खंती से सिर पर वार कर दिया। जिससे उक्त महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, घायल अवस्था में उसे बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। उसके बाद थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाया गया है।

मामले में पीड़िता के पति बोले

मेरे बड़े पापा और मेरे पापा तीस वर्ष पहले ही अलग हो गए थे, जमीन जायदाद का भी बंटवारा कर दिया गया था, मेरे चचेरे भाई ने अपने बाजार वाली जमीन को एक गैर आदिवासी को बेच दिया है और अब मेरे जमीन पर भी हिस्सेदारी मांग रहा है, जिस कारण कई बार विवाद और पंचायती भी हुआ है। इसके बावजूद उन्होंने खंती से सिर पर वार कर मेरी पत्नी को घायल कर दिया है।

आदिवासी समाज पर अत्याचार व जमीन हस्तांतरण चिंता का विषय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोरियो : प्रखंड क्षेत्र के सभी गांवों के प्रधान/मांझियो द्वारा आबोवाक बांचाव दो ओकारे के बैनर तले मंगलवार के दिन बोरियो बाजार पंचायत भवन में एक दिवसीय बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता दिशोम गुडैत नरसिंह मरांडी के द्वारा किया गया। बैठक में आदिवासी समुदाय पर हो रहे अत्याचार, जमीन का खरीद बिक्री, गैर आदिवासी द्वारा आदिवासी महिलाओं से विवाह सहित कई अन्य मुद्दों पर चिंतन मनन किया गया। इस मौके पर आयोजन के कर्ता सह मांझी हाड़ाम सह पूर्व विधायक ताला मरांडी ने बताया कि संथाल परगना में पांचवीं अनुसूची के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, आदिवासीयों को सुरक्षा देने वाले एसपीटी एक्ट का उल्लंघन किया जा रहा है। इस इलाके के आदिवासीयों की जमीनों को गैर आदिवासी द्वारा लूटा जा रहा है, इसके बावजूद प्रशासन चुप्पी साधे है। इसलिए आदिवासीयों की परंपरागत मांझी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस बैठक को रखा गया है, ताकि आदिवासीयों को गांव के प्रधान, परगनैत, गुड़ैत, नाईकी दीशोम गुडैत व अन्य के द्वारा आदिवासी समुदाय को मजबूत किया जा सके। वहीं मौके पर मांझी परगनैत व्यवस्था के जिला अध्यक्ष, ग्राम प्रधान लच्छू मुर्मू, अभिभावक टुकाय सोरेन, मुंशीलाल मरांडी, दिशोम गुडैत चंद्राय टुडू, परगनैत ईश्वर मरांडी, बबलू टुडू सहित दर्जनों मांझी व्यवस्था से जुड़े लोग मौजूद थे।

10 साल से बिछड़े बच्चों को थाना प्रभारी ने माता-पिता से मिलाया

बरहेट : थाना क्षेत्र के कुसमा पंचायत अंतर्गत मैटर गांव के जबरा पहाड़िया ने साहिबगंज पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को अपना 8 वर्षीय नाबालिक बच्चा 10 वर्ष पूर्व बहला फुसलाकर काम कराने बिचौलिया द्वारा ले गया था, पुलिस अधीक्षक को आवेदन पत्र से अवगत कराया। थाना प्रभारी पवन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की बीते लगातार 10 वर्षों से परिजनों से दूर है,पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने दिल्ली, हरियाणा, राज्यों में बच्चों को खोजबीन को लेकर छापेमारी सर्च अभियान चलाया। इस दौरान बच्चा एनजीओ व पुलिस, के सहयोग से दिल्ली से बरामद हुआ। 10 वर्ष पूर्व जबरा पहाड़िया अपने नाबालिग बच्चों से बिछड़ गए थे।

बांग्लादेश में उथल-पुथल से भारतीय टैक्सटाइल उद्योग को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में हो रही हिंसा से वहां का ेा यापार लगभग ठप सा पड़ गया है। बांग्लादेश दुनिया का एक प्रमुख टैक्े सटाइल निर्यातक देश है। वह हर महीने 3.5-3.8 बिलियन डॉलर के परिधान निर्यात करता है। बांग्लादेश में मची उथल-पुथल से भारतीय टैक्सटाइल सेक्टर के दिन फिर सकते हैं। निर्यात का एक बड़ा हिस्सा भारत शिफ्ट हो सकता है। बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद अंतरराष्ट्रीय खरीदार विकल्प तलाश रहे हैं और उनकी नजर भारत की ओर है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर बांग्लादेश के निर्यात का 10-11 फीसदी तिरुपुर जैसे भारतीय केंद्रों में आता है, तो भारत को हर महीने 300-400 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त कारोबार मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर निर्यातक संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में ऑर्डर में 10 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। उनका कहना है कि

बांग्लादेश वर्तमान में हर महीने 3.5-3.8 बिलियन डॉलर मूल्य के परिधान निर्यात करता है, जो यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में जाते हैं। इसकी तुलना में भारत का मासिक कपड़ा निर्यात लगभग 1.3-1.5 बिलियन डॉलर ही है। भारतीय टेक्सप्रेन्योर्स फेडरेशन के एक अधिकारी का कहना है कि भारत की क्षमता 300-400 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त ऑर्डर को तुरंत संभालने की है। इसकी वजह से भारत और अन्य देशों को फायदा हो सकता है।

भारत डेयरी उद्योग में दुनिया में नंबर वन

भारत में दुग्ध उत्पादन बढ़कर 23.06 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।

देश ने पिछले 10 सालों में दुग्ध उत्पादन तथा मछली पालन के क्षेत्र में कई गुनी वृद्धि की है और निर्यात में भी बढ़ोतरी हुई है। केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन ने लोकसभा में आम बजट 2024-25 में अपने विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में डेयरी उत्पादन मूल्य 11.16 लाख करोड़ रुपए का है। उन्होंने कहा कि भारत मछली उत्पादन में विश्व में नंबर दो और डेयरी उद्योग में नंबर एक हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन वर्ष 2013-14 में 14.63 करोड़ टन से बढ़ कर 23.06 करोड़ टन हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन में छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हो रही है जबकि वैश्विक औसत वार्षिक वृद्धि दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि देश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र 68 प्रतिशत असंगठित है जिसे सरकार संगठित बनाने एवं उत्पादन और बढ़ाने का प्रयास करेगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मत्स्य उत्पादन की नीली क्रांति के लिए पश्चिम बंगाल, केरल, आंध्रप्रदेश सहित सभी तटवर्ती राज्यों को भरपूर सहायता दी है। उन्होंने इन राज्यों को दी जाने वाली सहायता की राशि भी बताई। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत ये सहायता दी जा रही है। रंजन ने कहा कि देश में मवेशियों की संख्या भी बढ़ी है। गायों की संख्या 19.09 करोड़ से बढ़कर 19.30 करोड़ हुई है और भैंसों की संख्या 10.8 करोड़ से बढ़कर 11 करोड़ हो गयी है। मत्स्य पालन के उद्योग में 8.2 करोड़ लोग जुड़े हैं जबकि पशुपालन एवं डेयरी उद्योग से 12 करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। वर्ष 2013-14 में भारत में मछली उत्पादन 95.7 लाख टन था जो अब 2023-24 में 174.45 लाख टन हो गया। मत्स्य उद्योग में निर्यात के आंकड़ा साझा करते हुए कहा कि मछली का निर्यात वर्ष 2013-14 में 20213 करोड़ रुपए का था जो अब 60523 करोड़ रुपए का हो गया है।

बांग्लादेश में संकट से भारतीय कंपनियां हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में जारी राजनीतिक संकट से भारत की अर्थव्यवस्था प्रभो वित हो सकती है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और मुल्क में तख्तापलट होने के बाद सेना सत्ता की कमान संभाल ली है। इसका असर वहां की अर्थव्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। जिससे भारतीय कंपनियों का व्यापार भी प्रभावित हो रही है। कई भारतीय कंपनियों का बांग्लादेश के बाज़ार में बड़ा निवेश है और वहां स्थापित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से बड़ी संख्या में सामानों की आपूर्ति होती है। ऐसे में जिन कंपनियों का माल सीधे बांग्लादेश से आता है उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो उनके शेयरों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। लगैज निर्माता वीआईपी कंपनी की बांग्लादेश के बाहर 8 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं और लगभग 30-35 फीसदी माल की आपूर्ति यहां से होती है। मैरिको के लिए बांग्लादेश, इंटरनेशनल बिजनेस का एक अहम घटक है। कंपनी का 44 फीसदी रेवेन्यू बांग्लादेश से आता है। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी डाबर, जीसीपीएल और ब्रिटानिया के शेयर भी बांग्लादेश संकट के कारण फोकस में है।

डॉमिनोज पिज्जा स्टोर चलाने वाली कंपनी जुबलिएंट फूडवर्क्स के बांग्लादेश में 28 स्टोर्स हैं, जो इसकी सेल्स में एक फीसदी का योगदान देते हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट की सोर्सिंग के लिए हांगकांग और थाईलैंड के बाद बांग्लादेश सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक है। ट्रेंट, कपड़ों से जुड़े कारोबार में शामिल है और वेस्टसाइड स्टोर चलाती है। इन कंपनियों के अलावा टेक्सटाइल्स बिजनेस से जुड़ी कंपनियां और उनके शेयर बांग्लादेश से सामानों आपूर्ति कम होने से प्रभावित हो सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल पंजाब सहित कई राज्यों में सस्ता हुआ

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के भाव पर आधारित होती हैं। आपको बता दें कि भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर दिन सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिसका असर आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीज़ल के दामों पर पड़ सकता है। मंगलवार को बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 9 पैसे बढ़कर 107.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे बढ़कर 89.71 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और तंलगाना, असम, हिमाचल, मध्य प्रदेश में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ गए हैं। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 23 पैसे घटकर 104.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे घटकर 91.06 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, केरल, ओडिशा, पंजाब, तामिलनाडु, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई है।

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ के लिए दी हरी झंडी

नई दिल्ली ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस और मनबा फाइनेंस समेत पांच कंपनियों को बाजार नियामक सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के मुताबिक आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में बाजार स्टाइल रिटेल, डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड और दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया भी शामिल हैं। दूसरी तरफ सेबी ने 31 जुलाई को संथान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को वापस कर दिया। इसके साथ ही सेबी ने एसके फाइनेंस की प्रस्तावित 2,200 करोड़ रुपये की आरंभिक शेयर बिक्री पर लगी रोक हटा दी है। सेबी के अपडेट के मुताबिक मार्च और जून के बीच आईपीओ संबंधी दस्तावेज दाखिल करने वाली पांच कंपनियों को 30 जुलाई से पांच अगस्त के दौरान नियामकीय अवलोकन पत्र मिले हैं। अवलोकन पत्र पाने का मतलब सार्वजनिक निर्गम जारी करने की मंजूरी से है। दस्तावेजों के मुताबिक बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। यह शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक के उन नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना जरूरी है। मनबा फाइनेंस का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से 1.26 करोड़ शेयरों का एक नया निर्गम होगा और इसमें कोई ओएफएस नहीं होगा। फिलहाल महाराष्ट्र स्थित मनबा फाइनेंस में प्रवर्तकों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इन कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

रुपया 25 पैसे बढ़कर 83.84 प्रति डॉलर

मुंबई । वैश्विक बाजारों और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर 25 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में उछाल से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.85 पर रहा।

डीजल से अधिक सीएनजी कारें बिकी

मुंबई । भारत में पहली बार सीएनजी कारों की बिक्री बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। अभी तक डीजल कारों की सबसे ज्यादा बिक्री होती थी। अब यह ट्रेंड पूरी तरह से बदल गया है। अप्रैल से जून माह की तिमाही में 18.3 फ़ीसदी सीएनजी कारों की बिक्री हुई है। वहीं डीजल कारों की बिक्री घटकर 18 फीसदी रह गई है। मारुति सुजुकी की कारें सबसे ज्यादा बिकी हैं। भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत गैस की तुलना में काफी ज्यादा है। सीएनजी कारों में लोगों की रुचि बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में सीएनजी कारों की बैटरी, स्पीड और गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जिसके कारण वाहन चालकों का सीएनजी कारों के प्रति,पहले जो डर और भय था। अब वह खत्म हो रहा है।

एकम्स ड्रग्स के आईपीओ ने सुस्ती के साथ किया बाजार में प्रवेश

मुंबई । एकम्स ड्रग्स आईपीओ बाजार में सुस्ती के साथ प्रवेश कर गया है। एनएसई और बीएसई पर एकम्स ड्रग्स का शेयर मंगलवार को 725 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ, जो 679 रुपये के प्राइस बैंड से मात्र 6.8 फीसदी ज्यादा है। बाजार विशेषज्ञ ने एकम्स ड्रग्स के शेयर 780 से 800 रुपये प्रति शेयर के बीच लिस्ट होने के अनुमान जताया था जबकि कंपनी के शेयर मात्र 725 रुपये पर लिस्ट हुए। एक समय एकम्स ड्रग्स का ग्रे बाार प्रीमियम 181 रुपये तक चल रहा था। ग्रे मार्केट प्रीमियम निवेशकों की किसी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड से ज्यादा मूल्य पर भुगतान करने की इच्छा को दिखाता है। एकम्स ड्रग्स आईपीओ को कुल मिलाकर 63.56 गुना सब्सक्राइब किया गया था। एनएसई के सब्सक्रिप्शन स्टेटस डेटा के अनुसार इस इश्यू को 96.36 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए बिड्स मिली हैं जबकि ऑफर में 1.51 करोड़ शेयर ही थे। पब्लिक इश्यू को रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 21.30 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 42.21 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का पोर्शन 90.09 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के मुख्य बोर्ड ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 646 से 679 रुपये के प्रति इक्विटी शेयर पर तय किया था।

फर्स्टक्राई का आईपीओ खुला, 4193 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

मुंबई । फर्स्टक्राई ब्रांड नाम से छोटे बच्चों के कपड़े और खिलौनों बेचने वाली कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) खुल गया है। फर्स्टक्राई बच्चों और शिशुओं की खरीदारी के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक है। कंपनी का मुख्यालय पुणे में है। फर्स्टक्राई ने इस पब्लिक इश्यू के जरिये 4193.73 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का आईपीओ 6 अगस्त को बोली लगाने के लिए खुल गया और यह गुरुवार को सब्सक्राइब करने के लिए बंद हो जाएगा। जो निवेशक इस आईपीओ में पैसा लगाना चाहते हैं वे दांव लगाने से पहले इस इश्यू से जुड़ी जरूरी बातें जान लें। फर्स्टक्राई के आईपीओ में 35,827,957 शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 1666 करोड़ रुपये तक है। कंपनी ने 2 रुपये प्रति शेयर के फेस वैल्यू के साथ 54,359,733 शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव भी रखा है, जो कुल मिलाकर 2527.73 करोड़ रुपये तक है। फर्स्टक्राई ने आईपीओ के नेट ऑफर का 75 फीसदी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 10 प्रतिशत से अधिक रिटेल इन्वेस्टर्स और 15 फीसदी नॉन-इन्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए रिजर्व रखा है। कंपनी ने अपने आईपीओ लिए प्राइस बैंड 440-465 रुपये प्रति शेयर तय किया है। लॉट साइज 32 शेयर है। फर्स्टक्राई आईपीओ के लिए बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को मिनिमम 14,880 रुपये लगाने होंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 166 , निफ्टी 63.05 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 166 अंकों नीचे आकर 78,593.07 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 63.05 अंक नीचे आकर 23,992.55 पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार में भारी गिरावट रही थी।

आज कारोबार के दौरान 17 शेयरों में गिरावट रही जबकि 13 में बढ़त रही। इंडेक्स ने दिन की शुरुआत तेज बढ़त के साथ की और 1,092.68 अंक करीब 1.38 फीसदी की वृद्धि के साथ 79,852.08 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, पर बाद में बिकवाली के दबाव में 78,496.57 के निचले स्तर पर फिसल गया।

आज इंट्रा-डे कारोबार में ये 327 अंक तकरीबन 1.35 फीसदी बढ़कर 24,382.60 तक पहुंचा पर इसे बनाये नहीं रखा जा सका। बाजार जानकारों के अनुसार एशियाई बाजारों का भी प्रभाव बाजार पर पड़ा। निवेशक बढ़ते हुए येन, कमजोर अमेरिकी आर्थिक डेटा को देखकर सतर्कता बरत रहे हैं।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये।

वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बढ़त रही। आरबीआई मौद्रिक नीति समिति ने आज से तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू किया। आरबीआई गवर्नर गुरुवार को द्विमासिक नीति की घोषणा करेंगे।

वहीं एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और शंघाई में तीव्र बढ़त देखी गई, जबकि हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई। जापान के निक्केई 225 शेयर सूचकांक ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 10.7 फीसदी की बढ़तर रही जबकि पिछले दिन यह 37 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार नीचे आये हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को गहरी गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 10,073.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले और बीएसई सेंसेक्स 921 अंक बढ़कर 79,680 पर पहुंच गया जबकि निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 262 अंक बढ़कर 24,318 के स्तर पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर टाटा मोटर, लार्सन एंड टुब्रो और ओएनजीसी के शेयर खुलते ही चढ़ गए जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया कारोबार में फिसल गए। इसी तरह बीएसई पर टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स और एलएंडटी में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई

एसपी समूह ने कहा- पीएफसी से मिले उसके ऋण में दोहरी सुरक्षा संरचना है

नई दिल्ली । शापूरजी पलोनजी समूह ने मंगलवार को कहा कि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन से मिले उसके ऋण में दोहरी सुरक्षा संरचना है, जिसमें मिस्त्री परिवार के स्वामित्व वाले टाटा संस के शेयरों का एक हिस्सा भी शामिल है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) से प्राप्त ऋण को डिफॉल्ट से बचाव बताने वाली खबरों का खंडन करते हुए एसपी समूह ने कहा कि उसकी रियल एस्टेट फंचाइजी से प्राप्त नकदी प्रवाह से ऋण का निर्धारित अवधि में पूरा भुगतान सुनिश्चित होगा। समूह ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमने पिछले नौ महीनों में पीएफसी के साथ मिलकर एक अनूठा प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें एसपी समूह की बड़ी रियल एस्टेट फंचाइजी की ताकत के साथ-साथ मिस्त्री परिवार के स्वामित्व वाले टाटा संस के शेयरों के एक हिस्से का लाभ उठाते हुए दोहरी सुरक्षा संरचना है। इसमें कहा गया कि इससे ऋण मूल्य के छह गुना से अधिक सुरक्षा मूल्य मिलता है। रियल एस्टेट फैंचाइजी से प्राप्त नकदी प्रवाह से ऋण का समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा। समूह ने कहा कि सम्पूर्ण प्रस्ताव को प्रतिष्ठित तृतीय पक्ष सलाहकारों द्वारा मान्य ठहराया गया है। एसपी समूह के अनुसार उसे 14 जून 2024 को पीएफसी बोर्ड की मंजूरी के बाद औपचारिक स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ था। सूत्रों के हवाले से कुछ खबरों में कहा गया था कि पीएफसी के स्वतंत्र निदेशकों ने एसपी समूह को हाल ही में दिए गए 15,000 करोड़ रुपये के ऋण पर सवाल खड़े किए हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का जलवा 21 साल से बरकरार

मुंबई ।

देश के प्रमुख रईसों में शो मिल मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार 21 सालों से फॉर्च्यून ग्लोबल लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए है। कोई भी भारतीय कंपनी इतने लंबे समय तक इस लिस्ट में बनी नहीं रह सकी है। यह इसका अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड है। फॉर्च्यून ने अपनी वेबसाइट पर 2024 की लिस्ट जारी करते हुए कहा कि पिछले साल इसका रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर था। ऑयल एंड नेचुरल गैस लिमिटेड (ओएनजीसी)और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मगर ओएनजीसी 22 स्थान फिसलकर नंबर 180 और बीपीसीएल 25 स्थान नीचे जाकर 258वें नंबर पर आ गई हैं। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स ने 66 पायदान की लंबी छलांग मारी है। टाटा ग्रुप की यह कंपनी अब 271वें नंबर पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक 306वें नंबर और गोल्ड एवं डायमंड ज्वेलरी बनाने वाले राजेश एक्सपोर्ट्स सूची में 463वें नंबर पर मौजूद हैं। वालमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर, अमेजन नंबर दो पर पहुंची फॉर्च्यून के अनुसार, अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर रही है।

पिछले साल नंबर 4 पर रही अमेजन 2024 की लिस्ट में नंबर 2 पर आ गई है। सऊदी अरामको 2023 में नंबर 2 से गिरकर नंबर 4 पर आ गई है। हालांकि, 121 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ यह लगातार तीसरे साल लिस्ट में सबसे ज्यादा प्रॉफिट वाली कंपनी बनी हुई है। चीन की सरकारी कंपनी स्टेट ग्रिड लिस्ट में नंबर 3 पर रही है। टॉप 10 में और चीनी कंपनियां भी हैं। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सालाना रैंकिंग है जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों को उनके कुल राजस्व के आधार पर सूचीबद्ध करती है। यह सूची अमेरिकी पत्रिका फॉर्च्यून की ओर से प्रकाशित की जाती है।

भारत का स्वर्ण उद्योग नए संघ का गठन करेगा

मुंबई । भारतीय स्वर्ण उद्योग ने क्षेत्र में विश्वास की कमी को दूर करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भारतीय स्वर्ण उत्कृष्टता एवं मानक संघ (आईएजीईएस) के गठन की मंगलवार को घोषणा की। यह विश्व स्वर्ण परिषद द्वारा समर्थित एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के एक क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि आईएजीईएस के लिए रूपरेखा स्वतंत्र रूप से संचालित और पेशेवर रूप से प्रबंधित की जाएगी। इसे जल्द ही जारी किया जाएगा, जिसके बाद सदस्यता की घोषणा की जाएगी। संगठन के इस साल दिसंबर या जनवरी 2025 तक काम शुरू करने की उम्मीद है। आईएजीईएस का गठन राष्ट्रीय उद्योग संघों द्वारा किया जाएगा, जिसमें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए), अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) और रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) शामिल होंगे। जीजेईपीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि आईएजीईएस का गठन भारतीय स्वर्ण उद्योग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह नैतिकता पारदर्शिता तथा स्थिरता के उच्चतम मानकों को स्थापित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारा लक्ष्य एक साथ मिलकर सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना, उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ताओं और उद्योग हितधारकों के बीच विश्वास को बढ़ावा देना है।

अररिया में लोग बोले-यहां नदी की 3 धाराएं एक पर पुल बना 2 और बनना चाहिए

अररिया। के रानीगंज में बना करीब 40 मीटर लंबा एक पुल चर्चा का विषय बन गया है। वजह कि पुल को खेतों के बीच बनाकर छोड़ दिया गया है। पुल पर जाने के लिए कोई अप्रोच रोड भी नहीं बना है। बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग ने इस पुल को बनवाया है। बताया गया है कि इसकी लागत करीब 3 करोड़ रुपए आई है। मामला सामने आने के बाद अररिया की डीएम इनायत शेख ने जांच के आदेश दिए हैं। आज मंगलवार को फारबिसगंज अनुमंडल के ग्रामीण कार्य विभाग के एसडीओ और रानीगंज सीओ भी जांच करने पहुंचे। भास्कर रिपोर्टर भी आज मौके का जायजा लेने और पुल निर्माण की सच्चाई का पता लगाने पहुंचे। इस पुल का निर्माण रानीगंज प्रखंड के परमानपुर पंचायत के वार्ड नंबर-6 में हुआ है। यहां पर इलाके के लोगों की करीब 500 एकड़ जमीन है। साथ ही यहां पर दुलारदेई नदी बहती है। इसी नदी की एक धारा पर यह पुल बनाया गया है। स्थानीय उमेश कुमार मंडल ने बताया कि दुलारदेई नदी की यहां पर 3 धाराएं हैं। एक पहली धारा है जिसे नदी अब छोड़ चुकी है। दूसरी धारा जहां अब नदी मुख्य तौर पर बह रही है, यहां से करीब 100 मीटर दूर है। यह एक तीसरी धारा है, जिसमें कभी-कभी, खासकर बारिश के मौसम में पानी आता है। उन्होंने कहा कि यहां पर तो 3 पुलों

की जरूरत है। एक पुल बना भी है, लेकिन उसे भी सही से नहीं बनाया गया है। इसके निर्माण की क्वालिटी भी सही नहीं है। ज्यादा पानी आ जाने पर इसके गिर जाने का भी खतरा है। उमेश मंडल ने ही बताया कि यहां से 200 मीटर दूर सड़क है। इसी सड़क को यहां तक बनाना था, जिसके बीच में नदी की धारा आने के कारण यहां पुल बनाया गया। ठेकेदार ने सिर्फ पुल बनाकर अपना काम खत्म कर दिया। अब जब मामला मीडिया में आया है तो अधिकारी और बाकी लोग आ रहे हैं। जांच के लिए कमिटी बना रहे हैं। उमेश मंडल के अनुसार पुल का अप्रोच नहीं बनने के पीछे की वजह जमीन का नहीं मिलना है। अब सड़क जब भी बनानी होगी तो सरकार जमीन तो ले ही लेगी। लेकिन लोगों को जमीन का मुआवजा भी तो मिलना चाहिए। परमानपुर पंचायत के ही वार्ड नंबर-5 के रहनेवाले अर्जुन कुमार मंडल कहते हैं कि पुल का निर्माण बीते साल नवंबर माह में शुरू हुआ था। 3 माह पहले यह बनकर तैयार हुआ। लेकिन ठेकेदार ने रुपए बचाने और ज्यादा मिट्टी भराई से बचने के लिए अप्रोच रोड नहीं बनाया। नदी की 3 धाराएं हैं यहां पर। यहां तो 3 पुल बनना चाहिए। जांच के लिए पहुंचे रानीगंज के अंचल अधिकारी प्रीत कुमार ने बताया कि पुल सरकारी जमीन पर ही बना है। उसके दोनों ओर किनकी जमीन है, सरकारी है या निजी है, इसकी जांच के लिए अमीन को बुलाया गया है। उनसे पैमाइश कराई जा रही है। इससे पहले डीएम इनायत खान ने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। सड़क और पुल के निर्माण में लगभग तीन करोड़ की राशि का खर्च की गई है। उन्होंने बताया कि जहां पुल बना है, वहां पर लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाना है। किस परिस्थिति में वहां पर पुल का निर्माण कराया गया है, इस पर जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ बताया जा सकता है। जो भी दोषी होंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार शरीफ में जेब्रा लाइन के पीछे रोकनी होगी गाड़ी, उल्लंघन पर 5 हजार जुमार्ना

बिहार। शरीफ शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए अब परेशानी हो सकती है। नगर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीसीसी-एमएसआई सिस्टम के सॉफ्टवेयर को सक्रिय कर दिया है, जिससे अब ट्रैफिक लाइट सिग्नल पर रेड लाइट क्रॉस करने वाले वाहन चालकों का स्वचालित रूप से चालान काटा जाएगा। यातायात विभाग के अनुसार, शहर के 7 प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यह प्रणाली लागू की गई है। इन स्थानों पर स्टॉप प्वाइंट और जेब्रा लाइन स्पष्ट रूप से चिह्नित है। यातायात डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पहले से जो हमारी यातायात व्यवस्था चली आ रही थी उसमें सेमी ऑटोमेटिक मोड के तहत काम किया जा रहा था। अब यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑटोमेटिक हो गया। अब मशीन ही ओफ्फेन्स डिटेक्ट करेगी और मशीन ही चालान जेनरेट करेगी। रेड लाइट वायलेंस डिटेक्शन इसपर अभी काम करेगा। धीरे-धीरे जिगजैग, विदाउट हेलमेट, रॉन्ग साइड, ट्रिपल लोड की प्रक्रिया में है। आज प्रक्रिया ट्रायल में ली गई है और कल से पूरी तरह से लागू हो जाएगा। अगर कोई वाहन चालक दिन में दो बार, तीन बार या चार बार रेड लाइट को क्रॉस करता है तो उसे दिन में उतने बार चालान भरना होगा। इसके लिए 5 हजार का फाइन देना होगा। नई व्यवस्था के तहत, रेड सिग्नल होने पर वाहन चालकों को अपनी गाड़ी को स्टॉप प्वाइंट यानी जेबरा क्रॉस से पहले रोकना अनिवार्य है। यदि कोई वाहन जेब्रा लाइन को पार करता है, तो आरएलवीडी कैमरा तुरंत वाहन का नंबर पहचान लेगा और स्वचालित रूप से 5,000 रुपए का चालान जारी कर देगा।

बेतिया में पूर्व मुखिया को मारी 19 गोली, मौत

बेतिया। में पूर्व मुखिया और ठेकेदार जितेंद्र (55) सिंह की बदमाशों ने 19 गोलियां मारकर हत्या कर दी। 3 बाइक पर आए 6 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। गोली लगने के बाद भी पूर्व मुखिया मदद मांगने के लिए कुछ दूर चला, लेकिन फिर गिर गया। रास्ते से गुजर रहे एक बिजली मिस्त्री ने जितेंद्र को घायल हालत में देखा तो पुलिस को सूचना दी। वारदात सोमवार की रात रेल थाना से महज 200 मीटर दूर नगर के बानुछापर पूर्वी रेलवे गुमटी के पास

की है।सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली है। जितेंद्र सिंह मझौलिया प्रखंड की महनागनी पंचायत के दो बार के मुखिया और ठेकेदार थे। सदर एसडीपीओ वन विवेक दीप ने बताया कि पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह को उनके घर से करीब 800 मीटर पहले रेलवे गुमटी के पास गोली मारी गई है। परिजनों का कहना है कि जितेंद्र सिंह सोमवार रात करीब 9:20 बजे अपना काम निपटाकर बाइक से देव नगर स्थित घर पर लौट रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। सदर रउढड-1 विवेक दीप के अनुसार पुलिस की अबतक की जांच में टेंडर विवाद को लेकर हत्या की बात सामने आ रही है। पुलिस ने एक शख्स को उठाया है और उससे पूछताछ कर रही है। इधर, सोमवार की देर रात अस्पताल में परिजन और रिश्तेदार ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया और पुलिस प्रशासन से अपराधियों की गिरफ्तारी का मांग करने लगे। हालांकि एसडीपीओ के समझाने के बाद परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। करीब 2 बजे रात तक अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा बोले- बिहार में ही हुई है शूटिंग, लोगों को मिलेगा रोजगार

पटना। में मंगलवार को बिहार के कलाकारों की फिल्म ह्यएक सूरत है मेरी आंखों में का प्रीमियम हुआ। इसकी शूटिंग भी बिहार में ही हुई है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान फिल्म के कलाकारों का विजय सिन्हा ने हौसला अफजाई किया। उन्होंने कहा कि सभी कलाकार बिहार से हैं। पूरी फिल्म बिहार में बनी है। कलाकारों के मनोबल को बढ़ाने के लिए आज प्रीमियर शो में शामिल हुए हैं। पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि हमारे कलाकार

इसी तरह से बिहार के अंदर शूटिंग करें। फिल्म के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार का अवसर भी मिलेगा। वहीं, अनुदान देने के सवाल को लेकर उन्होंने आगे कहा कि हम लोगों ने नई फिल्म नीति लाई है। इसमें काफी प्रावधान है। संयोग से यह फिल्म योजना आने से पहले बनी है। देश में सबसे ज्यादा कोई अनुदान देने वाला राज्य होगा तो वह बिहार होगा। सिर्फ 4 करोड़ में 25 प्रतिशत का अनुदान ही नही दूंगा। बल्कि तमाम कलाकारों को प्रोत्साहित भी करूंगा। हिंदी फिल्म 'एक सूरत है मेरी आंखों में' के निमार्ता, लेखक और निर्देशक पुणे फिल्म संस्थान से प्रशिक्षित बिहार के चर्चित फिल्मकार अरविंद रंजन दास हैं। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसके सारे कलाकार और तकनीशियन बिहार से हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग भी बिहार में ही की गई है। इस तरह ये बिहार फिल्म उद्योग की पहली फिल्म है।

संक्षिप्त डायरी

स्वतंत्रता दिवस को लेकर बीजेपी हर घर बांटेगी तिरंगा

पटना। आजादी के 77 वे वर्षगांठ के मौके पर जहां पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबा होगा, वहीं बीजेपी ने इस मौके को यादगार बनाने के लिए बड़े कार्यक्रम की तैयारी की है। बिहार बीजेपी ने आजादी के इस पर्व के जरिए देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और गांव गांव तक जुड़ने की तैयारी की है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार बीजेपी 11 अगस्त से 15 अगस्त तक लगातार कई कार्यक्रम चलाएगी। बिहार बीजेपी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके को यादगार बनाने के लिए बड़ी तैयारी की है। 11 अगस्त से पूरे बिहार में हर घर तक झंडा पहुंचाने की तैयारी है, ताकि हर घर पर तिरंगा झंडा फहराता हुआ दिखाई पड़े। इसके लिए बीजेपी युवा मोर्चा के सदस्य हर गांव और शहर के हर घर तक झंडा पहुंचाएंगे। लोगो से आग्रह करेंगे कि घरों पर झंडा फहराए। जो झंडा नही खरीद सकते, उन्हें झंडा दिया भी जाएगा। कोशिश इस बात की है कि कोई भी घर नहीं छूटे। बिहार बीजेपी के युवा मोर्चा की ओर से बिहार के हर विधानसभा क्षेत्र में झंडा यात्रा निकाला जाएगा। युवा मोर्चा के बड़े संख्या में सदस्य हाथो में तिरंगा लेकर हर विधानसभा में भ्रमण करेंगे। तिरंगा यात्रा के जरिए पूरे विधानसभा में लोगों को देश के प्रति देशभक्ति भावना से जुड़ने का संदेश देने का प्रयास है। यह तिरंगा यात्रा 12 और 13 अगस्त को सभी विधानसभा क्षेत्र में निकाली जाएगी। आजादी के इस महापर्व में 11 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक चलने वाले कार्यक्रम के दौरान 13 अगस्त को सभी महापुरुषों के प्रतिमाओं पर फूल माला चढ़कर याद किया जाएगा और महापुरुषों के नक्शे कदम पर चलने के संदेश भी दिया जाएगा 13 अगस्त को भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य बिहार के हर जिले और हर गांव में जहां भी बापू पटेल सुभाष चंद्र बोस भगत सिंह आदि जिस किसी की भी महापुरुष की प्रतिमा लगी होगी उन सभी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित किया जाएगा और उनके बलिदान को लोगों के सामने रखाजाएगा। आजादी के इस महापर्व के मौके पर 14 अगस्त के दिन देश के बंटवारे के स्थिति और कारणों की चर्चा होगी। 14 अगस्त को। बीजेपी के युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जिला स्तर पर गोष्ठी का आयोजन करेंगे जहां पर 14 अगस्त के दिन भारत के हुए बंटवारे की कहानी बताई जाएगी और उसे बंटवारे में क्या कारण रहे और देश को कैसे जोड़ के रखना है इस पर बिहार के हर जिले में चर्चा कराई जाएगी। बीजेपी तिरंगा कार्यक्रम के जरिए जहां देश भक्ति की बात करेगी, वहीं राजनीतिक संदेश भी देने की कोशिश है। आने वाले 2025 विधानसभा को देखते हुए यह बड़ा कार्यक्रम के बड़े संदेश माने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए बीजेपी की कोशिश बिहार के हर युवा तक पहुंचाने की है। बीजेपी के साथ युवाओं और परिवारों को जोड़ने की कोशिश है। यह कार्यक्रम जितना सफल होगा, उतने ही ज्यादा संख्या में युवा बीजेपी से जुड़ेंगे। आने वाले दिनों में बीजेपी के लिए मजबूती प्रदान करेंगे। बीजेपी की कोशिश है कि एक तरफ जहां जाति आधार पर कार्यक्रम कर हर वर्ग को साथ लाने का प्रयास है। वहीं, तिरंगा यात्रा के जरिए तमाम वर्गों को बीजेपी के साथ जोड़ने की कोशिश है।

बिहार के खिलाड़ियों को सरकार देगी खेल छात्रवृत्ति

बिहार। खेल मंत्रालय और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को खेल छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके लिए पोर्टल पर आवेदन करने की कल आखिरी तारीख है। खेल छात्रवृत्ति के लिए योग्य खिलाड़ी 7 अगस्त तक यथायोग्य श्रेणी में छात्रवृत्ति के लिए पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। पहले 31 जुलाई तक ही तारीख थी, जिसे आगे बढ़ाया गया था। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिए सबसे पहले scholarship.biharsports.org पर जाएं। फिर लिंक पर क्लिक करके यूजर नेम, ईमेल, नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड नंबर, पासवर्ड दर्ज करके अपना अकाउंट बनाए। सबकुछ बनने के बाद लॉग इन कर लें। इसके बाद एडिट प्रोफाइल पर जाएं अपनी पासपोर्ट साइज फोटो अपलोड करें। फिर पर्सनल डिटेल्स जैसे पैन कार्ड, जन्मतिथि, ब्लड ग्रुप, आदि भरें। इस खेल पोर्टल में रजिस्ट्रेशन के दौरान अपना बैंक डिटेल्स भी देना होगा। उसके बाद अपने बैंक पासबुक के पहले पन्ने की फोटो को अपलोड करना होगा। सारे डिटेल्स भरने के बाद डॉक्यूमेंट वाले टैब पर क्लिक करें और सूची में उपलब्ध अभी डॉक्यूमेंट की फोटो को अपलोड करें। फिर अचीवमेंट वाले टैब पर क्लिक करके अपने सभी उपलब्धि के डिटेल्स को भरने के साथ ही सर्टिफिकेट भी अपलोड करें। अगर किसी खिलाड़ी ने इससे पहले भी कोई खेल छात्रवृत्ति हासिल की हो तो उसकी भी जानकारी जोड़े। सभी कुछ डिटेल भरने के बाद 'योजनाओं के लिए आवेदन' पर क्लिक करें। इसमें दो योजनाएं- सक्षम योजना और उत्कर्ष योजना है। खिलाड़ी अपने उपलब्धि के अनुसार इन दोनों में से किसी एक के लिए आवेदन करें। फिर सारे भरे डिटेल्स की एक बार और जांच करें और फाइनल अप्लाई पर क्लिक करें। आपका आवेदन जमा हो जाएगा।

तीन दिन से नाराज थी पत्नी, रात में मेला घूमने के बाद सुबह मिली डेड बॉडी

गया। में 21 वर्षीय गर्भवती कीर्ति कुमारी ने ससुराल में फंदे से लटक आत्महत्या कर ली। तीन दिन पहले मृतका की मां गया जंक्शन से गुजरने वाली थी। कीर्ति ने अपने पति से कहा था कि मुझे रेलवे स्टेशन जाना है। देर रात और गर्भवती होने के कारण पति ने मना कर दिया था। जिसके बाद से कीर्ति अपने पति से नाराज थी। सोमवार की रात तक सब ठीक था। रात में मेला भी घूमा था। मंगलवार की सुबह काम वाली कमरे में गई तो देखा कि कीर्ति का शव फंदे से

लटका था। मामला शहर के डेल्हा थाना के खरखुरा मोहल्ले का है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मायके वालों का इंतजार किया जा रहा है। मृतका के पति मोहित कुमार ने बताया कि शादी इसी साल 18 फरवरी को हुई थी। कीर्ति नवादा जिले के हिसुआ की रहने वाली थी। वह 5 महीने की गर्भवती भी थी। मोहित कुमार ने बताया कि तीन दिन पहले अचानक से रात दो-ढाई बजे कीर्ति तैयार होकर कहने लगी कि उसकी मां गया रेलवे स्टेशन पर आ रही। उससे मिलने चलना है। इस बात की जानकारी घर के किसी भी सदस्य को नहीं थी। इस बात से वह नाराज हो गई। बीते दो दिनों से वह लगातार नाराज थी। कीर्ति को उसके पापा ने भी समझाया था। फिर भी वह नाराज ही थी। सोमवार को गांधी मैदान में मेला घूमने भी गए थे। मेला घूमने की इच्छा भी उसी ने जताई थी। इधर डेल्हा थानाध्यक्ष इंद्रदेव इंद्र ने बताया कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

गोपालगंज में 2 दिन पहले एसपी आवास से 100 मीटर दूर मर्डर, नशे की हालत में थे दोनों

गोपालगंज। के नगर थाना क्षेत्र के हजियापुर NH-27 के पास दो दिन पहले एक युवक की हत्या हुई थी। इस मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। युवक की हत्या उसके साथ रहने वाले उसके नाबालिग दोस्त (17) ने ही की थी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में प्रयुक्त चाकू, मोबाइल और हत्या के दिन पहने हुए खून से सना हुआ कपड़ा बरामद किया गया है। दरअसल, इस संदर्भ में सदर एसडीपीओ प्रांजल ने नगर थाना में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मामले का खुलासा किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि पिछले चार अगस्त को एक युवक की चाकू गोद कर हत्या की गई थी। हत्या के बाद मामला दर्ज कर गंभीरता से मामले की जांच की गई। जांच के दौरान टेक्निकल सेल एफएसएल ने मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल की।

बेतिया के नरकटियागंज लौरिया मुख्य मार्ग पर हादसा, मृतक के परिजनों में कोहराम

बेतिया। में साले की सगाई में शामिल होने गए बहनोई की सड़क दुघर्टना में मौत हो गई है। घटना जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के नरकटियागंज लौरिया मुख्य मार्ग स्थित मटियरिया चौक के पास की है। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण जिला के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के दूधिवा ओझा टोला गांव निवासी ठाकुर प्रसाद के 32 वर्षीय बेटा रवि रंजन कुमार के रूप में की गई है। मामले में परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। इधर, जीएमसीएच में पोस्टमार्टम हाउस के बाहर मौजूद लौरिया निवासी मृतक के साला निरज कुमार ने बताया कि रवि रंजन उसके सगाई में शामिल होने परिवार के साथ आया हुआ था। नीरज ने बताया कि मंगलवार शाम वह अपनी बहन मुनी देवी को बुलाने के लिए बाइक से नरकटियागंज के रोआरी गांव जा रहा था। इसी दौरान मटियरिया चौक के समीप वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई है। इधर, घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मकान समेत 30 लोगों को उड़ाने की थी प्लानिंग

बेगूसराय। पुलिस ने शुक्रवार (2 अगस्त) को डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव मेटेरियल के साथ सेना के जवान राज किशोर कुमार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार जवान ने मकान समेत 30 लोगों को उड़ाने की प्लानिंग की थी। यह खुलासा पुलिस की पूछताछ में हुई है। पुलिस ने बताया कि राज किशोर का पड़ोसी मिथिलेश यादव से जमीन विवाद था। इससे वह घर नहीं बना पा रहा था। इससे नाराज राज किशोर ने मिथिलेश और उसके परिवार को घर समेत उड़ाने की प्लानिंग की थी। इसको लेकर अपने सहकर्मियों की मदद से डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव मटेरियल यूपी के मिजार्पुर से लिया। पुलिस ने इस मामले की सूचना सेना के वरीय अधिकारी और नेशनल

लेवल की जांच एजेंसी को दी है। जल्द ही उसे रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ की जाएगी। वहीं, पुलिस ने गिरफ्तार सेना के जवान के खिलाफ ऋक्ष दर्ज कर जेल भेज दिया है। आरोपी राज किशोर महिटानी थाना क्षेत्र के खोरमपुर गांव के सिकंदर यादव का बेटा है। दो भाई और एक बहन है। राज किशोर की तीन साल पहले सेना में नौकरी मिली थी। 267 रेजिमेंट कोर ऑफ इंजीनियरिंग में क्लर्क पोस्ट पर मणिपुर में पदस्थापित है। राज किशोर के पिता ने 2011 में अपने ससुराल साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के हीरा टोल में पत्नी पूनम देवी के नाम एक कट्ठा जमीन जगदीश पोद्दार से खरीदी थी। फरवरी 2023 में उस जमीन पर राज किशोर घर बनाने गए तो मिथिलेश यादव और उसके परिवार ने घर बनाने से रोक दिया था। राज किशोर के पिता को मारपीट कर भगा दिया था। राज किशोर ने तीन बार घर बनाने का प्रयास किया, लेकिन मिथिलेश घर नहीं बनाने दे रहा था। इससे बदला लेने की प्लानिंग की। पुलिस की पूछताछ में राज किशोर ने बताया कि मिथिलेश यादव और उसके परिवार को खत्म करने की प्लानिंग एक साल से कर रहे थे। ड्यूटी के दौरान राज किशोर काफी परेशान रहता था। उसकी परेशानी देखकर यूनिट में साथियों ने मदद की भरोसा दिया। यूनिट में कुक का काम करने वाले यूपी के मिजार्पुर जिला के तेंदुआ कला निवासी अली मोहम्मद और सिपाही मो. आसिफ ने मदद मदद की। यहीं दोनों ने गोला-बारूद और हथियार उपलब्ध करवाया। इसके साथ ही राज किशोर के ग्रामीण उदय पासवान के बेटे राहुल पासवान से मदद मांगी तो उसने वॉकी-टॉकी की व्यवस्था की। राज किशोर छुट्टी लेकर 26 जुलाई को घर आ गया। यहां उसने राहुल से संपर्क किया तो राहुल ने एक वॉकी-टॉकी और हाथ से बना हुआ रिसीवर दे दिया। जिसे राज किशोर ने अपने घर में छिपा रखा था।इसके बाद राज किशोर 30 जुलाई की रात महानंदा एक्सप्रेस से मिजार्पुर पहुंचा। यहां चुनार स्टेशन पर उतरने के बाद कुक मोहम्मद अली के घर पहुंचा और 31 जुलाई की रात मोहम्मद अली के घर ही रुका। फिर यहां से 75 पीस डेटोनेटर और 75 पीस एक्सप्लोसिव का पैकेट लेकर घर के लिए रवाना हुआ। राज किशोर एक अगस्त की सुबह 8:00 बजे चुनार से बनारस होते हुए बलिया गया। फिर ट्रेन पकड़ कर समस्तीपुर पहुंचा। समस्तीपुर में दूसरी ट्रेन पकड़ी और रात करीब 2:30 बजे पिट्ठू बैग में डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव लेकर बेगूसराय स्टेशन पहुंच गया। ऑटो स्टैंड में गाड़ी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान लोहिया नगर थानाध्यक्ष जितेन्द्र राम ने गिरफ्तार किया।

भारत में बायोटेक इंडस्ट्री का कारोबार हर साल करीब 11 अरब डॉलर का है। सरकार ने 2025 तक इसकी कैपेसिटी को 100 अरब डॉलर पहुंचाना तय किया है। इस वजह से इस सेक्टर में आगामी सालों में नौकरियों के सबसे ज्यादा मौके नजर आ रहे हैं।

बायोटेक इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं

हमारे देश में बायोटेक इंडस्ट्री हर साल 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। भारत में हर साल इसका कारोबार करीब 11 अरब डॉलर का है। सरकार ने 2025 तक इसकी कैपेसिटी को 100 अरब डॉलर पहुंचाना तय किया है। इस वजह से इस सेक्टर में आगामी सालों में नौकरियों के सबसे ज्यादा मौके नजर आ रहे हैं। नेशनल बायोटेक्नोलॉजी डेवलपमेंट स्ट्रेटजी के अनुसार अगले पांच साल में इस सेक्टर में 7 से 8 लाख नई नौकरियां मिलने का अनुमान है। यानी हर साल एक लाख से भी ज्यादा नौकरियां यहां मिल सकती हैं।

जरूरत से कम प्रोफेशनल्स यानी मौके ही मौके

इस सेक्टर में कितना स्कोप है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि देश के 300 से ज्यादा संस्थानों से करीब 50 हजार बायोटेक प्रोफेशनल हर साल निकलते हैं, लेकिन इस इंडस्ट्री में हर साल करीब 80 हजार प्रोफेशनल्स की जरूरत है। बायोटेक्नोलॉजी की डिग्री ले चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ड्रग एंड फार्मास्युटिकल, केमिकल, एनवायरनमेंट, वेस्ट मैनेजमेंट, एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग और बायो प्रोसेसिंग के क्षेत्र में हैं। इसके इलावा अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों में रिसर्च साइंटिस्ट, मार्केटिंग मैनेजर, क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन, एनालिस्ट, सेफ्टी स्पेशलिस्ट जैसे पदों पर उनके लिए अवसर हो सकते हैं। इसके अलावा देशभर में 100 से ज्यादा रिसर्च लैबोरेटरी हैं, जिनमें हर साल हजारों लोगों को नियुक्त किया जाता है।

कहां से कर सकते हैं कोर्स?

बायोटेक्नोलॉजी के यूजी और मास्टर कोर्स देशभर के संस्थानों में मौजूद हैं। साइंस स्ट्रीम में 10+2 कर चुके छात्र अंडरग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी का बीटेक कोर्स कुछ आईआईटी संस्थानों में भी उपलब्ध है। इसमें प्रवेश जेईई एडवांस के आधार पर मिलता है और हर सीट के लिए 100 से ज्यादा आवेदक होते हैं। साइंस, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी या मेडिसिन में बैचलर डिग्री ले चुके छात्र मास्टर कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अधिकतर संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के जरिए एडमिशन मिलता है।

सैलरी

यूजी कोर्स करने के बाद एंट्री लेने वाले छात्रों का शुरुआती पैकेज 3 से 4 लाख रुपए सालाना तक हो सकता है। एक दो साल के अनुभव के बाद यह रकम 6 लाख से ज्यादा हो सकती है। मास्टर या पीएचडी डिग्री ले चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ज्यादा होते हैं और उन्हें पैकेज भी ज्यादा मिलता है। रिसर्च संस्थानों में काम करने वाले प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 5 लाख रुपए तक का पैकेज मिल सकता है।

देश में हैं 800 से ज्यादा कंपनियां

देश में बायोटेक्नोलॉजी की 800 से ज्यादा कंपनियां हैं। इसके अलावा देशी-विदेशी संस्थाओं में भी छात्रों के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं।कृषि, हेल्थकेयर व अन्य क्षेत्रों में बढ़ा उपयोग देश की 50 फीसदी से ज्यादा आबादी के जीवनयापन का जरिया कृषि है, लेकिन घटती पैदावार खाद्य सुरक्षा के लिए संकट है। बायोटेक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल से हालात में सुधार हो सकते हैं। हेल्थकेयर, एनवायरनमेंट, इंडस्ट्रियल प्रोसेसिंग, फूड इंडस्ट्री आदि में भी ये तकनीकें कारगर हो सकती हैं। बायोफार्मा सेक्टर अकेले ही देश की अर्थव्यवस्था में 2 अरब डॉलर से ज्यादा का योगदान दे सकता है।

अगर आप वर्ल्ड के टॉप बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने का ख्वाब संजो रहे हैं इसके लिए बस आपको थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी। हम आपको बता रहे हैं इन स्कूलों में दाखिले के लिए जाने वाले ऐसे टेस्ट के बारे में जिनको पास करके आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

दुनिया के बेस्ट बी स्कूलों में दाखिले के लिए दें यह टेस्ट

हर किसी का सपना होता है कि वह जिस स्कूल से अपनी शिक्षा ग्रहण करें वह दुनिया के टॉप स्कूलों में से हो। अगर आप वर्ल्ड के टॉप बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने का ख्वाब संजो रहे हैं इसके लिए बस आपको थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी। हम आपको बता रहे हैं इन स्कूलों में दाखिले के लिए जाने वाले ऐसे टेस्ट के बारे में जिनको पास करके आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं। पहला जीमैट यानि Graduate Management Admission Test - GMAT और दूसरा जीआरई Graduate Record Examination - GRE। बहुत से स्टूडेंटस जीमैट और जीआरई की अहमियत और मान्यता को लेकर कंफ्यूज रहते हैं। दरअसल जीमैट एक इंटरनेशनल लेवल का टेस्ट है जिसे देकर आप दुनिया के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के एमबीए, मास्टर ऑफ अकाउंटेंसी और मास्टर ऑफ फाइनेंस जैसे मैनेजमेंट कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। वहीं जीआरई एक जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट है जिसके जरिए सभी पोस्ट ग्रेजुएट और डॉक्टोरल प्रोग्राम में एडमिशन लिया जा सकता है। ज्यादातर छात्र, जो कि विदेश से एमबीए करना चाहते हैं, जीमैट परीक्षा ही देते हैं। जीमैट एमबीए के लिए एक स्पेशलाइज्ड टेस्ट है।

क्या है दोनों में फर्क

जीमैट और जीआरई दोनों ही एक तरह से एप्टीट्यूड टेस्ट है। लेकिन इन दोनों परीक्षाओं की प्रकृति और सामग्री अलग-अलग होती है। जीमैट टेस्ट का स्कोर 5 साल के लिए मान्य रहता है। साल में किसी भी समय आप www.mba.com पर जाकर इसके लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। दुनिया भर में इसके 600 टेस्ट सेंटर हैं।

जीमैट का स्कोर 82 देशों के करीब 1600 संस्थान स्वीकार कर रहे हैं। भारत के 90 से ज्यादा बी-स्कूल जीमैट स्कोर के आधार पर एडमिशन देते हैं।

जीआरई का बढ़ता चलन

कुछ सर्वेक्षणों के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में मैनेजमेंट कोर्सेज के लिए जीआरई देने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है। ब्रिटेन और अमेरिका में बड़ी तादाद में बी-स्कूल जीआरई में हासिल किए अंकों के आधार पर ही दाखिला दे रहे हैं। वैसे तो जीआरई कंप्यूटर और पेपर-बेस्ड दोनों फॉरमेट में करवाया जाता है लेकिन भारत में यह सिर्फ कंप्यूटर बेस्ड फॉरमेट में ही होता है। दुनिया भर के 1200 से ज्यादा संस्थान इस टेस्ट के स्कोर को स्वीकार करते हैं। इसे भी साल में अधिकतम पांच बार दिया जा सकता है। दो प्रयासों में कम से कम 21 दिन का गैप जरूरी हो।

कौन दे सकता हैं ये टेस्ट

वैसे तो इन परीक्षाओं को ग्रजुएट उम्मीदवार बैठ सकते हैं लेकिन विभिन्न संस्थानों का चयन का तरीका एक-दूसरे से अलग हो सकता है। एक साल में 5 बार जीमैट दिया जा सकता है। लेकिन दो प्रयासों के बीच में 16 दिन का अंतराल होना जरूरी है।

इंटरव्यू के दौरान अपनाएं यह ट्रिक्स

आज के दौर में जॉब पाना मुश्किल होता जा रहा है। कई बार ऐसा होता है कि आपने इंटरव्यू के लिए कितनी मेहनत की होती है। कई बार ऐसा लगता है कि हमने इंटरव्यू में पूछे सारे सवालों का सही जवाब दिया था, फिर ऐसा क्या हुआ कि हमें जॉब के लिए बुलावा क्यों नहीं आया। इसके पीछे कई सारे कारण हो सकते है, लेकिन ज्यादातर यह होता है कि आपसे संतुष्ट नहीं होते, या आप सवालों के जवाब इतने प्रभावी तरीके से नहीं दे पाते।

इंटरव्यू का मकसद सिर्फ कर्मचारी के बारे में जानने या उससे मिलने के लिए नहीं लिया जाता, बल्कि कंपनी में ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारी इंटरव्यू के बहाने आपके बारे में भी बहुत कुछ जान लेते हैं। इसलिए किसी भी जगह इंटरव्यू देते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि इंटरव्यू में लेने वाले अधिकारियों पर अपना पॉजीटिव प्रभाव छोड़ सकें।

पहली कंपनी की बुराई ना करें

कई बार लोग इंटरव्यू के दौरान अपने पहले जॉब को कोसते है और संस्थान के बारे में जी भर कर बुराई करते है। इन बातों का इंटरव्यू लेने वालों पर निगेटिव असर होता है। असल में हर बड़ी कंपनी के नियम, स्ट्रक्चर और व्यवस्थाएं लगभग एक जैसी ही होती हैं। इसलिए ऐसी बातों से जॉब न मिलने की आशंका बढ़ जाती हैं। जिनके साथ काम करते हैं, उन्हें कम न समझें जब भी किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाएं तो यह ध्यान रखें कि पहले के संस्थान में काम करने वाले किसी कैंडिडेट के बारे निगेटिव न बोलें। इंटरव्यू लेने वाले के सामने अपने आप को बढ़ा चढ़ा कर पेश ना करें। कोई भी कंपनी हो वह ऐसे कैंडीडेट को ज्यादा तवज्जो देती है जो खुद से निकलकर टीम भावना को लेकर चलता है।

ध्यान न भटकने दें

इंटरव्यू के दौरान अपना ध्यान सिर्फ वहीं फोकस रखें। एक इंटरव्यू के दौरान दूसरे जॉब के बारे में न सोचें। इससे हो सकता है कि आपके आव-भाव में कहीं कोई कमी नजर आने लगे। इससे आप सवालों का सहज जवाब भी नहीं दे पाते। इंटरव्यू में गलती से भी किसी फोन कॉल को अटेंड न करें। इंटरव्यू के बाद आप भले ही कॉल बैक कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको इंटरव्यू लेने वाले अधिकारी कमरे से बाहर भी निकाल सकते हैं।

अतिरिक्त प्रयास करने से बचें

बहुत से लोग इंटरव्यू पैनल को खुद करने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास करते हैं। यह सही तरीका नहीं होता है। अगर आप ऐसा करते है तो हो सकता है कि इंटरव्यू पैनल को लगे कि आपमें अपने जवाब को लेकर आत्मविश्वास की कमी है, इस वजह से आप अपने जवाब पर बार-बार जो दे रहे हैं। ऐसे कैंडिडेट के सेलेक्ट होने के चांस कम होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन

इंटरव्यू के दौरान यह ध्यान रखें कि आपका पहला इंप्रेशन बहुत प्रभावी होता है। आपकी ड्रेस, आपकी एंट्री इंटरव्यू पैनल पर प्रभाव छोड़ते हैं। कोशिश करें कि पहले सवाल के जवाब देने के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज में आत्मविश्वास हो।

कंपनी के बारे में रखें जानकारी

इंटरव्यू से पहले ज्यादातर लोगों को कंपनी के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती ।आपके पास कितनी भी स्किल्स हो या आपकी क्वालिफिकेशन्स आपको योग्य उम्मीदवार साबित करती हो लेकिन कंपनी के बारे में जानकारी न होना आपके लिए रेड सिग्नल साबित हो सकता है।

तीसरा एकदिवसीय जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार को मेजबान श्रीलंका को कराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अगर वह ये मैच नहीं जीत पाती है। तो सीरीज हार जाएगी। सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरा श्रीलंका ने जीता है। ऐसे में तीसरा मैच अगर टाई भी रहता है तो भारतीय टीम सीरीज हार जाएगी। ऐसे मे भारतीय टीम के ऊपर श्रीलंका में सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले भारतीय टीम को 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। तब अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने भारतीय टीम को हराया था। उसके बाद से ही भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 एकदिवसीय सीरीज हुई हैं और सभी में भारतीय टीम जीती है।

भारत के पास इस सीरीज को जीतने का अवसर अब नहीं है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी एकदिवसीय सीरीज में अच्छी नहीं रही है। विशेषकर मध्यक्र रन नहीं बना पाया है। इसी कारण टीम इस प्रकार के हालातों में फंसी है। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है जिसपर कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अभी तक केवल 38 रन ही बना पाए हैं। इससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अब वह इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तक वह इसमें विफल रहे हैं। उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा।

श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करने का तरीका अब तक भारतीय बल्लेबाज नहीं सीख पाये हैं। यहां तक कि स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक असफल रहे हैं। केवल रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में 64 रन बनाये थे।

टीम

भारत : शुभमन गिल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका : पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, जेफरी वेंडरसे

भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी उन्हीं की तरह खेलना होगा। भारत इस मैच में शिवम की जगह रियान पराग को अवसर दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं।

विनेश पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची

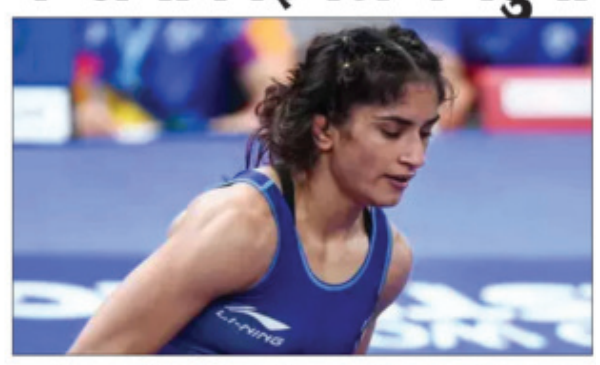

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। विनेश ने क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। इसए मुकाबले में विनेश शुरुआत से ही हावी विनेश ने शुरु में ही 4 अंक हासिल किए। इसके बाद से ही वह लगातार हावी रहीं।

विनेश ने जीत से अपना अभियान शुरु किया है। विनेश ने मौजूदा चैम्पियन जापान की युवी सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। विनेश इस मुकाबले में अंतिम मिनट में 0-2 से पीछे हो गयीं थी पर इसके बाद उन्होंने जबदस्त वापसी करते हुए अंतिम 30 सेकंड में बाजी पलट दी।

विनेश को 50 किलो वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती में कठिन ड्रॉ मिला है। इसमें उनका पहला ही विश्व की नंबर एक सुसाकी से हुआ। इसमें विनेश ने अपनी प्रदर्शन से विरोधी खिलाड़ी को पटखनी दे दी। इससे तय है कि विनेश का लक्ष्य पदक जीतना है।

विनेश और उनकी विरोध खिलाड़ी के बीच शुरुआत में कड़ा मुकाबला हुआ। पहले दौर में सुसाकी को एक अंक मिला। विनेश को आक्रामक रुख नहीं अपनाने के कारण रैफरी ने चेताया था ऐसे में 30 सेकंड में उन्हें हमला करना था पर वह नहीं कर पायीं। ऐसे में विरोध पहलवान को अंक मिल गया।

पेरिस ओलंपिक : नीरज चोपड़ा फाइनल में पहुंचे

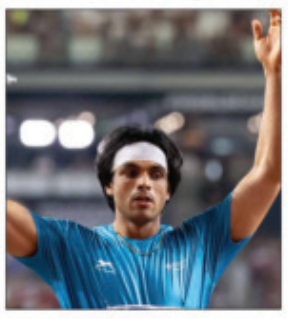

पेरिस (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदें टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे। पहले ग्रुप में भारत के हाथ

नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए।

नीरज के अलावा पाकिस्तान के उनके प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम ने भी पहले ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया।

बंगलादेश में हालात खराब, महिला टी20 विश्वकप के लिए वैकल्पिक स्थलों का चयन

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल के आखिर में बंगलादेश में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप आयोजन के लिए वैकल्पिक स्थल के रुप में भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका को चिन्हित किया है। आईसीसी के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि बंगलादेश की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी विकल्प खुले रखे गए हैं।

आईसीसी के बयान में कहा गया, 'आईसीसी, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं में सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और

उनकी देख-रेख शामिल है।' बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। इस तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में चिन्हित किया है। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में पिछले कुछ हफ्तों से सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत की सरकारों ने सोमवार के घटनाक्रम के बाद अपने नागरिकों को बंगलादेश की यात्रा नहीं करने की सलाह जारी की है। ये तीनों देश टी-20 विश्वकप का भी हिस्सा हैं।

दक्षिण अफीका के नये बल्लेबाजी कोच बने इमरान

केप टाउन ।पूर्व क्रिकेटर इमरान खान दक्षिण अफीका के नये बल्लेबाजी कोच होंगे। इमरान के पास केवल एक मैच का अनुभव है,ऐसे में उन्हें कोच बनाये जाने से सभी हैरान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफीका (सीएसए) ने कहा कि इमरान को नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। इस क्रिकेटरने साल 2009 में एक टेस्ट मैच खेला था। वह पिछले पांच साल से डॉल्फिस टीम के कोच थे। इमरान अभी अफीकी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी कोच एश्वेल प्रिंस निजी कारणों से इस दौरे से बाहर हैं। इमरान डॉल्फिस के कोच के रूप में काफी सफल रहे हैं। साल 2020-21 और 2022-23 में उनके कोच रहते हुए टीम ने एक चार दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। इसके अलावा 2020-21 के एकदिवसीय कप में उनकी टीम संयुक्त रूप से विजेता रही थी। इसके अलावा उनकी टीम तीन बार सीएसए टी-20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची थी। इमरान के कार्यकाल के दौरान ही कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना पाये हैं। इसने कीगन पीटरसन,केशव महाराज, सारेल ईवी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अपने करियर के दौरान इमरान को टेस्ट प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 161 प्रथम श्रेणी मैचों में 9367 रन बनाए थे। इसमें 20 शतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने 121 लिस्ट ए और 51 टी-20 मैच भी खेले थे।

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलपिक खेलों मे पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे। वर्ल्ड चैंपियनशिप : उन्होंने 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीते।

जरुरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आये राहुल और आथिया

मुंबई । क्रिकेटर केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी सेव द चिल्ड्रन इंडिया नाम से जाने जाने वाले बच्चों के विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाएंगे। ये फाउंडेशन जरुरतमंद बच्चों की पढ़ाई के साथ ही अन्य कई जरुरतों का ध्यान रखता है। राहुल और अथिया ने एक विशेष क्रिकेट नीलामी का भी आयोजन किया है, जिसमें स्टार खिलाड़ी दिग्गज अपनी कोई बहुत ही प्रिय वस्तु दान करेंगे और फाउंडेशन के लिए वित्तीय सहायता जुटाएंगे। इसके लिए ये अन्य दिग्गजों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं। राहुल और अथिया ने राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसे प्रसिद्ध और सम्मानित क्रिकेटरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ; जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी इस बारे में संपर्क किया है। राहुल ने कहा. स्कूल में मेरा पहला दौरा बहुत भावुक था और बच्चों ने मुझे इस महान पहल में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। नीलामी विपला फाउंडेशन द्वारा बच्चों को एक बेहतरीन शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए किए जा रहे कार्य काम का समर्थन करने का हमारा तरीका है। जब मैंने क्रिकेट बिरादरी से संपर्क किया, तो उन्होंने भी इस महान उद्देश्य के लिए अपने कीमती क्रिकेट सामान दान करने में उतना ही सहयोग किया।

प्रो कबड्डी लीग आगामी सीजन के लिए रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

मुंबई (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। प्रत्येक फ्रैंचाइजी ने खिलाड़ियों के एक मजबूत कोर ग्रुप को बरकरार रखा है और अब वे सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन की मदद से एक मजबूत टीम का निर्माण करना चाह रही है।

दबंग दिल्ली के.सी. ने आशु मलिक और नवीन कुमार की अपनी रेडर जोड़ी को अपने साथ बरकरार रखा है। इस बीच, सीजन 10 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले स्टार रेडर और कप्तान असलम इनामदार को पुनेरी पल्टन ने बरकरार रखा है। इसके अलावा, जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को बरकरार रखा है। देशवाल पिछले सीजन में टीम के कप्तान भी थे।

कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में बरकरार रखा गया, जिनमें से 22 एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स (ईआरपी) श्रेणी से, 26 रिटेन्ड यंग प्लेयर्स (आरवाईपी) श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी (ईएनवाईपी) से हैं।

जिन खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया गया उनमें पवन सेहरावत, परदीप नरवाल, मनिंदर सिंह, फज़ल अत्राचली और मोहम्मदरेज़ा शादलोई चियानेह जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी 15-16 अगस्त 2024 को मुंबई में होने वाले पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर ऑक्शन में नीलामी के लिए जाएंगे।

घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर नीलामी में चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। ये श्रेणियां- ए, बी, सी और डी होंगी। खिलाड़ियों को प्रत्येक श्रेणी में 'ऑल-राउंडर', 'डिफेंडर' और 'रेडर' के रूप में उप-विभाजित किया जाएगा।

प्रत्येक श्रेणी के लिए बेस प्राइस
श्रेणी ए - 30 लाख रुपये
श्रेणी बी - 20 लाख रुपये
श्रेणी सी - 13 लाख रुपये
श्रेणी डी - 9 लाख रुपये

सीज़न 11 के प्लेयर पूल में 500 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 की दो फाइनलिस्ट टीमों के 24 खिलाड़ी भी शामिल होंगे। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी के पास अपने दल को बनाने के लिए कुल 5 करोड़ रुपये का सैलरी पर्स मिला है।

डबल्यूआर बनी विश्व ब्लिट्ज़ टीम शतरंज चैंपियन , भारत की एमजीडी1 रही उपविजेता

अस्ताना, कज़ाकिस्तान । विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के ठीक अगले दिन शतरंज के सबसे छोटे फॉर्मेट ब्लिट्ज़ शतरंज की विश्व टीम चैंपियनशिप पहली बार खेली गयी जिसका खिताब विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन के नेतृत्व वाली डबल्यूआर चैस टीम नें भारत की टीम एमजीडी 1 को एक करीबी मुक़ाबले में 3-1 से पराजित करते हुए अपने नाम कर लिया , दोनों टीम के बीच हुए बेस्ट ऑफ 2 फाइनल में एमजीडी 1 पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी की कार्लसन के जीत के बाद भी 3.5-2.5 से हार गयी , हालांकि दूसरे मुक़ाबले में टीम नें वापसी की पर मुक़ाबला 3-3 से ड्रॉ रहा और उन्हे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा । इससे पहले टीम एमजीडी1 नें क्वाटर फाइनल में टीम अशडोड क्लब और सेमी फाइनल में रैपिड की विजेता अल एन को पराजित किया वही डबल्यूआर टीम नें क्वाटर फाइनल में जीएम हंस टीम और सेमी फाइनल में टीम चैसी को पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया । इस तरह डबल्यूआर टीम नें स्वर्ण, एमजीडी1 नें रजत और सेमी फाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक दिया गया ।

साउथ अफीका टी20 लीग से जुड़ेंगे दिनेश कार्तिक, ऐसा कीर्तिमान करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली । भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने ऐसा कारनामा किया है जो अभी तक किसी भारतीय क्रिकेटर ने नहीं किया । दरअसल, कार्तिक दक्षिण अफीका की मशहूर लीग एसए टी20 लीग में खेलते हुए दिखेंगे । आरसीबी से संन्यास लेने के बाद दिनेश कार्तिक एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे । इस दौरान उन्होंने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंध करार पर हस्ताक्षर किए हैं । इसके साथ ही वह दक्षिण अफीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेट बन गए हैं । आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 साल के कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और उन्हें आईपीएल टीम आरसीबी ने मेंटर सह बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है । वहीं एसए20 से जुड़ने के बाद दिनेश कार्तिक ने कहा कि, दक्षिण अफीका में खेलने और वहां जाने की मेरी बहुत सारी यादें हैं और जब ये अवसर आया तो मैं मना नहीं कर सका क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा ।

बांग्लादेश में क्रिकेटर मशरफे मुर्तजा के घर में प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग

खेल डैस्क : बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे बिन मुर्तजा पर गुस्सा दिखाया है । गुस्साए लोगों ने मुर्तजा के घर को आग लगा दी है । यह घटना प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और सोमवार को बांग्लादेश छोड़ने के बाद हुई। बांग्लादेश में अभी अराजकता और अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि खुलना डिवीजन में नरैल-2 निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य मुर्तजा ने इस साल की शुरुआत में हुए आम चुनावों के दौरान अवामी लीग के उम्मीदवार के रूप में लगातार दूसरी बार अपनी सीट जीती थी । माना जा रहा है कि मुर्तजा ने छात्रों के प्रदर्शन और सामूहिक गिरफ्तारियों पर चुप्पी साधे हुए थी, इससे प्रदर्शनकारी निराश थे।

कौन है मशरफे बिन मुर्तजा

बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक माने जाने वाले मुर्तजा ने अपने करियर में 36 टेस्ट, 220 वनडे और 54 टी20ई खेले । उन्होंने सभी प्रारूपों में 117 मैचों में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की जो किसी भी बांग्लादेशी खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक है । अपने शानदार करियर के दौरान मुर्तजा ने 390 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए और 2,955 रन बनाए । वह अपनी गति, सटीकता और गेंद को दोनों तरफ स्विंग करने की क्षमता के लिए जाने जाते थे । मुर्तजा के नेतृत्व कौशल की भी बहुत प्रशंसा की गई, क्योंकि उन्होंने बांग्लादेश को कई यादगार जीत दिलाई ।

खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी , हर चीज के लिए महासंघ को दोष नहीं दे सकते:पादुकोण

पेरिस (एजेंसी)। महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य सेन के पदक नहीं जीत पाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं तो उन्हें जवाबदेह भी होना चाहिये। पादुकोण ने कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। साथ ही कहा कि हर बार खराब परिणाम के लिए महासंघ को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। लक्ष्य को इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर वह पुरुष एकल स्पर्धा में मलेशिया के जी जिया ली के खिलाफ हार के कारण पदक हासिल नहीं कर पाये। पादुकोण का मानना ??है कि एथलीटों को वह सब कुछ दिया गया जो उन्होंने मांगा था। इसलिए उन्हें अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिये।

पादुकोण ने कहा कि आप जानते हैं, जैसा कि मैंने कहा कि मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हमारे शीर्ष खिलाड़ियों के पास पदक जीतने का मौका था। उन्हें वह सब दिया गया जो वे चाहते थे, उन्हें कभी भी ना नहीं कहा गया, भले ही मांगें कभी-कभी सही नहीं थीं। खिलाड़ियों की ओर से भी प्रयास करने के साथ ही अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिये। थोड़ी अधिक जवाबदेही होनी चाहिए। एक बार जब आपको वह दे दिया जाता है, तो आपको जवाबदेह भी होना होगा। मुझे लगता है कि पिछले ओलंपिक में मैंने ऐसा कहा था। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेना सीखना होगा। मुझे लगता है कि शीर्ष खिलाड़ियों को युवा पीढ़ी को रास्ता दिखाना होगा।

लक्ष्य की हार एक और उदाहरण है जब एक भारतीय एथलीट उस समय प्रदर्शन करने में विफल रहा जब यह सबसे ज्यादा जरुरत थी। वहीं निशानेबाज अर्जुन बाबुता पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे जबकि मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मैच में तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोम्मदेवरा को भी हार का सामना करना पड़ा। निशानेबाज माहेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरुका स्कीट मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल नहीं कर पाये। पादुकोण ने कहा कि महासंघ, फाउंडेशन, अकादमियां, केवल इतना ही कर सकते हैं कि सभी सुविधाएं प्रदान करें पर प्रदर्शन तो खिलाड़ियों को ही करना होगा। साथ ही कहा कि खिलाड़ी उतना अधिक प्रदर्शन और मेहनत नहीं कर रहे जितना ओलंपिक पदक के लिए जरुरत होता है।

सोनू सूद ने बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार से की अपील

नई दिल्ली । फिल्म अभिनेता सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें एक बांग्लादेशी हिंदु महिला मदद की गुहार लगा रही है। सोनू सूद ने ये वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर करते हुए अपील की है कि सभी लोग बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वहां से निकलवाने में मदद करें। सोनू ने लिखा, अपने भारतीय भाइयों को बांग्लादेश से सुरक्षित वापस लाने के लिए हमें अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करनी चाहिए ताकि उन्हें यहां एक बेहतर लाइफ मिल सके। यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं जो कि हालात संभालने की कोशिश कर रही है, बल्कि हम सभी की है। जय हिंद....

अयोध्या गैंगरेप केस में आरोपी का डीएनए टेस्ट कराएगी पुलिस

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या में 12 साल की बच्ची के साथ गैंग रेप में अपने मुस्लिम नेता और वहां नगर अध्यक्ष मुईन खान को बचाने के लिये काफी आपत्तिजनक तरीके से डीएनए टेस्ट कराने की जो मांग की थी, उस पर अब पुलिस ने भी अपनी मोहर लगा दी है। पुलिस ने आरोपित की डीएनए जांच कराने का निर्णय लिया है। वहीं गैंग रेप के आरोपी दुष्कर्म की शिकार किशोरी के घरवालों ने गर्भपात की सहमति दे दी है। डीएनए के संबंध में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डा. जीके गोस्वामी ने बताया कि डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट आने की अवधि जांच की प्रकृति पर निर्भर करता है। कपड़ों, बाल या घटनास्थल से एकत्र नमूनों के मिलाने में समय लगता है, लेकिन इस प्रकरण में पीड़िता, भ्रूण और आरोपित की जांच रिपोर्ट तीन से चार दिन में आ सकती है। इसके लिये किशोरी की प्राथमिक जांच कराई गई है, विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम भी बन गई है।

उधर, परिवार की सहमति के बाद गत दिवस सीएमओ संजय जैन किशोरी को लेकर लखनऊ रवाना हुए। दोपहर बाद तीन बजे उसे गर्भपात व बेहतर उपचार के लिए कड़ी सुरक्षा में लखनऊ के क्वीनमेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपित सपा के भदरसा नगर पंचायत अध्यक्ष मोईद खान और उसके सहयोगी राजू को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर पीड़ित परिवार से भेंटकर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई थी। आरोपित की अतिक्रमण कर बनाई गई बेकरी पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। अन्य संपत्तियों की भी जांच चल रही है। किशोरी के परिवार की बेहतर चिकित्सा की मांग पर उसे लखनऊ भेजा गया। गर्भपात पर निर्णय लेने के लिए बाल कल्याण समिति की ओर से नियुक्त की गई सहायक ने स्वजन की सहमति ली और रिपोर्ट समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी को सौंप दी। उधर, एसएसपी ने कहा कि किशोरी का अश्लील वीडियों बनाने का आरोप लगा है। आरोपितों के मोबाइल भी जांच के लिए भेजे जाएंगे।

राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक संपन्न

पानीपत : भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने एक विज्ञप्ति जारी कर यह कहा, कि भारत तिब्बत सहयोग मंच की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक 'सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र, समलखा, पानीपत (हरियाणा) में राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल के नेतृत्व में आयोजित की गई। मंच के संस्थापक मार्गदर्शक एवं राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार, हरियाणा के प्रांत संचालक प्रताप कुमार, संगठन के संरक्षक कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री, कार्यकारी अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई, मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज आर के खीरमे, और तिब्बत निर्वासित सरकार की रक्षा मंत्री गेएरी डोलमा मंच पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वामी जी ने कहा, कि बैठक में संगठन की गतिविधियों पर गहन चिंतन मनन और मंथन हुआ। तिब्बत की आजादी और कैलाश मानसरोवर की मुक्ति आंदोलन के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार ने मंच के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की भूरि - भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि मंच के द्वारा दिया गया एक नारा चीन की सीमा चीन की दीवार, बाकी सब कब्जा है इस नारे के कारण विश्व के वे सभी राष्ट्र जिनकी सीमा चीन से लग रही है वे सभी मंच के साथ एक छत के नीचे आ गए हैं क्योंकि चीन की साम्राज्यवादी नीति से आज संपूर्ण विश्व आहत हैं। राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल ने चीनी सामान का बहिष्कार करने की बात रखी। तिब्बती संसद की रक्षा मंत्री गेयरी डोलमा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए चीन द्वारा तिब्बत के संवैधानिक अधिकारों का हनन करने की बात रखी। इस केंद्रीय परिषद की बैठक में भारत तिब्बत सहयोग मंच की केंद्रीय अधिकारी, भारत के लगभग सभी प्रदेशों के प्रतिनिधी, के साथ झारखंड प्रदेश से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज के नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला महामंत्री श्रीमती मुन्नी झा क्षेत्रीय संयोजक संजय मिनोचा, प्रदेश के युवा विभाग के अध्यक्ष रोहित शारदा, महिला विभाग की अध्यक्षा नम्रता सोनी, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. अमित कुमार, महामंत्री महेश सोनी, महामंत्री कुमुद पांडे, पर्यावरण प्रकोष्ठ की सहसंयोजिका रेणुका पासवान इत्यादि प्रदेश अधिकारियों की प्रतिनिधित्व रही, उक्त जानकारी स्वामी दिव्यानंद ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया।

सीतापुर के चर्चित तिहरे हत्याकांड में एक अभियुक्त को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली : वर्ष 2015 में सीतापुर जिले के महोली थाना के चर्चित तिहरे हत्याकांड में आखिरकार एक अभियुक्त को आज सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी । सनद रहे कि 25 जून 2015 चार बजे, सीतापुर के महोली में चुनावी रंजिश में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की जान गई थी। प्रधानी चुनाव की रंजिश को लेकर हुए इस खूनी खेल में करीब एक घंटे तक 50 राउंड गोलियां चलीं थी। दहशत का आलम यह था कि चौराहे के कई दुकानदार अपनी शॉप खुली छोड़कर मौके से भाग गए। वहीं पास की बड़ागांव पुलिस चौकी पर तैनात सिपाही भी भाग खड़े हुए। इस गोलीबारी में कुल तेरह में से नौं अभियुक्त पिछले नौं वर्ष से जेल में बन्द हैं । निचली और उच्च न्यायालय से इन सभी अभियुक्तों की जमानत खारिज हो जाने के बाद एक अभियुक्त रामगोपाल सिंह को आज सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी । याचिकाकर्ता/अभियुक्त के वकील और सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वकील आदर्श कुमार तिवारी ने बताया कि दिनदहाड़े सामूहिक हत्याकांड में जमानत मिलना बहुत कठिन होता है । लेकिन लंबी बहस के बाद आज माननीय उच्चतम न्यायालय ने सारी दलीलों को सुनने के बाद आखिरकार जमानत दे दी । उस समय के प्रधान हरिवंश सिंह व प्रधानी पद के दावेदार जितेंद्र मिश्रा में मामूली बात पर कहासुनी होने लगी। बात इतनी बढ़ी कि तत्कालीन मौजूदा प्रधान पक्ष ने थाने के सामने ही फायरिंग शुरू कर दी। इस हत्याकांड में आरोपियों की तरफ से करीब एक घंटे तक रुक-रुककर गोलियां चलती रही। कुछ दुकानदार प्रतिष्ठान बंद कर खेतों व घरों की ओर भागे तो कुछ अंदर से शटर बंद कर दुबक गए।आसपास के गांवों में भी लोग दहशत में आ गए। जब पुलिस पहुंची तब वहां पर सन्नाटा पसरा था। पुलिस ने किसी तरह सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने प्रधान पद के दावेदार जितेंद्र मिश्रा (33) पुत्र रमेश चंद्र मिश्रा, उसके परिवार के ही लालजी मिश्रा (48) पुत्र गंगाराम व सुंदरलाल (40) पुत्र रामलोटन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था जबकी इसी पक्ष के अन्य घायलों को चिकित्सा सुविधा द्वारा बचा लिया गया ।

सांसद दुबे का राहुल गांधी पर तंज... ओबीसी आरक्षण पर ढोंग कर रहे

-ओबीसी को आरक्षण का विरोध करती थी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उस पर अपने कार्यकाल के दौरान डीबीटी यानी डालमिया, बिड़ला और टाटा जैसे कुछ व्यापारिक समूहों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बजाज को भी इस सूची में शामिल किया और इसे डीबीबीटी योजना का नाम दिया। दुबे की टिप्पणी विपक्ष के आरोपों के जवाब में की गई थी कि वर्तमान सरकार अरबपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कंपनियों का समर्थन करती है।

दुबे ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस के समय धनशोधन विरोधी कानून तथा आयकर से जुड़े कानूनों को सख्त किया गया था, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में ईमानदारी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी भ्रष्टाचारी होगा, वो जेल जाएगा। दुबे ने कहा कि आज जब अन्य देशों का आकलन करेंगे तो पता चलेगा कि आज भी भारत दुनिया के लिए आशा की किरण है क्योंकि यहां विकास दर सात प्रतिशत है।

दुबे ने कुछ राजनेताओं के व्यवहार में स्पष्ट विरोधाभास की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उल्लेख किया कि अडानी और अंबानी की आलोचना करने वाले कई लोग अनंत अंबानी की शादी में मौजूद थे, लेकिन अब संसद में उनके विरोध में मुखर हैं, जहां उद्योगपति अपना बचाव नहीं कर सकते। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बजट को लेकर अराजकता फैला रहे हैं तथा उस पद का क्या हाल कर रहे हैं जिस पर बाबू जगजीवन राम, अटल बिहारी वाजपेयी, वाईवी चव्हाण और शरद पवार जैसे लोग आसीन रह चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ओबीसी आरक्षण के खिलाफ है और उसने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में किसी पिछड़े को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। दुबे ने कहा, ''आज देश के प्रधानमंत्री पिछड़े वर्ग से हैं, अगर वह ओबीसी की सुरक्षा की बात करते हैं तो आप (कांग्रेस) ओबीसी-ओबीसी करने लगते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम और ईसाई समुदाय को पीछे के रास्ते से आरक्षण देना चाहती है। भाजपा सांसद का कहना था कि इस बजट में 'एंजेल टैक्स' खत्म किया गया ताकि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिलें। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस देश को बदनाम करना चाहती है। वह चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी और देश के खिलाफ माहौल बने। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।''

मछुआरों के प्रतिनिधिमंडल से मिले जयशंकर

नई दिल्ली । तमिल मछुआरों की समस्याओं और उनके साथ हो रही घटनाओं को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तमिलनाडु के बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई के साथ मछुआरों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने मंगलवार को पोस्ट में मछुआरों की समस्याओं पर विचार करने का आश्वासन दिया। जयशंकर ने कहा, सोमवार को तमिलनाडु अध्यक्ष अन्नामलाई, तमिल मछुआरों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की। उन्होंने अपनी विभिन्न शिकायतें और चिंताएं बताईं। भारत सरकार भारतीय मछुआरों की आजीविका, कल्याण और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों पर स्थायी और सहानुभूतिपूर्ण तरीके से विचार किया जाएगा। यह मुलाकात तब हुई जब हाल ही में 1 अगस्त को श्रीलंकाई नौसेना के जहाज से भारतीय मछुआरों की नाव की टक्कर में एक भारतीय मछुआरे की मृत्यु हुई थी। घटना में दो अन्य मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा हिरासत लेकर श्रीलंका ले जाया गया था। यह घटना भारत और श्रीलंका के बीच लंबे समय से चली आ रही समुद्री विवाद को फिर से उजागर करती है। भारतीय मछुआरे अक्सर अपनी जीविका के लिए समुद्र में उतरते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के विवाद के कारण उन्हें कई बार समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने जोर दिया कि भारत सरकार मछुआरों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और उनका समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मछुआरों की समस्याओं का समाधान सहानुभूतिपूर्ण और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ किया जाएगा।

8 अगस्त से घाटी के दो दिवसीय दौरे पर ईसी की टीम, सितंबर में चुनाव की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की टीम 8 अगस्त से 2 दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर पहुंच रही है। उम्मीद है कि घाटी में चुनाव लगभग छह साल के अंतराल के बाद सितंबर में हो सकते हैं। निर्वाचन आयोग विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेगा। इसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू भी होंगे। यह दौरा केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए उच्चतम न्यायालय की 30 सितंबर की समयसीमा से कुछ हफ्ते पहले होगा। आयोग दस अगस्त को कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक के लिए जम्मू का दौरा करेगा। ऐसी उम्मीद है कि घाटी में चुनाव लगभग छह साल के अंतराल के बाद सितंबर में हो सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जहां पूरी ताकत के साथ जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, वहीं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अभी भी सशंकित है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राजनीतिक गतिविधियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बीजेपी ने जम्मू में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है और पार्टी को चुनाव की तैयारी शुरू करने का आदेश जारी किया है। नेताओं को पहुंच बढ़ाने और 15 अगस्त तक पूरी प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिला स्तर पर टीमें बनाने के लिए कहा गया है। यह भाजपा के लक्ष्यों का रोडमैप निर्धारित करेगा, जो पार्टी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मिशन को पूरा करेगा।

पिछले दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द कराए जाने के नये संकेत देते हुए निर्वाचन आयोग ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से कहा कि वह अपने गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला कर दे। आयोग चुनाव से पहले यह कदम उठाता रहा है। आयोग लगातार यह नीति अपनाता रहा है कि चुनाव वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन जगहों पर तैनात नहीं किया जाए, जहां वे लंबे समय से कार्यरत रहे हैं।

तिहाड़ के बाहर भाजपा का प्रदर्शन... केजरीवाल इस्तीफा दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को तिहाड़ जेल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, इसकारण दिल्ली का विकास नहीं हो पा रहा है। केजरीवाल सरकार दिल्ली को लूटने का काम कर रही है। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं, इन पर लिखा था, दिल्ली का विकास ठप, केजरीवाल इस्तीफा दो, दिल्ली हुई बदहाल, केजरीवाल इस्तीफा दो, और दिल्ली का प्रशासन हुआ पंगु, केजरीवाल इस्तीफा दो। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के साथ ही दिल्ली की राजनीति में एक नई गर्माहट आ गई है।

बता दें, इसके पहले दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने सीएम केजरीवाल पर लोकतांत्रिक प्रशासनिक प्रक्रिया में विश्वास नहीं करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि साल 2022 से 31 जुलाई 2024 तक केजरीवाल सरकार के मंत्रिमंडल की 71 में से 56 सर्कुलेशन बैठकें हुई थी और इन बैठकों में सीएम केजरीवाल ने अपना मनमाना निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया हर सरकार की नींव होती है। केजरीवाल सरकार संविधान की अवहेलना कर रही है।

बांग्लादेश में हालात सुधारने भारत सरकार करे हस्ताक्षेप : पप्पू यादव

-कूटनीतिक और सामरिक क्षमता दिखाए जैसी इंदिरा जी ने दिखाई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बाद पीएम शेख हसीना इस्तीफा देकर भारत आ गईं हैं। बांग्लादेश में अब अंतरिम सरकार का गठन किया जाएगा। वहीं बांग्लादेश के हालातों को लेकर बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि देश की सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट से भारत को नुकसान हो सकता है। देश की सरकार इसमें हस्तक्षेप करे। उन्होंने कहा कि सरकार को सिर्फ राजनीति नहीं, दिल बड़ा करके दक्षिण एशिया के अभिभावक की तरह कूटनीतिक और सामरिक क्षमता दिखानी चाहिए। जैसा इंदिरा गांधीजी ने 1971 में पूरी दुनिया को दिखाया था। बता दें कि बांग्लादेश में सोमवार को प्रदर्शनकारी पीएम हाउस की ओर बढ़े तो पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। उन्हें गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस के सेफ हाउस में ठहराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के इस आंदोलन के प्रमुख आयोजकों ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाने का प्रस्ताव भेजा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में आंदोलन के प्रमुख समन्वयकों में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि वह पहले ही प्रोफेसर यूनुस से बात कर चुके हैं, और उन्होंने देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसकी मंजूरी दे दी है। बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बाद बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। बांग्लादेश सीमा क्षेत्रों की ओर जाने वाली यात्री और मालगाड़ियों को जाने से रोक दिया गया है। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वेकर-उज-जमान ने कहा कि अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी।

राज्यसभा में उठा रील्स बनने के नाम पर अश्लीलता को बढ़ावा का मामला

-माननीय सांसदों ने सरकार से कदम उठाने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इंस्टाग्राम रील्स का मुद्दा उठाया। रील्स बनाने वालों पर भड़के प्रोफेसर यादव ने कहा कि लोग इसतरह के वस्त्र पहनते हैं, कि नजरें झुक जाती हैं। सांसद यादव ने कहा कि किसी भी समाज में न्यूडिटी और एल्कोहलिज्म बढ़ जाता है तब कई सभ्यताएं नष्ट हो जाती हैं। प्रोफेसर यादव ने मोदी सरकार से रोकने के लिए कदम उठने की मांग की और जनसंघ के जमाने से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सुरक्षा का नारा भी याद दिलाया।

प्रोफेसर यादव ने कहा कि आज स्थिति ये है, कि कुछ प्लेटफॉर्म अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं। विशेषकर इंस्टाग्राम रील्स का नाम लेना चाहूंगा। सपा सांसद ने कहा कि अनुमानों के मुताबिक युवा हर रोज औसतन तीन घंटे इंस्टाग्राम पर रील्स देखने, भद्दे सीरियल्स और भद्दे प्रोग्राम देखने में बिता रहे हैं।

प्रोफेसर यादव ने कहा कि आए दिन ऐसी खबरें देखने को मिल रही हैं कि इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई, शादी हुई इसके बाद लड़के ने लड़की का मर्डर कर दिया। इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

वहीं, महाराष्ट्र से एनसीपी सांसद फौजिया खान ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण बच्चों पर पड़ रहे प्रभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने पुणे में एक बच्चे के सुसाइड का भी जिक्र कर इस लेकर नियम बनाने की मांग की। इसके पहले, पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने भी सोशल मीडिया के द्वारा नफरत फैलाने का मुद्दा उठाया। आप सांसद विक्रमजीत ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए ऐसा कुछ लिखा था हम सदन में बोल भी नहीं सकते। उन्होंने कहा कि इससे सोसाइटी में टेंशन हो रही है।

वर्तमान सरकार मुसलमानों को मिली धार्मिक स्वतंत्रता छीनना चाहती है: मदनी

-वक्फ एक्ट में संशोधन पर जताई आपत्ति, यह संपत्तियां हमारे पुरखों की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में ऐसे किसी भी संशोधन को स्वीकार नहीं कर सकते, जिससे वक्फ की स्थिति और वक्फकर्ता का उद्देश्य ही बदल जाए। मदनी ने कहा कि ऐसा लगता है कि इन संशोधनों से सरकार वक्फ की स्थिति और स्वभाव को बदलना चाहती है ताकि उस पर कब्ज़ा किया जा सके।

केंद्र सरकार वक्फ एक्ट 2013 में करीब 40 संशोधनों के साथ नया वक्फ संशोधन विधेयक 2024 संसद में पेश करने जा रही है। यह संशोधन किस प्रकार के हैं, इसका अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन मदनी ने इन संशोधनों वाले विधेयक पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद यह साफ कर देना चाहती है कि वक्फ संपत्तियां मुसलमानों के पुरखों की हुई हैं, जिन्हें धार्मिक और मुस्लिम खैराती कार्यों के लिए समर्पित किया गया है। सरकार ने उन्हें विनियमित करने के लिए वक्फ एक्ट बनाया है। जमीयत उलमा-ए-हिंद वक्फ एक्ट 2013 में कोई ऐसा संशोधन, जिससे वक्फ संपत्तियों की स्थिति और स्वभाव बदल जाए या उसे कब्ज़ा कर लेना सरकार या किसी व्यक्ति के लिए आसान हो जाए। कभी भी ऐसे विधेयक को स्वीकार नहीं किया जाएगा। वक्फ बोर्डों के अधिकारों को कम या सीमित करने को भी हम स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है तब से मुसलमानों को डराने के लिए ऐसे नए कानून ला रही है, जिससे शरई मामलों में खुला हस्तक्षेप होता है। हालांकि, सरकार यह बात अच्छी तरह जानती है कि मुसलमान हर नुकसान बर्दाश्त कर सकता है लेकिन अपनी शरीयत में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकता। मदनी ने साफ कहा कि मुसलमानों को दिए गए संवैधानिक अधिकारों में जानबूझकर हस्तक्षेप किया जा रहा है। संविधान ने हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता के साथ-साथ अपने धार्मिक कार्यों का पालन करने का भी अधिकार दिया है और वर्तमान सरकार संविधान द्वारा मुसलमानों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता छीनना चाहती है।

मौलाना मदनी ने कहा कि सरकार की नीयत खराब है। वह हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर मुसलमानों की अरबों-खरबों की संपत्तियों को हड़प लेना चाहती है। उसने अतीत में भी यूसीसी, तलाक या नान-नफक़ा के मुद्दे पर हस्तक्षेप किया। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने हमेशा वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। अगर इस मामले में जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे, क्योंकि हम अपने पुरखों की संपत्तियों की सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर जारी रहने वाली लूट पर चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खुद दिल्ली में मस्जिदों को शहीद करा रही है। हजरत निजामुद्दीन में सैकड़ों करोड़ के वक्फ कब्रिस्तान पर कब्ज़ा करने की कोशिश की जा रही है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**